@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 23 नवंम्बर 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 20 अंक 15 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

अपराधियों पर कार्रवाई से बदला माहौल, निवेश और रोजगार को मिली रफ्तार

कौमी पत्रिका

लखनऊ। अपराधियों और माफिया के खिलाफ कार्रवाई से प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति बदली है। इसका असर कारोबार, निवेश और रोजगार के माहौल पर भी पड़ा है। सुरक्षित माहौल मिलने से व्यापारी और उद्यमी कारोबार बढ़ाने के लिए आगे आ रहे हैं। सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति, बुलडोजर कार्रवाई और तकनीक आधारित पुलिसिंग को प्रदेश में आए इस बदलाव की वजह बताते हुए रविवार को गोमतीनगर के 1090 चौराहे पर आयोजित युवा संवाद में चर्चा हुई। फ्रेंड्स ऑफ योगी की ओर से आयोजित 'योगी की पाती युवा संवाद' में वर्ष 2017 से पहले और बाद की कानून-व्यवस्था की तुलना की गई। चर्चा में अपराधियों और माफिया के खिलाफ कार्रवाई, अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर चलाने, पुलिसिंग में सुधार और राजनीतिक संरक्षण में पनपे अपराधी नेटवर्क जैसे मुद्दे उठे। पूर्व डीजीपी अरविंद कुमार जैन ने कहा कि पुलिस की सक्रियता और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई से कानून का डर बढ़ा है। अवैध कब्जों के खिलाफ गुंडागर्दी पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस



अभियान और बुलडोजर कार्रवाई ने अपराधियों को संदेश दिया है कि कानून तोड़ने पर कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि का सक्रिय रहना जरूरी है। उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के सदस्य और वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत सिंह अटल ने कहा कि बुलडोजर कार्रवाई न्यायिक समीक्षा के दायरे में है। उन्होंने दावा किया कि इससे अपराधियों का मनोबल टूटा है। उन्होंने वर्ष 2016 के मुकाबले डकैती की घटनाओं में 87 प्रतिशत और हत्या के मामलों में 43 प्रतिशत कमी आने का आंकड़ा रखा। उनके मुताबिक प्रदेश की 25 करोड़ आबादी को सुरक्षित माहौल देने की दिशा में काम हुआ है। वक्ताओं ने कहा कि कानून-व्यवस्था का सीधा संबंध विकास और रोजगार से है। जब व्यापारी बिना डर कारोबार कर सकें, महिलाएं सुरक्षित बाहर निकल सकें और उद्यमियों को निवेश की सुरक्षा का भरोसा मिले, तभी नए उद्योग और रोजगार के अवसर बढ़ते हैं। सुरक्षित माहौल से प्रदेश में निवेश की संभावनाएं भी मजबूत होती हैं। कार्यक्रम में नागरिकों, महिलाओं, व्यापारियों और उद्यमियों की सुरक्षा, तकनीक आधारित पुलिसिंग और संस्थागत सुधार समेत नौ प्रमुख विषयों पर चर्चा हुई। युवाओं ने भी वक्ताओं से सवाल किए। संवाद में डूसू के पूर्व अध्यक्ष शक्ति सिंह भी शामिल हुए। सत्र का संचालन एएफपीआर के सीईओ शशांक शेखर सिंह ने किया।



सार संक्षेप

प्रधानमंत्री ने राज्यसभा सांसद रामराव सखाराम वाडकुटे के निधन पर दुख जताया

नई दिल्ली। । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को राज्यसभा सांसद रामराव सखाराम वाडकुटे के निधन से गहरा दुख जताया।नीतियां देखें प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, समाज में रामराव वाडकुटे का योगदान और गरीबों तथा वंचितों की सेवा पर उनका जोर हमेशा याद रखा जाएगा। उनके निधन से गहरा दुख हुआ है।

समाज में उनके योगदान और गरीबों तथा वंचितों की सेवा पर उनके जोर के लिए उन्हें याद किया जाएगा। महाराष्ट्र में भाजपा को मजबूत करने के उनके प्रयास भी विशेष रूप से उल्लेखनीय थे। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं। ओम शांति।

कच्छ सड़क हादसे पर प्रधानमंत्री मोदी ने जताया दुख

कच्छ। गुजरात के कच्छ जिले में भुज-खावड़ा नेशनल हाईवे पर हुए भीषण सड़क हादसे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गहरा दुख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से रविवार को जारी जानकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री ने दुर्घटना में जान गंवाने वालों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। उन्होंने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से प्रत्येक मृतक के निकटतम परिजन को दो लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।

यूपी विधानसभा चुनाव: कांग्रेस-सपा के बीच सीट बंटवारे पर बातचीत 23 नवंबर से शुरू होगी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश 2027 विधानसभा चुनाव के मद्देनजर, सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच संयुक्त बैठक सोमवार से शुरू होने वाली है। सूत्रों के अनुसार, गठबंधन सहयोगियों द्वारा मांगी जा रही सीटों की संख्या पर चर्चा के लिए पहली बैठक कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी के आवास पर होगी। इस बीच, समाजवादी पार्टी (एसपी) ने एक समिति बनाई है, जो पार्टी की ओर से बातचीत का नेतृत्व करेगी।

कोटा में सड़क हादसा, महाराष्ट्र के एक परिवार के नौ सदस्यों की मौत

हादसे में कई लोग घायल हो गए।

एजेंसी

कोटा (राजस्थान)। कोटा-उदयपुर नेशनल हाइवे पर शंभूपुरा गांव के पास शनिवार आधीरात बाद लगभग एक बजे सड़क हादसे में महाराष्ट्र के एक ही परिवार के नौ सदस्यों की जान चली गई। हादसे में कई लोग घायल हो गए। घटना नांता थाना क्षेत्र में हुई। सूचना मिलते ही पुलिस और राहत दल पहुंचे। सिटी एसपी तेजस्वनी गौतम ने बचाव कार्य की निगरानी की। पुलिस के अनुसार, क्रूजर में



महाराष्ट्र के धुले जिले के एक ही परिवार के 16 सदस्य यात्रा कर रहे थे। परिवार धार्मिक स्थलों के दर्शन के लिए मंगलवार को महाराष्ट्र से रवाना हुआ। श्रद्धालुओं ने पहले मध्य प्रदेश के ओंकारेश्वर और फिर राजस्थान के पुष्कर व खाटूश्यामजी में दर्शन किए। शनिवार रात सभी लोग वापस अपने घर लौट रहे थे।

हादसे में क्रूजर सवार आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल माधवी को अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उन्होंने भी दम तोड़ दिया। न्यू मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉ. आशुतोष शर्मा के अनुसार, घायलों को अस्पताल लाया गया है। गंभीर रूप से घायल मनीषा को वेंटिलेटर पर रखा गया है।

मृतकों की पहचान उषा बाई, सुशीला (55), कैलाश (45), सांवी, सज्जन, अनीता, बाबूलाल (60), जाह्नवी (13) और माधवी के रूप में हुई है। एक ही परिवार के नौ सदस्यों की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। घायलों में जगदीश (10), मयूरी पवार (20), मनीषा पवार (45), शरद पवार (46), गणेश पवार (30), सृजेत (3) और ट्रक चालक हारून (43) शामिल हैं। इनका न्यू मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में उपचार चल रहा है।

अरुणाचल में बना भूकंप-रोधी एनडीआरएफ परिसर

आठ राज्यों की एसडीआरएफ को मिलेगा प्रशिक्षण : अमित शाह

एजेंसी

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के होलोंगी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की 12वीं बटालियन के परिसर का उद्घाटन किया। इस नई सुविधा का उद्देश्य अरुणाचल प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में आपदा की तैयारी, आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमताओं और आपदा प्रबंधन बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है। उद्घाटन समारोह में अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, एनडीआरएफ के महानिदेशक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। समारोह को संबोधित करते हुए गृह मंत्री



अमित शाह ने कहा, 'आज एनडीआरएफ की 12वीं बटालियन का औपचारिक उद्घाटन किया जा रहा है। हम सभी जानते हैं कि अरुणाचल प्रदेश और पूरा पूर्वोत्तर क्षेत्र प्राकृतिक आपदाओं के प्रति बेहद संवेदनशील है। यह पूरा परिसर और इसकी सभी इमारतें भूकंप-रोधी मानकों के अनुरूप बनाई गई हैं। इस तरह, प्राकृतिक आपदाओं के खिलाफ बचाव की पहली पंक्ति यहीं से शुरू होती है, जो हमारी 12वीं बटालियन की सुविधाओं के जरिए काम करेगी। यह परिसर एक सुरक्षा केंद्र के रूप में काम करेगा, न केवल अरुणाचल प्रदेश और पूरे पूर्वोत्तर के लिए, बल्कि आसपास के क्षेत्रों के लिए भी और यहां इस क्षेत्र के सभी आठ राज्यों की स्टेट डिजास्टर रेस्पॉन्स फोर्स (एसडीआरएफ) को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।' शाह ने कहा, 'अरुणाचल प्रदेश और पूरा पूर्वोत्तर क्षेत्र प्राकृतिक आपदाओं की दृष्टि से सबसे संवेदनशील इलाकों में से एक है। यहां भूकंप, भूस्खलन, बाढ़ और बादल फटने जैसी घटनाएं अक्सर होती रहती हैं। ऐसे में एनडीआरएफ की मजबूत मौजूदगी बेहद जरूरी थी। जब किरेन रिजिजू गृह मंत्रालय में थे, तब उन्होंने अरुणाचल प्रदेश में 12वीं एनडीआरएफ बटालियन की आधारशिला रखी थी। मुझे खुशी है कि आज इसके उद्घाटन के अवसर पर भी वे यहां मौजूद हैं। आठ साल बाद पेमा खांडू और किरेन रिजिजू, जो आधारशिला रखने के समय भी मौजूद थे, आज इसके उद्घाटन के लिए फिर से यहां आए हैं। 'उन्होंने कहा, 'पूरा परिसर और इसकी सभी इमारतें भूकंप-रोधी मानकों के अनुसार बनाई गई हैं। प्राकृतिक आपदाओं के खिलाफ हमारी सुरक्षा की पहली पंक्ति, 12वीं बटालियन के इसी बुनियादी ढांचे से शुरू होती है। यह बटालियन न केवल अरुणाचल प्रदेश और पूरे पूर्वोत्तर की सेवा करेगी, बल्कि कई पड़ोसी क्षेत्रों को भी आपदा के समय मदद पहुंचाएगी।

दार्जिलिंग पहुंचे केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, कहा-

फिर विश्व में धाक जमाएगी दार्जिलिंग चाय

एजेंसी

सिलीगुड़ी। पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार बनने के बाद केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल रविवार को दार्जिलिंग दौरे पर पहुंचे। बागडोगरा हवाई अड्डे पर उतरने के बाद उन्होंने पश्चिम बंगाल की जनता का आभार जताया।

उन्होंने कहा कि राज्य की जनता विकास चाहती है और प्रधानमंत्री के नेतृत्व में बंगाल को प्रगति के रास्ते पर ले जाने का काम किया जा रहा है। पीयूष गोयल ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लगातार औद्योगिक निवेश की संभावनाएं बढ़ रही हैं। अब देशभर के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी लोगों



का ध्यान बंगाल की ओर आकर्षित हो रहा है। राज्य में व्यापार और उद्योग का विकास हो रहा है तथा लोगों के जीवन स्तर में सुधार के लिए शुभेंदु अधिकारी की सरकार काम कर रही है।उन्होंने कहा कि अपने दौरे के दौरान वह चाय बागानों से जुड़े लोगों से मुलाकात करेंगे। उन्हें विश्वास है कि ममता बनर्जी के कार्यकाल में लंबित पड़े कार्यों में अब तेजी आएगी।

कच्छ सड़क हादसे में हुई मौतों पर राष्ट्रपति, गृह मंत्री अमित शाह ने जताया शोक

एजेंसी

नई दिल्ली। गुजरात के कच्छ में हुए सड़क हादसे में मौतों पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, गृह मंत्री अमित शाह और उत्तराखंड व मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने दुख जताया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने एक्स पोस्ट में कहा, 'कच्छ, गुजरात में हुई सड़क दुर्घटना में लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुःखद है। मैं मृतकों के सभी शोक-संतप्त परिवारजनों के प्रति गहन शोक संवेदनाएं व्यक्त करती हूं।' गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर पोस्ट किया, 'गुजरात के कच्छ में हुई सड़क दुर्घटना अत्यंत दुःखद है। इस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और घायलों को शीघ्र स्वस्थ करें। 'उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक्स पर लिखा, 'गुजरात के कच्छ में हुई हृदयविदारक दुर्घटना में कई लोगों के असमय काल-कवलित होने का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत जनों की आत्मा को श्रीचरणों में स्थान और शोक संतप्त परिजनों को संबल एवं धैर्य प्रदान करें। 'मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने एक्स पोस्ट में कहा, 'गुजरात के कच्छ में हुए दुर्भाग्यपूर्ण सड़क हादसे में कई लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है।

स्वास्थ्य युवा आबादी का स्वास्थ्य सुरक्षित रखना भारत के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण: जितेंद्र सिंह

समय रहते बीमारी की पहचान करना जरूरी : जितेंद्र सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत में स्वास्थ्य अनुसंधान का जोर अब बीमारियों के इलाज के साथ उनकी रोकथाम, शुरुआती पहचान और आणविक एवं आनुवंशिक स्तर पर शोध की ओर बढ़ रहा है। मधुमेह, मोटापा, उच्च रक्तचाप और हृदय संबंधी बीमारियां कम उम्र के लोगों को भी तेजी से प्रभावित कर रही हैं। ऐसे में बचाव आधारित स्वास्थ्य सेवाएं और समय रहते बीमारी



भारत पारंपरिक उपचार पद्धतियों से आगे बढ़कर बीमारियों के मूल कारणों को समझने के लिए आणविक विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी और आनुवंशिक अनुसंधान में प्रगति कर रहा है।

की पहचान करना जरूरी हो गया है। उन्होंने कहा कि देश की युवा आबादी का स्वास्थ्य सुरक्षित रखना भारत के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। डॉ. जितेंद्र सिंह रविवार को यहां आयोजित 'द वीक हेल्थ समिट 2026' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने केंद्र सरकार की स्वास्थ्य पहलों पर मुख्य अतिथि के रूप में संबोधन दिया और स्वास्थ्य विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं तथा उद्योग प्रतिनिधियों के साथ संवाद भी किया। कार्यक्रम में एम्स नई दिल्ली के निदेशक डॉ. निखिल टंडन, भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के निदेशक शरद अग्रवाल और अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस समिति के भारत में उप प्रमुख डॉ. आंद्रेई कोजिक सहित कई वरिष्ठ चिकित्सक और चिकित्सा शोधकर्ता मौजूद रहे।उन्होंने कहा कि बदलती खानपान की आदतों, शारीरिक गतिविधियों में कमी और जीवनशैली से जुड़ी समस्याओं के कारण मधुमेह, मोटापा, उच्च रक्तचाप और हृदय रोगों का खतरा बढ़ रहा है। यह चुनौती अब शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में फैल रही है। उन्होंने कहा कि बीमारियों की रोकथाम केवल चिकित्सकों की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि इसके लिए समाज की सामूहिक भागीदारी और जागरूकता जरूरी है।

जीटी रोड पर अप्सरा बॉर्डर से कश्मीरी गेट तक फर्राटा भरेंगे वाहन

- अप्सरा बॉर्डर से झिलमिल मेट्रो स्टेशन तक दो सिग्नल बंद होंगे, तीन यू-टर्न बनेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी दिल्ली के अप्सरा बॉर्डर से कश्मीरी गेट तक सफर करने वाले वाहन चालकों को जल्द ट्रैफिक जाम से राहत मिलने वाली है। इसके तहत अप्सरा बॉर्डर टोल प्लाजा से झिलमिल मेट्रो स्टेशन के बीच रास्ते में रुकावट बन रहे दो ट्रैफिक सिग्नल अगले महीने बंद कर दिए जाएंगे। इनकी जगह तीन यू-टर्न बनाकर यातायात का संचालन किया जाएगा। इससे वेलकम, सीलमपुर, गांधीनगर और कश्मीरी गेट की ओर जाने वाले वाहन बिना रुके फर्राटा भर सकेंगे। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने इसकी तैयारी पूरी कर ली है। अभी जीटी रोड पर झिलमिल से कश्मीरी गेट तक का रास्ता निर्बाध है। शाहदरा फ्लाईओवर (विश्वकर्मा सेतु), सलीमपुर फ्लाईओवर और धर्मपुरा फ्लाईओवर होते हुए लोग बिना रुके सीधे कश्मीरी गेट चले जाते हैं। लेकिन अप्सरा बॉर्डर से झिलमिल मेट्रो स्टेशन तक रास्ते में रुकावट है। चिंतामणि चौराहे और झिलमिल मेट्रो स्टेशन तिराहा स्थित दो ट्रैफिक सिग्नल पर वाहनों को रुकना पड़ता है। इनकी वजह से व्यस्त समय में वाहनों की लंबी कतार लग जाती है। एक बार सिग्नल हरा होने पर सारे वाहन नहीं निकल पाते। इससे जाम की स्थिति बनती है। इस बीच रुक-रुक कर चलने से लोगों को परेशानी होती है। वाहन चालकों के 15 से 20 मिनट तक बर्बाद होते हैं। इस पर जाम लगने से विवेक विहार और दिलशाद गार्डन जाने वाले रोड पर यातायात भी प्रभावित होता है इन दोनों सिग्नलों के बंद होने से अप्सरा बॉर्डर से कश्मीरी गेट तक रास्ता सिग्नल फ्री हो जाएगा।

तीन जगह बनेंगे यू-टर्न

शाहदरा फ्लाईओवर से अप्सरा बॉर्डर के बीच तीन स्थानों पर यू-टर्न बनाए जाएंगे। ताकि वाहन निर्धारित यू-टर्न से ही दिशा बदल सकें। यू-टर्न पर सुरक्षा के लिए क्रैश बैरियर, रिफ्लेक्टिव स्टड्स, सोलर ब्लिंकर्स और चेतावनी संकेतक बोर्ड लगाए जाने की सिफारिश की गई है। नई व्यवस्था लागू होने पर ईंधन की खपत और प्रदूषण में कमी आने के साथ यात्रियों का समय भी बचेगा।

नासिरपुर गांव में कार्डबोर्ड फैक्टरी में लगी आग, दमकल की नौ गाड़ियों ने पाया काबू

नई दिल्ली (एजेंसी)। द्वारका जिले के नासिरपुर गांव में रविवार सुबह कार्डबोर्ड बनाने वाली फैक्टरी और उसके स्टोरेज में आग लग गई। आग की सूचना सुबह 9:55 बजे दमकल विभाग को मिली। इसके बाद दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। आग की गंभीरता को देखते हुए दमकल की नौ गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकल अधिकारियों के मुताबिक, खसरा नंबर 440 स्थित फैक्टरी में लगी आग पर दोपहर 11:50 बजे तक काबू पा लिया गया था। इसके बाद दोपहर 12:35 बजे ऑपरेशन बंद करने का संदेश दिया गया। हालांकि, मौके पर कूलिंग का काम जारी रहा। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है।

आईजीआई एयरपोर्ट पर लिफ्ट में डेढ़ घंटे तक फंसे रहे गुजरात के दो यात्री, वीडियो बनाकर मांगी मदद

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) के टर्मिनल-2 पर लिफ्ट खराब होने से शनिवार को गुजरात के दो यात्री करीब डेढ़ घंटे तक अंदर फंसे रहे। घटना गेट नंबर 25 के पास स्थित लिफ्ट नंबर 10 में हुई। लिफ्ट के अंदर फंसे यात्रियों ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किया और मदद की गुहार लगाई। वीडियो वायरल होने के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया। हालांकि, एयरपोर्ट प्रबंधन की टीम ने दोनों यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। यात्रियों की पहचान राहुल पटेल और सुरेश तोमर के रूप में हुई है। सुरेश तोमर ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में बताया कि वे करीब डेढ़ घंटे से लिफ्ट के अंदर फंसे हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मदद के लिए बार-बार गुहार लगाने के बावजूद लिफ्ट की लाइट बंद की जा रही है। वीडियो में उन्होंने एयरपोर्ट प्रबंधन और संबंधित एजेंसियों से तत्काल सहायता उपलब्ध कराने की अपील की। घटना की जानकारी मिलने के बाद एयरपोर्ट के संचालन और रखरखाव विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। कर्मचारियों ने लिफ्ट में फंसे यात्रियों से लगातार संपर्क बनाए रखा और उन्हें सुरक्षित बाहर निकालने की कार्रवाई की। एयरपोर्ट प्रबंधन के अनुसार, दोनों यात्रियों को सुरक्षित बचा लिया गया। इस दौरान उन्हें पीने का पानी भी उपलब्ध कराया गया। साथ ही, किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए चिकित्सा सहायता की व्यवस्था भी तैयार रखी गई थी। एयरपोर्ट प्रबंधन ने घटना के दौरान यात्रियों को हुई असुविधा पर खेद जताया है। हालांकि, लिफ्ट में तकनीकी खराबी आने के कारणों को लेकर विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

प्रॉपर्टी डीलर को अगवा करने वाला आरोपी गिरफ्तार



नई दिल्ली (एजेंसी)। पुराने आपराधिक मामले में गवाही देने से रोकने और केस वापस लेने के लिए प्रॉपर्टी डीलर को अगवा करने वाले आरोपी को बाहरी उत्तरी जिला पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी पवन कुमार उर्फ मक्की टिल्लू ताजपुरिया गैंग का सक्रिय सदस्य है। आरोपी प्रॉपर्टी डीलर को अगवा कर कई जगह ले गया और पिस्टल दिखाकर जान से मारने की धमकी देकर उससे जबरन समझौता पत्र पर हस्ताक्षर कराए थे। पुलिस ने इस मामले में आरोपी के एक साथी को गिरफ्तार कर चुकी थी, जबकि पवन वारदात के बाद से फरार था।

जिला पुलिस उपायुक्त शोभित डी सक्सेना ने बताया कि अकबरपुर माजरा गांव निवासी प्रॉपर्टी डीलर राकेश कुमार ने 29 अक्तूबर को अलीपुर थाने में शिकायत दी। जिसमें उन्होंने बताया कि 27 अक्तूबर को नरेंद्र उर्फ भोलू ने उन्हें घर के बाहर बुलाया। इसके बाद काले रंग की महिंद्रा स्कॉर्पियो-एन कार में जबरन बैठाकर अगवा कर लिया। गाड़ी में पवन उर्फ मक्की पहले से मौजूद था। आरोपियों ने उन्हें पल्ला-जंगोला रोड और बख्तावरपुर में सुनील तंवर उर्फ राजू के कार्यालय समेत कई जगहों पर ले जाकर बंधक बनाए रखा। इस दौरान आरोपियों ने उसपर अलीपुर थाने में दर्ज पुराने मुकदमे को वापस लेने और पवन मक्की व उसके साथियों के खिलाफ बयान नहीं देने का दबाव बनाया। उन्होंने आरोप लगाया कि पवन ने पिस्टल तानकर जान से मारने की धमकी दी और डराकर उसकी इच्छा के खिलाफ समझौता पत्र पर हस्ताक्षर करा लिए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस टीम ने मामले की जांच करते हुए 30 अक्तूबर को नरेंद्र उर्फ भोलू को गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल स्कॉर्पियो-एन भी बरामद की गई। हालांकि पवन मक्की गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहा था। उसने रोहिणी कोर्ट में अग्रिम जमानत की याचिका भी दायर की थी, जिसे छह नवंबर को अदालत ने खारिज कर दिया। इसके बाद उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी कराने की प्रक्रिया शुरू की गई। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए बाहरी उत्तरी जिला स्पेशल स्टाफ की टीम उसकी संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की और तकनीकी निगरानी के साथ मुखबिरों से जानकारी जुटाई। पुलिस ने कई दिनों की तलाश के बाद पुलिस ने 21 नवंबर को पवन कुमार उर्फ मक्की को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी टिल्लू ताजपुरिया गैंग का सक्रिय सदस्य है। उसके खिलाफ अलीपुर में वर्ष 2012 में दर्ज दंगा और हत्या के प्रयास समेत अन्य धाराओं का मामला, सोनीपत के कुंडली थाने में 2026 का मामला और अलीपुर में 2026 के दो अन्य आपराधिक मामलों में संलिप्तता दर्ज है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर वारदात में इस्तेमाल पिस्टल और समझौता पत्र की बरामदगी के साथ अन्य आरोपियों की भूमिका का पता लगाने में जुटी है।

युवाओं के लिए नया मंच बना 'कॉकरोच क्लब', हंसी-मजाक के साथ विचारों की बहस को मिलेगा बढ़ावा

- सीजेपी ने शुरू की अनूठी पहल, गांधी, नेहरू और अंबेडकर के विचारों से लेकर साहित्य, फिल्म और हास्य कार्यक्रमों तक होगी चर्चा; गोवा के ग्रामीणों के संघर्ष में व्यस्त हैं अभिजीत दीपके



नई दिल्ली, एजेंसी।
कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने युवाओं को विचारों के आदान-प्रदान, स्वतंत्र चिंतन और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने के उद्देश्य से 'कॉकरोच क्लब' की शुरुआत की है। यह मंच केवल राजनीतिक चर्चाओं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यहां साहित्य, इतिहास, समाज, सिनेमा, हास्य और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से युवाओं को एक-दूसरे से जुड़ने का अवसर मिलेगा। क्लब के पहले कार्यक्रम की तस्वीरें सामने आने के बाद यह पहल चर्चा का विषय बन गई है। वहीं, पार्टी के प्रमुख अभिजीत दीपके इस आयोजन में दिखाई नहीं दिए। उनकी अनुपस्थिति के बीच गोवा के एक गांव में भूमि विवाद और ग्रामीणों के अधिकारों को लेकर उनकी सक्रियता सामने आई है।

विचारों और रचनात्मक गतिविधियों का केंद्र बनेगा क्लब

सीजेपी के सह-संयोजक और प्रवक्ता सौरभ दास ने क्लब की अवधारणा साझा करते हुए बताया कि इसका उद्देश्य युवाओं के लिए ऐसा खुला मंच तैयार करना है, जहां वे एक साथ बैठकर विचारों पर चर्चा कर सकें, सवाल पूछ सकें और नई चीजें सीख सकें। इस मंच के माध्यम से गांधी, जवाहरलाल नेहरू, डॉ. भीमराव अंबेडकर सहित अन्य महान विचारकों के विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि क्लब में केवल वैचारिक चर्चाएं ही नहीं होंगी, बल्कि फिल्मों के प्रदर्शन, सामूहिक संवाद और विभिन्न रचनात्मक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा। युवाओं को पढ़ने, अध्ययन करने और परीक्षाओं की तैयारी के लिए शांत वातावरण उपलब्ध कराने की योजना भी इसका हिस्सा है।

हास्य और मनोरंजन के जरिए भी जुड़ेंगे युवा

सौरभ दास के अनुसार, आज की युवा पीढ़ी को केवल गंभीर चर्चाओं तक सीमित नहीं रखा जा सकता। इसी सोच के तहत क्लब में हास्य प्रस्तुतियों, मंचीय कार्यक्रमों और मनोरंजक गतिविधियों को भी स्थान दिया जाएगा। इसका उद्देश्य युवाओं को तनाव से राहत देने के साथ उन्हें एक साझा सांस्कृतिक और सामाजिक मंच उपलब्ध कराना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्लब किसी विशेष विचारधारा को युवाओं पर थोपने का माध्यम नहीं बनेगा। यहां अलग-अलग विचारों पर चर्चा होगी, स्थापित मान्यताओं पर सवाल उठाए जाएंगे और स्वतंत्र चिंतन को प्रोत्साहित किया जाएगा। युवाओं को अपनी राय बनाने तथा समाज और देश के भविष्य को लेकर नए दृष्टिकोण विकसित करने का अवसर मिलेगा।

पहले कार्यक्रम में दिखे सीजेपी के कई प्रमुख चेहरे

क्लब के पहले आयोजन की तस्वीरें सीजेपी के सह-संयोजक आशुतोष रांका ने अपने सामाजिक माध्यम खाते पर साझा की हैं। इन तस्वीरों में पार्टी के कई प्रमुख सदस्य और कार्यक्रम में शामिल दर्शक दिखाई दे रहे हैं। एक तस्वीर में आशुतोष रांका और सौरभ दास मंच पर नजर आए। वहीं, अजिंक्य शिंदे भी इस आयोजन में शामिल दिखाई दिए। शिंदे इससे पहले सीजेपी नेताओं को हिरासत में लिए जाने के दौरान हुए विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने को लेकर चर्चा में रहे थे। इसके अलावा पार्टी की विधिक टीम की प्रमुख रत्ना सिंह को हास्य कलाकार मराठी कपिल के साथ देखा गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों के बीच हंसी-मजाक और संवाद का माहौल दिखाई दिया। आशुतोष रांका ने जानकारी दी है कि क्लब का पूरा कार्यक्रम जल्द ही जारी किया जाएगा।

अभिजीत दीपके की गैरमौजूदगी बनी चर्चा का विषय

पहले आयोजन की तस्वीरों में सीजेपी के प्रमुख अभिजीत दीपके दिखाई नहीं दिए। पार्टी के अन्य प्रमुख सदस्यों की मौजूदगी के बीच उनकी अनुपस्थिति को लेकर चर्चा होने लगी। हालांकि, दीपके ने कार्यक्रम में शामिल नहीं होने का कोई स्पष्ट कारण सार्वजनिक नहीं किया है। इस बीच उनकी सामाजिक माध्यम पर साझा की गई एक पोस्ट से पता चला कि वह गोवा के करापुर-सारवन गांव में चल रहे भूमि विवाद और ग्रामीणों के संघर्ष का मुद्दा उठा रहे हैं।

याचिकाकर्ता पर हमले का भी लगाया आरोप

गोवा में 130 एकड़ से अधिक जमीन का विवाद

अभिजीत दीपके ने अपनी पोस्ट में आरोप लगाया कि करापुर-सारवन गांव के आदिवासी समुदाय की आजीविका का आधार रही 130 एकड़ से अधिक जमीन बिल्डरों को हस्तांतरित कर दी गई है। उनके अनुसार, इस जमीन पर बिचोलिम क्षेत्र में एक आवासीय परियोजना के तहत निजी कृत्रिम समुद्र तट विकसित करने की योजना है। उन्होंने इस परियोजना के लिए आवश्यक पर्यावरणीय स्वीकृति को लेकर भी सवाल उठाए हैं। दीपके का दावा है कि पिछले 5 महीनों से गांव की महिलाएं अपनी जमीन, आजीविका और गांव के अस्तित्व की रक्षा के लिए विरोध प्रदर्शन कर रही हैं। उन्होंने ग्रामीणों के आंदोलन को दबाने के लिए प्रशासनिक कार्रवाई किए जाने का भी आरोप लगाया है।

युवाओं को जोड़ने की कोशिश, दूसरी ओर ग्रामीणों के मुद्दे पर सक्रियता

कॉकरोच क्लब की शुरुआत सीजेपी की गतिविधियों में एक नए रचनात्मक और वैचारिक आयाम के रूप में देखी जा रही है। पार्टी जहां युवाओं को हास्य, संस्कृति, इतिहास और विचार-विमर्श के माध्यम से जोड़ने की तैयारी कर रही है, वहीं अभिजीत दीपके गोवा में भूमि विवाद और ग्रामीणों के अधिकारों से जुड़े मुद्दे को उठा रहे हैं। फिलहाल क्लब के आगामी कार्यक्रमों और इसकी गतिविधियों को लेकर विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है। हालांकि, पार्टी के नेताओं की ओर से साझा की गई तस्वीरों और बयानों से संकेत मिलता है कि यह मंच युवाओं के बीच संवाद, स्वतंत्र विचार और सामाजिक भागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आगे बढ़ाया जा रहा है।

यमुना सफाई के लिए दिल्ली में बनेंगे 2 नए एसटीपी, खर्च होंगे 874 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी।
यमुना नदी को 2029 तक स्वच्छ बनाने की योजना के तहत दिल्ली में 2 नए सीवेज उपचार संयंत्र स्थापित किए जाएंगे। केंद्र सरकार ने रिठाला और इंद्रप्रस्थ मेट्रो स्टेशन के पास बनने वाले इन संयंत्रों के लिए 874.49 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है। दोनों संयंत्रों की कुल क्षमता 55 मिलियन गैलन प्रतिदिन होगी। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन की सशक्त समिति ने 12 नवंबर को इस परियोजना को मंजूरी दी। इसके तहत रिठाला में 35 मिलियन गैलन क्षमता का संयंत्र 509.54 करोड़ रुपये और इंद्रप्रस्थ के पास सेन नर्सिंग होम नाले पर 20 मिलियन गैलन क्षमता का संयंत्र 362.95 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जाएगा। रिठाला संयंत्र उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के बड़े क्षेत्र के गंदे पानी का शोधन करेगा। वहीं, इंद्रप्रस्थ में नया संयंत्र बनने से सेन नर्सिंग होम नाले के माध्यम से यमुना में गिरने वाले अशोधित पानी को रोकने में मदद मिलेगी। दिल्ली में वर्तमान में 814 मिलियन गैलन प्रतिदिन सीवेज शोधन की व्यवस्था है। पुराने संयंत्रों के उन्नयन से दिसंबर 2027 तक क्षमता में 56 मिलियन गैलन प्रतिदिन की वृद्धि होगी। इसके अलावा, 35 विकेंद्रित सीवेज उपचार संयंत्रों से 170 मिलियन गैलन प्रतिदिन की अतिरिक्त क्षमता विकसित की जाएगी।

दिल्ली में 2028 तक सीवेज शोधन क्षमता बढ़ाकर 1500 मिलियन गैलन प्रतिदिन करने का लक्ष्य है। इसके लिए 13 नए संयंत्र स्थापित करने की योजना है, जिनकी कुल क्षमता 328 मिलियन गैलन प्रतिदिन होगी। इन परियोजनाओं पर लगभग 7373 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

सड़क निर्माण में देरी पर भाजपा पर भड़की आप

- 29 नवंबर तक सड़क निर्माण की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई तो आंदोलन की चेतावनी, मांग दो साल के कार्यकाल का हिसाब

नई दिल्ली, एजेंसी।
बुराड़ी की मुख्य सड़क के निर्माण में हो रही देरी को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) ने भाजपा सरकार के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी दी है। बुराड़ी के विधायक संजीव झा ने कहा कि यदि 29 नवंबर तक सड़क निर्माण की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई, तो पार्टी क्षेत्र की सभी कॉलोनियों के निवासियों को साथ लेकर बड़ा आंदोलन करेगी। आप विधायक ने आरोप लगाया कि सीवर लाइन का काम पूरा होने के बाद सड़क निर्माण के लिए टेंडर जारी कर खोला भी जा चुका था, लेकिन ठेकेदार को कार्य आवंटित करने के बजाय सरकार ने टेंडर रद्द कर दिया। उन्होंने दावा किया कि इस मामले में उन्होंने पीडब्ल्यूडी अधिकारियों और मंत्री प्रवेश वर्मा से कई बार मुलाकात की, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल सका। झा ने बताया कि बुराड़ी बाईपास से हिरणकी तक सड़क का निर्माण वर्ष 2016 में आप सरकार ने कराया था। वर्ष 2023 में यहां सीवर लाइन बिछाने का कार्य शुरू हुआ। पहले चरण में बुराड़ी बाईपास से लेबर चौक तक काम पूरा होने के बाद अक्टूबर 2024 में सड़क बना दी गई थी, जबकि दूसरे चरण का काम फरवरी 2026 तक पूरा होना था, जो अब तक अटका हुआ है। उन्होंने भाजपा सरकार से दो साल के कार्यकाल का हिसाब मांगते हुए कहा कि सड़क निर्माण राजनीति का नहीं, बल्कि जनसुविधा का विषय है।

निगम चुनाव: वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने में जुटी भाजपा

- सांसद मनोज तिवारी ने विकास कार्यों का दिया ब्योरा

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली नगर निगम के चुनाव को देखते हुए भाजपा ने संगठन के पुराने और अनुभवी कार्यकर्ताओं के साथ संवाद बढ़ाना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में रविवार को उत्तर पूर्वी दिल्ली जिला भाजपा कार्यालय में वरिष्ठ कार्यकर्ता प्रकोष्ठ की बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की भूमिका और क्षेत्र में विकास कार्यों को लेकर चर्चा हुई।

राष्ट्रीय संगठक नागेंद्र के सानिध्य और डॉ. यूके चौधरी की अध्यक्षता में हुई बैठक में उत्तर पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से संवाद किया। नागेंद्र ने पार्टी को मजबूत बनाने में वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के योगदान की सराहना की। मनोज तिवारी ने वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के सुझावों पर हरसंभव कार्रवाई का भरोसा दिया। उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र में कराए गए विकास कार्यों की जानकारी भी साझा की। बैठक में वरिष्ठ कार्यकर्ता प्रकोष्ठ के संयोजक महेंद्र नागपाल, सहसंयोजक रोशन कंसल, मीरा अग्रवाल और कैलाश सांकला तथा जिला प्रभारी नरेश वशिष्ठ मौजूद रहे। जिला महामंत्री सचिन मावी, रेखा सिन्हा और सत्यदेव चौधरी सहित अन्य पदाधिकारी और वरिष्ठ कार्यकर्ता भी शामिल हुए।

पुरानी दिल्ली में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया, कई प्रमुख इलाकों से हटाए कब्जे

नई दिल्ली, एजेंसी।
पुरानी दिल्ली में यातायात व्यवस्था सुधारने और सड़कों व फुटपाथों को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए एमसीडी और दिल्ली पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाया। पुल मिठाई, पीली कोठी, रानी अवंतिका चौक और तीस हजारी सहित कई प्रमुख इलाकों में कार्रवाई कर सार्वजनिक रास्तों पर किए गए अवैध कब्जे हटाए गए। अभियान के दौरान पैदल यात्रियों के रास्ते बाधा मुक्त कराने और यातायात सुचारू बनाने पर जोर दिया गया। पुरानी दिल्ली के बाजारों और प्रमुख मार्गों पर सड़क व फुटपाथ पर अतिक्रमण और अवैध ई-रिक्शा संचालन के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है। इससे स्थानीय निवासियों, व्यापारियों और पैदल यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। पुरानी दिल्ली में यातायात और अतिक्रमण की समस्या को लेकर 20 नवंबर को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में दिल्ली सचिवालय में इंद्रप्रस्थ हेरिटेज रीडेवलपमेंट कॉरपोरेशन की बैठक हुई थी। इसमें पुरानी दिल्ली की यातायात व्यवस्था, सड़कों एवं फुटपाथों पर अतिक्रमण और अवैध ई-रिक्शा संचालन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई थी। संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। खारी बावली में अवैध कब्जे हटाने पर आभार जताया = खारी बावली और पुरानी दिल्ली के अन्य इलाकों को अवैध कब्जों से मुक्त कराने की कार्रवाई पर चांदनी चौक नागरिक मंच ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का आभार जताया। मंच के महासचिव एवं दिल्ली भाजपा मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि मुख्यमंत्री ने असंभव को संभव कर दिखाया है।

सड़क सुरक्षा व्यवस्था की और अधिकारियों की जवाबदेही तय हो : ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन

- चार गुना चालान और छह गुना जुर्माने की वसूली के बावजूद बढ़ रही सड़क हादसों में जान गंवाने वालों की संख्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। पांच साल में वाहनों के चालानों की संख्या में चार गुना और जुर्माने की रकम में छह गुना बढ़ोतरी होने के बावजूद सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश नहीं लग रहा है। देश में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों की संख्या तकरीबन 9.3 फीसदी बढ़ गई है। ऑल इंडिया मोटर एंड गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने इस पर चिंता जताते हुए सड़क सुरक्षा की उच्चस्तरीय समीक्षा और अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग की है। एसोसिएशन का कहना है कि केंद्र सरकार के आंकड़ों के मुताबिक देश में 55 हजार से ज्यादा हाईटेक कैमरे लगाए गए हैं। पांच वर्षों में औसत वार्षिक चालान की संख्या 2 करोड़ से बढ़कर 8 करोड़ हो गई है। जुर्माने से होने वाली वसूली 1,800 करोड़ रुपये से बढ़कर करीब 12 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। इसके बावजूद पांच वर्षीय अवधि में सड़क दुर्घटनाओं में मौतों की संख्या 7.36 लाख से बढ़कर 8.04 लाख हो गई है। एसोसिएशन का कहना है कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की वर्ष 2024 की रिपोर्ट मुताबिक इस दौरान देश में 4,87,707 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, इनमें 1,77,175 लोगों की जान गई और 4,71,441 लोग घायल हुए। प्रतिदिन औसतन 485 लोगों की मौत हुई। एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र कपूर ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए दुर्घटना संभावित ब्लैक स्पॉट पर कैमरे, संकेतक और लाइटिंग की व्यवस्था बेहतर करने की मांग की है। उन्होंने ई-चालान के साथ प्रमाण उपलब्ध कराने और गलत चालान के खिलाफ समयबद्ध अपील की सुविधा देने का भी आग्रह किया है। एसोसिएशन का कहना है कि जुर्माने से सरकार को मिलने वाली करीब 12 हजार करोड़ की धनराशि का निर्धारित हिस्सा सड़क सुधार, एंबुलेंस, ट्रॉमा सेंटर, सुरक्षित ट्रक पार्किंग और चालक प्रशिक्षण पर खर्च होना चाहिए। दुर्घटनाओं की जांच में सड़क निर्माण और रखरखाव एजेंसियों की जिम्मेदारी भी तय की जानी चाहिए।

हरमीत सिंह कालका बोले-बेअदबी के पीछे बादल पार्टी का हाथ होने की आशंका

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के साहिबपुरा में श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी की घटना के पीछे बादल पार्टी से जुड़े लोगों का हाथ होने की आशंका है। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और महासचिव जगदीप सिंह काहलों ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कमेटी श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज से मुलाकात कर पूरे मामले के तथ्य रखेगी और सभी पक्षों को सुनने के बाद फैसला लेने की अपील करेगी। कालका और काहलों ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही कमेटी सदस्य बीबी रणजीत कौर और रमिंदर सिंह स्वीटा तिलक नगर थाने पहुंचे थे। उनके अनुसार, वहां बादल दल के कुछ लोग गुरुद्वारा प्रबंधकों पर शिकायत वापस लेने का दबाव बना रहे थे। इसी से घटना में उनकी भूमिका को लेकर आशंका पैदा हुई। कमेटी नेताओं ने कहा कि पंजाब में वर्ष 2015 से बेअदबी की 453 घटनाएं सामने आ चुकी हैं, लेकिन अब तक इन मामलों में कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने जत्थेदार की ओर से दिल्ली कमेटी के दो सदस्यों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई के आदेश पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कमेटी आरोपी को कठोर सजा दिलाने के लिए कानूनी लड़ाई लड़ेगी और बेअदबी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

व्यापार मेले में बिखरे मराठी संस्कृति के रंग, महाराष्ट्र पवेलियन बना आकर्षण का केंद्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में देश-विदेश की झलक देखने को मिल रही है, लेकिन हॉल नंबर 3 में सजा महाराष्ट्र पवेलियन लोगों को सबसे अधिक आकर्षित कर रहा है। पवेलियन में कदम रखते ही महाराष्ट्र की समृद्ध परंपरा, आधुनिक विकास और जीवंत लोक संस्कृति का अनोखा संगम नजर आता है। यहां कुल 64 स्टॉल लगे हैं, जहां महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों से आए कारीगर, महिला स्वयं सहायता समूह और छोटे उद्यमी अपने बेहतरीन उत्पादों का प्रदर्शन कर रहे हैं। पवेलियन में पारंपरिक हथकरघा वस्त्र, आकर्षक हस्तशिल्प, घर की सजावट का सामान और एक जिला एक उत्पाद के तहत तैयार की गई खास वस्तुएं खरीदारों की पहली पसंद बनी हुई हैं।

रानी झलकारी बाई की जयंती पर दिल्ली भाजपा ने किया पुष्पांजलि कार्यक्रम

नई दिल्ली, एजेंसी।
वीरांगना रानी झलकारी बाई की जयंती पर रविवार को दिल्ली भाजपा अनुसूचित मोर्चा की ओर से प्रदेश भाजपा कार्यालय में पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में दिल्ली भाजपा प्रभारी डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे और प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने सांसद कमलजीत सहरावत सहित पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ रानी झलकारी बाई के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष लाजपत राय ने की।

इस अवसर पर हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि रानी झलकारी बाई भारतीय नारी शक्ति और स्वाभिमान की प्रतीक थीं। वर्ष 1857 की क्रांति में उन्होंने झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के रूप में अंग्रेजों से मुकाबला कर अद्वितीय वीरता और देशभक्ति का परिचय दिया। साधारण परिवार में जन्म लेने के बावजूद उन्होंने अपने पराक्रम से इतिहास में विशिष्ट स्थान बनाया। उनका जीवन सिखाता है कि जाति और परिस्थितियों से बड़ा व्यक्ति का संकल्प होता है। डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे ने कहा कि रानी झलकारी बाई दलित समाज के गौरव और वीरता की अमर प्रतीक हैं। वर्ष 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में मातृभूमि की रक्षा के लिए उनका साहस और बलिदान हमेशा प्रेरणा देता रहेगा। देशभक्ति किसी जाति, वर्ग या लिंग की मोहताज नहीं होती। भाजपा बाबा साहेब और रानी झलकारी बाई के आदर्शों पर चलते हुए सामाजिक समरसता के संकल्प को आगे बढ़ा रही है।



आठ साल का रिश्ता एक रात में खत्म, पति ने पत्नी का गला काटकर की हत्या, इन वजहों से होता था आए दिन विवाद

आगरा। आगरा के खंदौली थाना क्षेत्र के पीलिपोखर गांव में सोमवार देर रात दहेज को लेकर एक महिला की हत्या का मामला सामने आया है। आरोप है कि पति ने पत्नी के सिर पर भारी वस्तु से प्रहार करने के बाद चाकू से उसका गला काट दिया। वारदात के बाद आरोपी पति फरार हो गया। मंगलवार सुबह पड़ोसियों को घटना की जानकारी हुई, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पीलिपोखर निवासी राजकुमार सिकरवार के बेटे विवेक अग्रवाल की शादी करीब आठ साल पहले एत्मादपुर के गांव चली निवासी विजेंद्र सिंह की बेटी किरण से हुई थी। परिजनों के अनुसार, शादी के बाद से ही दोनों के बीच दहेज को लेकर विवाद होता रहता था। आरोप है कि विवेक अक्सर शराब के नशे में किरण के साथ मारपीट करता था। मृतका के मायके वालों का कहना है कि किरण के पिता विजेंद्र सिंह ने कई बार विवेक के परिजनों और पुलिस से इसकी शिकायत की थी। दोनों परिवारों के बीच कई बार पंचायत भी हुई, लेकिन विवाद का समाधान नहीं हो सका। परिजनों के मुताबिक, विवेक करीब एक महीने से घर से बाहर था। सोमवार शाम को ही वह वापस घर लौटा था। आरोप है कि देर रात घर पहुंचने के बाद उसने किरण के सिर पर भारी वस्तु से प्रहार किया और चाकू से गला काटकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद वह रात में ही घर से फरार हो गया। सुबह किरण के घर से बाहर नहीं निकलने पर पड़ोसियों को शक हुआ। उन्होंने मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। फोरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड ने भी मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। सूचना पर एसीपी एत्मादपुर देवेश सिंह सर्किल फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास के लोगों से जानकारी जुटाई। मृतका के भाई ललित ने आरोप लगाया कि विवेक और उसके परिवार के लोग अक्सर किरण को दहेज के लिए परेशान करते थे। दहेज की मांग को लेकर कई बार पंचायत हुई, लेकिन विवेक मारपीट करता रहा। किरण के दो बेटे हैं। इनमें पांच वर्षीय लक्ष्य और तीन वर्षीय चुन्नू हैं। मां की हत्या के बाद दोनों मासूम बच्चों के सिर से मां का साया उठ गया। एसीपी एत्मादपुर देवेश सिंह ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी की तलाश की जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

संप्रेक्षण गृह में बड़ी साजिश, चाय में डाला ऑल आउट का लिक्विड; स्टाफ को बेहोश कर भागने का था प्लान

बाराबंकी। वृंदावन के राजकीय बाल गृह (बालिका) में साथी शिवानी की हत्या की आरोपी दो किशोरियों ने बाराबंकी के संप्रेक्षण गृह में भी सनसनीखेज साजिश रच डाली। दोनों ने स्टाफ को जहर देकर बेहोश करने अथवा नुकसान पहुंचाने के बाद संप्रेक्षण गृह से भागने की योजना बनाई। उन्होंने स्टाफ के लिए बन रही चाय में ऑल आउट की रिफिल का लिक्विड डाल दिया। शुक्र रहा कि एक कर्मचारी की नजर उन पर पड़ गई। समय रहते चाय को स्टाफ तक पहुंचने से रोक दिया गया। पूछताछ में दोनों की योजना सामने आने के बाद संप्रेक्षण गृह प्रशासन ने मथुरा के किशोर न्याय बोर्ड और जिला प्रोबेशन कार्यालय को घटना की जानकारी दी है। अलीगढ़ और पीलीभीत निवासी दोनों किशोरियों पर 21 अगस्त को वृंदावन स्थित राजकीय बाल गृह (बालिका) में बरेली निवासी 14 वर्षीय शिवानी की हत्या का आरोप है। आरोप है कि दोनों किशोरियां शिवानी को बाथरूम में ले गईं। बेरहमी से पीटने के बाद पानी से भरी बाल्टी में उसका सिर डुबो दिया। इससे उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दोनों को हिरासत में लिया गया था। मथुरा के किशोर न्याय बोर्ड में पेशी के बाद दोनों को बाराबंकी स्थित संप्रेक्षण गृह भेजा गया था। संप्रेक्षण गृह में रहने के दौरान दोनों किशोरियों ने यहां से भी भागने की योजना बना ली। इस बार उन्होंने स्टाफ को निशाना बनाया। दोनों ने स्टाफ के लिए तैयार की जा रही चाय में ऑल आउट की रिफिल का लिक्विड मिला दिया। एक कर्मचारी ने उन्हें ऐसा करते देख लिया। इसके बाद पूछताछ की गई तो पूरी साजिश सामने आ गई। पूछताछ में सामने आया कि किशोरियों की योजना थी कि जहरीले लिक्विड का असर होने के बाद जब स्टाफ असहाय हो जाएगा, उसी दौरान संप्रेक्षण गृह का ताला खोलकर दोनों फरार हो जाएंगी। घटना के बाद संप्रेक्षण गृह प्रशासन ने दोनों की निगरानी और सुरक्षा बढ़ा दी है। संप्रेक्षण गृह के अधिकारियों के मुताबिक दोनों किशोरियों को अब 24 घंटे निगरानी में रखा जा रहा है। घटना की पूरी जानकारी मथुरा के किशोर न्याय बोर्ड को पत्र भेजकर दी गई है।

पत्नी और 15 वर्षीय बेटी की चाकू से गोदकर हत्या, आरोपी गिरफ्तार

साहिबाबाद। खोड़ा के लोकप्रिय विहार में शुक्रवार देर रात मछली मंडी के मुंशी ने पत्नी बेबी तबस्सुम (43) और 15 वर्षीय बेटी सना की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। आरोपी ने दूसरी बेटी जोया उर्फ रूबी (14) पर भी चाकू से हमला किया, लेकिन वह बच गई। चीख-पुकार सुनकर पड़ोसियों ने किशोरी को बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। आरोपी मोहम्मद राजा अंसारी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके पास से हत्या में इस्तेमाल मांस काटने वाला चाकू भी बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, वारदात के पीछे दवा को लेकर दंपती के बीच चल रहा विवाद बताया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, बेबी तबस्सुम और सना के शरीर पर धारदार हथियार से हमले के कई निशान मिले हैं। घायल जोया को एमएमजी अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी गई। उसे मामा इस्लामुद्दीन के साथ भेजा गया है। एसीपी इंदिरापुरम सूर्यबली मौर्य ने बताया कि रूबी की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी ने पूछताछ में पत्नी और बेटी की हत्या की बात स्वीकार की है। परिवार के अन्य सदस्यों के आने के बाद दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। बेबी का परिवार असम में रहता है। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह काफी समय से अवसादग्रस्त है, जिसका उपचार चल रहा है। शुक्रवार रात करीब 10 बजे परिवार ने खाना खाया। इसके बाद दोनों बेटियां अपने कमरे में चली गईं, जबकि राजा और उसकी पत्नी दूसरे कमरे में थे। इसी दौरान पत्नी ने राजा से दवा खाने के लिए कहा। इसी बात को लेकर दोनों में विवाद हो गया। राजा ने पुलिस को बताया कि पिछले करीब चार महीने से दवा खाने को लेकर दोनों के बीच विवाद चल रहा था। पुलिस का कहना है कि राजा की बीमारी के संबंध में भी जांच की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, रात करीब 12 बजे पत्नी के सो जाने के बाद नाराज राजा ने चाकू से उसके गले पर हमला कर दिया। चीख सुनकर दूसरे कमरे में सो रही सना और रूबी जाग गईं। सना कमरे में पहुंची तो पिता को मां पर हमला करते देखा। वह डरकर बालकनी की ओर भागी। आरोपी ने पीछा कर बालकनी में ही उस पर चाकू से कई वार किए और उसका गला रेत दिया। इसके बाद आरोपी ने छोटी बेटी रूबी पर भी चाकू से हमला किया, लेकिन वह बच गई। इसी बीच नीचे के फ्लैट में रहने वाले रफीक और तय्यूब ने रूबी को बाहर निकाला। करीब सवा 12 बजे पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस तीनों को अस्पताल लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने बेबी व सना को मृत घोषित कर दिया।

पहले प्रेमी की मिली लाश, फिर शादीशुदा प्रेमिका ने दे दी जान

सीतापुर। यूपी के सीतापुर में प्रेम-प्रसंग से जुड़ा एक बेहद दुखद मामला सामने आया है। यहां 12 घंटे के भीतर युवक और शादीशुदा महिला की मौत से गांव में सनसनी फैल गई। दोनों के बीच करीबी संबंध थे। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। घटना पिसावां क्षेत्र के ढखिया कला गांव की है। बताया गया कि गांव निवासी गोधन का पुत्र मंजेश (20) शुक्रवार देर शाम अपने कमरे में मृत अवस्था में मिला। पिता गोधन ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने फोरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल की जांच की और जरूरी साक्ष्य जुटाए। इसी बीच शनिवार सुबह गांव से दूसरी घटना की सूचना मिली। इंद्रपाल की पत्नी रिंकी (37) ने अपनी जान दे दी। पति ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की है। बताया जा रहा है कि मंजेश और पिंकी के बीच नजदीकी संबंध थे। महिला कुछ समय मंजेश के साथ रहने के बाद हाल ही में अपने पहले पति के पास लौट आई थी। इसके बाद दोनों घटनाएं सामने आई हैं।

नदी किनारे मिले पर्चे पर लिखे थे ऐसे शब्द, रो पड़ा मजबूर पिता

एटा। एटा के थाना अलीगंज क्षेत्र के मोहल्ला छेदालाल गौड़ निवासी 30 वर्षीय गौरव गुप्ता उर्फ चंदन मंगलवार सुबह घर से निकला तो किसी ने नहीं सोचा था कि कुछ घंटे बाद उसके परिवार पर मुसीबत का पहाड़ टूट पड़ेगा। पिता से महज 100 रुपये लेकर घूमने की बात कहकर निकला गौरव दोबारा घर नहीं लौटा। घंटों इंतजार के बाद परिजनों ने जब उसकी तलाश शुरू की तो करीब 10 बजे मिली एक सूचना ने पूरे परिवार को हिलाकर रख दिया। ढाई घाट पुल के पास गौरव के कपड़े और एक पर्चा मिलने की जानकारी पुलिस ने परिजनों को दी। थाना अलीगंज के मोहल्ला छेदालाल गौड़ निवासी गौरव गुप्ता उर्फ चंदन पुत्र रमेश चंद्र गुप्ता मंगलवार सुबह करीब 4:30 बजे अपने पिता से 100 रुपये लेकर घर से बाहर घूमने की बात कहकर निकला था। इसके बाद वह वापस नहीं आया। पहले तो परिजनों ने सोचा कि वह किसी परिचित या मित्र के साथ गया होगा, लेकिन काफी समय बीतने के बाद भी जब उसका मोबाइल या कोई सूचना नहीं मिली तो परिवार के लोगों की चिंता बढ़ गई। परिजनों ने आसपास के लोगों, रिश्तेदारों और गौरव के मित्रों से संपर्क कर उसके बारे में जानकारी जुटाई, लेकिन कहीं से कोई सुराग नहीं मिला। इसी बीच करीब 10 बजे पुलिस की ओर से परिजनों को जानकारी दी गई कि फर्रुखाबाद के शमशाबाद क्षेत्र स्थित ढाई घाट पुल के पास युवक के कपड़े मिले हैं और उसके पुल से नदी में छलांग लगाने की आशंका है। पुलिस के मुताबिक मौके पर मिले पर्चे में लिखा था, पापा मुझे ढूंढना नहीं, मैं कूद गया हूं। पर्चे की जानकारी मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। परिजन आनन-फानन में ढाई घाट पहुंचे। वहां नदी की ओर टकटकी लगाए परिजन अपने बेटे के सुरक्षित मिलने की उम्मीद में चारों तरफ देखते रहे। पुलिस ने गोताखोरों और स्टीमर की मदद से नदी में युवक की तलाश शुरू कराई। काफी प्रयास के बावजूद समाचार लिखे जाने तक गौरव का कोई पता नहीं चल सका था। पुलिस लगातार नदी में उसकी तलाश करा रही है।

मकान में चल रहे जुए के अड्डे पर मारा छापा, पांच जआरी रंगे हाथ गिरफ्तार

हाथरस। सहपऊ कोतवाली पुलिस ने क्षेत्र के गांव बुढ़ाइच में बुधवार रात में एक मकान पर छापा मारकर पांच जुआरियों को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया जबकि मकान मालिक वहां से भागने में सफल हो गया । सीओ सादाबाद जेएन अस्थाना ने बताया कि बुधवार रात को सहपऊ पुलिस को मुखबिर के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम बुढ़ाइच में करुआ के मकान के अंदर कुछ व्यक्तियों द्वारा बड़ी धनराशि की हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेला जा रहा है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए थाना पुलिस द्वारा तत्काल योजनाबद्ध तरीके से उक्त स्थान पर छापेमारी की । पुलिस टीम को देखकर मौके पर मौजूद जुआरियों द्वारा भागने का प्रयास किया गया, परंतु पुलिस टीम द्वारा आवश्यक घेराबंदी करते हुए 05 अभियुक्तों को जुआ खेलते समय गिरफ्तार कर लिया गया। इनमें घर का मालिक भागने में सफल हो गया । तलाशी एवं मौके की जांच के दौरान अभियुक्तों के कब्जे तथा जुए के फड़ से कुल 5,50,100 रु0 नकद, 05 मोबाइल फोन, 52 ताश के पत्ते एवं 02 हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद हुई हैं। गिरफ्तार आरोपी आगरा एवं एटा जनपद के रहने वाले हैं । पूछताछ ने उन्होंने अपने नाम लोकेन्द्र सिंह निवासी आंवलखेड़ा, जन्मभूमि के पास,राजू ठाकुर निवासी ग्राम चौकड़ा, थाना बरहन, सन्तोष कुमार बघेल निवासी नाई की सराय, टेढ़ी बगिया, थाना खन्दौली, जनपद आगरा,अभयपाल निवासी ग्राम करथनी, एवं लोकेन्द्र कुमार निवासी ग्राम वीरहार, थाना सकरौली, जनपद एटा बताया जबकि मकान मालिक करुआ भागने में सफल हो गया । इनमें से राजू , लोकेन्द्र के थाना बहरन में तथा अभयपाल थाना सकरौली जुआ खेलने के मुकदमें दर्ज हैं । इसके साथ ही कोतवाली पुलिस ने बुधवार देर शाम अजय, शिशुपाल , मुनेश एवं हरिओम निवासी मकनपुर को जुआ खेलते गिरफ्तार किया था । इनके कब्जे से पुलिस ने 1030 रु बरामद किए थे। गिरफ्तार करने वाली टीम में थाना प्रभारी मंयक चौधरी एवं उनकी टीम थी।

PUBLIC NOTICE

Mr. Ish Julka Owner of the Residential LIG Flat no -69A, Ground floor, Block-B , Sector -19, Noida, District Gautam Budh Nagar, U.P. Mr. Ish Julka have lost Original Memorandum of Allotment letter dated 08.10.1984 issued by NOIDA in favour of Mr. Shiv Narain Srivastava, for which complaint lodged to the police. Therefore, by way of this Public Notice it is hereby notified that any person, Attorney and/or entity, firm/company, society and/or member of the Society, Bank, HUF/member of HUF, Financial Institution having any claim, charge, interest, or lien whatsoever with respect to the Said house/plot or otherwise, may notify to undersigned only on his rahulkumargupta281401@gmail.com with documentary proof within 15 days from the date of this publication of notice, failing which any such claim etc. shall be deemed to be null and void, whereas title shall be deemed to be clear, and marketable without any defect or encumbrance and free to create equitable mortgage

RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
Off. 43B, Third Floor,
Patparganj Village,
Mayur Vihar, Phase-I,
Delhi-1, M-NO- 7252922875

NAME CHANGE

I, No.-15720447X Rank-L/NK Name-SHRI RATAN MAZUMDER legal father of KHUSHI MAZUMADER residing at- VILL-RADHANAGAR, UNDER DIGLIPUR TEHSIL, N&M ANDAMAN DISTRICT A&N ISLANDS, have changed my minor daughter's name from KHUSHI MAZUMADER to KHUSHI MAZUMDER for all future purposes vide affidavit dated 29/09/2026 Before Notary Public, N&M Andaman A&N Islands.

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the general public that the following original property documents relating to the Property bearing No. WZ-442, part of Khasra No. 1791/2min, situated in the Lal Dora of 1908-09 village Naraina, New Delhi have been lost/misplaced and are not traceable despite best efforts: 1. Original Sale Deed Dated 14.05.1997 executed in favour of Mr. Devendra Kumar Goel S/o Mr. Dwarka Parshad Goel in respect of entire property, as Doc. No. 2849 Book No. 1, Vol. No. 9458 on Pages No. 181-185 on dated 14.05.1997, SR-II Delhi.in respect of the property. 2. Original Lal Dora Certificate in in respect of the aforesaid property. A lost document report bearing LR No. 813502/2026 dated 21.11.2026 has been lodged with Delhi Police, NAJAFGARH Police Station. Any person(s) having any claim, right, title, interest, or objection in respect of the said property, or having found the aforementioned original documents, is requested to intimate the same in writing along with supporting evidence to the undersigned at the address mentioned below within 7 days from the date of publication of this notice, failing which it will be presumed that no such claim/objection exists, and the owner shall proceed with applying for duplicate documents / dealing with the property.

Amarjeet Patel
S/o Panna Lal,
Property bearing No. WZ-442,
Naraina, Delhi-110028
Mobile: 88002 75929

LOST & FOUND

I,mrs. Annapoorny bala Subramanian resident of E-82, Seema Apartment plot- 7, sector 11, Dwarka, Delhi, has lost/misplaced the original relinquishment deed of property B-202 Yamuna Apartment Alaknanda New Delhi 110019. A complaint regarding the same has been lodged with Delhi Police vide LR No: 791617/2026. If found by anyone, please contact the undersigned. **Annapoorny**

DATE OF BIRTH CHANGE

I, NO-14660293N Rank-HAV Trade-TECH COMMUNICATION Name-AJOY BORO residing at VILL-SONAJULI PAM No.1, PO-SONAPUR, DIST-SONITPUR, P.O-GOHPUR, ASSAM-784168, declare that in my service records, my wife's (JINU BORO) date of birth is wrongly mentioned as 24/01/1990, instead of her correct date of birth as 24/01/1993, vide Affidavit dated 21/11/2026 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

Mr. Ashish Chandra Roy Owner of the Residential Flat bearing no. A-94, First floor, Type-5, Block-A, Jalvayu Vihar, Sector-21, Noida, District Gautam Budh Nagar, U.P. Mr. Ashish Chandra Roy have lost Original Allotment Letter dated 30.11.1984 issued by Air Force and Naval Housing Board in the name of Mr. D.S. Basra, for which complaint lodged to the police. Therefore, by way of this Public Notice it is hereby notified that any person, Attorney and/or entity, firm/company, society and/or member of the Society, Bank, HUF/member of HUF, Financial Institution having any claim, charge, interest, or lien whatsoever with respect to the Said house/plot or otherwise, may notify to undersigned only on his rahulkumargupta281401@gmail.com with documentary proof within 15 days from the date of this publication of notice, failing which any such claim etc. shall be deemed to be null and void, whereas title shall be deemed to be clear, and marketable without any defect or encumbrance and free to create equitable mortgage

RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
Off. 43B, Third Floor,
Patparganj Village,
Mayur Vihar, Phase-I,
Delhi-1, M-NO- 7252922875

PUBLIC NOTICE

I, on behalf of my clients Heera Lal s/o Shri Shyam Lal and Meenu wife of Heera Lal both R/o f A-367, J.J. Colony, Tigri, New Delhi-110080, hereby inform the general public that my clients have disowned and debarred their Daughter Mamta alias Gungun from all their movable and immovable properties, assets, rights, interests and claims, due to their misconduct, misbehavior and disobedience towards my clients. My clients have severed all relations with them and shall not be liable or responsible for any act, deed, omission, debt, liability or transaction, whatsoever, undertaken by the said Daughter.

MUKESH KUMAR Advocate
CH. No.484, Saket Court,
New Delhi-110017

NAME CHANGE

I, JOTHI ANNASAHEB AVHAD, wife of No.-15180504A, Rank-HAV, Name- ANNASAHEB BHAGUJI AVHAD residing at VILL/PO-DAPUR, TEHSIL-SINNAR, DIST-NASHIK, MAHARASHTRA-422103, have changed my name from JOTHI ANNASAHEB AVHAD to JYOTI ANNASAHEB AVHAD for all future purposes vide Affidavit dated 21/11/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I KHAJINDER SINGH S/O SURJAN SINGH R/O H NO-B-139, SECOND FLOOR, CHITRANJAN PARK, SOUTH DELHI, DELHI-110019. have changed my name to GAJINDER SINGH for all purposes.

NAME CHANGE

I, SULTANA W/o MOHD SHAKEEL R/o 17-C NEW MODEL BASTI RANI JHANSI ROAD KAROL BAGH DELHI 110005 have changed my name to SULTANA BEGUM W/o MOHD SHAKEEL for all future Purposes.

PUBLIC NOTICE

Mr. Kamalesan Owner of the Residential Flat bearing no. 58, 2nd floor , situated in Sanchar Vihar developed by Sanchar Vihar Sahakari Awas Samiti Ltd., plot no C-58/4 , Sec -62, in Noida, District Gautam Budha, Nagar, U.P. Mr. Kamalesan have lost Original Share certificate Sanchar Vihar Sahakari Awas Samiti Ltd., In favour of Mr. B.P. Singh, for which complaint lodged to the police. Therefore, by way of this Public Notice it is hereby notified that any person, Attorney and/or entity, firm/company, society and/or member of the Society, Bank, HUF/member of HUF, Financial Institution having any claim, charge, interest, or lien whatsoever with respect to the Said house/plot or otherwise, may notify to undersigned only on his rahulkumargupta281401@gmail.com with documentary proof within 15 days from the date of this publication of notice, failing which any such claim etc. shall be deemed to be null and void, whereas title shall be deemed to be clear, and marketable without any defect or encumbrance and free to create equitable mortgage

RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
Off. 43B, Third Floor,
Patparganj Village,
Mayur Vihar, Phase-I,
Delhi-1, M-NO- 7252922875

NAME CHANGE

I, Ramesh Singh R/o H No.36, Block-9, Ramesh Nagar,Delhi Have changed my minor son name from Kanish to Kanishk Singh for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Anil Razoria, S/O Chandu Lal, R/O 36 Kushak No-2 Village, Kadipur, North West Delhi, Delhi-110036 have changed my name to Anil Kumar for all future purposes.

NAME CHANGE

I, ARUN KUAMR S/O BIHARI SINGH R/O RZF-500/5 MAHATMA GANDHI MARG RAJ NAGAR PART-2 PALAM COLONY NEW DELHI 110077, CHANGED MY NAME TO ARUN KUMAR.

Name Correction

I ASHIYA BEGUM WO/MUKHTAR AHMAD Resident of House No 1085 STREET NO 36 JAFRABAD SEELAMPUR NORTH EAST Delhi 110053 do hereby solemnly affirm and declare as under.That my Son FAISAL AND MOHD FARHAN Mother name Mistake Passport mention My incorrect NAME ASHIYA My Correct name ASHIYA BEGUM My Son Name Incorrect Faisal Correct Name Mohd Faisal.

NAME CHANGE

I, SINDHU KUMARI wife of JC-314443L, Rank-SUB SKT, Name-VAKIL KUMAR ROY residing at VILL-BALUAN (WEST), PO-KANSDIARAS (NARAW), KANS DIAR, SARAN, BIHAR-841216, have changed my name from SINDHU KUMARI to SINDHU KUMARI RAI for all future purposes vide Affidavit dated 21/11/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE

I, No-15816881F Rank-NK Name-AMIT KUMAR R/o HOUSE NO-16, AURADAAD, SEMARI, SANT KABIR NAGAR, AURADAND, UTTAR PRADESH-272165, have changed my father's name from RAM YAGHA PANDEY to SURENDRA NARAYAN PANDEY for all future purposes and in my service records my father's date of birth wrongly mentioned as 01/05/1940 instead of his correct date of birth as 11/01/1961 vide Affidavit dated 21/11/2026 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

This is for information of General Public that My client Mr. Harpreet Singh S/o Mr. Diwan Singh R/o 20B/68B, Ground Floor, Tilak Nagar west Delhi, Delhi-110018. is purchasing the Freehold Residential Entir Groung Floor, without roof rights of freehold property bearing No. 16/49-B, area measuring 100 sq. yards., Situated at Tilak Nagar New Delhi. from Mrs. Geeta Malik, Mrs. Shashi Rani & Mrs. Radha, who has lost Original Sale Deed dated 14.05.2003 executed by Mr. IS Bedi (Vendor), and Mrs. Kawaljeet Kaur Bedi (Confirming Vendor) in favour of Mrs. Swaran Kanta having Registration No. 5737 in Book No. 1, on dated 14.05.2003 registered with the office of the Sub Registrar-Delhi/New Delhi, in relation to said property. In case anybody finds the above said documents and any person having any claim/s in respect of the above said property in any manner whatsoever are hereby required to give notice of the same to the undersigned at the address given below within 7 days from the date of publication hereof together with copies of documents on the basis of which such claim be deemed and if there is no claim received against the said property then my client may proceed with its intended object as mentioned above.

RAJESH K GUPTA Advocate
F-42 & 43, Dilshad Colony,
Delhi- 110095.
8882766856
rlegalloan@gmail.com

NAME CHANGE

I, Mariya D/O Khozema Ratlam Wala R/O S37/34-35 S Block Room No 5, Dlf Phase 3, SEC 24, Gurgaon, Haryana 122010 have changed my name to Maria Ratlam Wala for all future purposes.

NAME CHANGE

I SHANKAR S/O RAM NIWAS R/O PLOT NO 82 GALI NO-3 KH NO 60 NEW SABHAPUR, GUJRAN KARAWAL NAGAR,DELHI-110094 HAVE CHANGE MY NAME TO SHANKAR KUMAR FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE

I, VIRENDER GOEL S/o MADAN LAL GOEL R/o H NO 4 NEAR THAPAR FARM CHURCH ROAD VASANT KUNJ, WEST DELHI-110070 HAVE CHANGED MY NAME TO VIRENDER KUMAR GOEL ALL FUTURE PURPOSES

Name Correction

I ASHIYA BEGUM W/O MUKHTAR AHMAD Resident of House No 1085 STREET NO 36 JAFRABAD SEELAMPUR NORTH EAST Delhi 110053 do hereby solemnly affirm and declare as under.That my Passport mention My NAME AND MY FATHER NAME AND MY MOTHER NAME incorrect name is ASHIYA My Correct name ASHIYA BEGUM AND My Father Name Incorrect Khalid Correct Name ABDUL KHALIQ My Mother Name Incorrect KHURSHIDA Correct Name KHURSHIDA BEGUM

PUBLIC NOTICE

BE IT KNOWN THAT MY CLIENT SH.MANJEET SINGH S/O LATE SH.HARNAM SINGH R/o House No-90, BLK No 13, Dakshin Puri Ext, Dr Ambedkar Nagar, South DELHI, DELHI-110062 HAS DEBARRED HER SON GURMEET SINGH S/O SH. MANJEET SINGH R/0 House NO-90, BLK No 13, Dakshin Puri Ext, Dr Ambedkar Nagar, South DELHI, DELHI-110062 FROM ALL HIS PROPERTIES BOTH MOVABLE AND IMMOVABLE, MY CLIENT HAS NO CONTROL OVER HIM AND A WILL NOT BE RESPONSIBLE FOR ANY ILLEGAL ACTS OR EXECUTE ANY DOCUMENTS AND DEEDS OF ABOVE NAMED PERSON.

JATIN VOHRA ADVOCATE
Ch. No-310, Lawyer's Block,
Saket Courts Complex, Saket,
New Delhi-17.

NAME CHANGE

I, SHEETAL, W/o RISHABH PRATAP SINGH, R/o J-1303, 13TH FLOOR, ANTRIKSH FOREST, SECTOR-77, NOIDA, GAUTAM BUDH NAGAR, UTTAR PRADESH-201301, have changed my name to SHEETAL CHAUHAN" for all future purposes.

NAME CHANGE

I AMIR AHMED S/0 JAMIL AHMED R/0H.NO 256/2 WARD NO 9 SANT NAGAR OLD FARIDABAD HARYANA 121001 CHANGED MY NAME TO AMIR AHMED ALVI

NAME CHANGE

I, JC-314443L, Rank-SUB SKT, Name-VAKIL KUMAR ROY residing at VILL-BALUAN (WEST), PO-KANSDIARAS (NARAW), KANS DIAR, SARAN, BIHAR-841216, have changed my name from VAKIL KUMAR ROY to VAKIL KUMAR RAI for all future purposes vide Affidavit dated 21/11/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, JC-333462L Rank-SUB/JE CIVIL Name-SATHISH M R/o HOUSE No- 261, 2nd CROSS, JAI JAWAN NAGAR, SUBBANNAPPALYA EXTENSION, BANGALORE NORTH, MARUTHI SEVANAGAR, BANGALORE, KARNATAKA-560033, have changed my name from SATHISH M, SATISH M to M SATISH for all future purposes vide affidavit dated 21/11/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I RISHIPAL s/o harish chand tyagi R/o U2/07 sec 76 Faridabad haryana have change my name to RISHI TYAGI for all future purposes

NAME CHANGE

I, Shailendra Tyagi S/o Ramnath Tyagi R/o 256, Saddik Nagar, Near Tempu Stand, Sihani, Ghaziabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201001 have changed the name of my minor Son Aaradhy Attray Tyagi aged 14 years and he shall hereafter be known as Avyukt Tyagi

NAME CHANGE

I, Anil alias Anil Kumar Tyagi S/O Rampal R/O 2nd-B-58, Nehru Nagar, Ghaziabad, PO: Ghaziabad, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201001,have changed my name and shall hereafter be known as Anil

NAME CHANGE

I,hitherto known as LEELAWATI W/o DHARAMPAL SINGH, 42, gali no- 1/7, brahmpuri, modi nagar, Modinagar, Modi Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh, 201204, have changed my name and shall hereafter be known as LEELA.

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to public at large that my client Mrs. Amita, W/o. Lt. Sh. Sanjeev Chitkara, D/o Sh. Krishan Lal Sharma, R/o P-58, Sector-11, Noida, U.P.-201301 has separated and broken all her ties with her son Mr. Deepanshu Chitkara due to his disrespectful and ignorant behaviour and aggressive temperament towards my client. Mr. Deepanshu Chitkara has no claim or title to any of the movable or immovable properties possessed or belonging to my client. They have no power or authority to incur any debts on the security of my client said properties and any person hereafter giving him any loan or advance shall be doing so entirely on his own risk and responsibility. My client, nor her properties, shall in any way be responsible for such debts.

KHUSHI SHARMA
Advocate
Ch. No.C-91, C.L. Joseph Block,
Tis Hazari Courts, New Delhi-54.

NAME CHANGE

I, hitherto known as SATWATI W/O PRADEEP KUMAR TYAGI R/O Sonda Road, Dev Nagar, VTC: Modinagar, District Ghaziabad, Uttar Pradesh-201204, have changed my name and shall hereafter be known as MANJU TYAGI.

NAME CHANGE

I, hitherto known as S B SINGH S/O RAM AVTAR SINGH R/O House No. 12/528, G2 Friends Society, Sector-12, Vasundhara Ghaziabad, Uttar Pradesh-201012, have changed my name and shall hereafter be known as SHYAM BIHARI.

NAME CHANGE

I hitherto known as Vinod Kumar K S/o Gangadharan Pillai R/o A-84/F1 D.L.F Dilshad Extension Part 2, Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201005 have changed my name and shall hereafter be known as Vinod Kumar Gangadharan.

NAME CHANGE

I hitherto known as Badal Singh Raja S/o Omveer Singh R/o C-183, Sector-44, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301 have changed my name and shall hereafter be known as Vijay Kumar.

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि श्रीमती पम्मी मिश्रा, श्रीमती आशा कनौजिया से आवासीय रिक्त भूखंड संख्या 28, क्षेत्रफल 105 वर्ग गज, खसरा संख्या 128 मि0 (पुराना खसरा संख्या 128A एवं 128B) में से, स्थित राम नगर कॉलोनी, ग्राम अटौर, परगना जलालाबाद, तहसील एवं जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, क्रय करने की इच्छुक हैं। यह कि श्रीमती आशा कनौजिया ने उक्त संपत्ति श्रीमती गीता त्यागी से दिनांक 23.04.2019 के विक्रय विलेख के माध्यम से क्रय की थी, जो दस्तावेज संख्या 5503 के रूप में पंजीकृत है। सर्वसाधारण को यह भी सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति से संबंधित मूल विक्रय विलेख दिनांक 25.08.2008, जो दस्तावेज संख्या 6308, बही संख्या 1, जिल्द संख्या 3214, पृष्ठ संख्या 298 से 307 पर दिनांक 25.08.2008 को उप-निबंधक-II, गाजियाबाद के कार्यालय में पंजीकृत है, कहीं खो गया है अथवा गुम हो गया है तथा तमाम संभव प्रयासों के बावजूद तलाश करने पर भी नहीं मिल रहा है। उक्त मूल विक्रय विलेख के गुम होने के संबंध में दिनांक 21.11.2026 को थाना पश्चिम जिला/क्राइम ब्रांच, दिल्ली, विकासपुरी/ई-पुलिस स्टेशन में ऑनलाइन एफआईआर, रुक्का संख्या 814160/2026 के अंतर्गत दर्ज कराई गई है। उक्त संपत्ति के प्रस्तावित क्रय हेतु आदित्य बिरला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, शाखा कौशाम्बी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। यदि किसी व्यक्ति को इस संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति है, तो कृपया नोटिस की तिथि से 7 दिनों के भीतर लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति को कृपया नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक द्वारा और ईमेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजें। ऐसा न करने पर, उक्त दावा संबंधित संपत्ति के संबंध में अमान्य माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw@vashwani@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्रीमती रुक्मणी पत्नी श्री सुभाष, निवासी ग्राम मिल्क लच्छी, रोजा याकूब

संक्षिप्त डायरी

ट्रक ने मोटरसाइकिल को मारी टक्कर, पिता-बेटी घायल

एजेंसी

गुरुग्राम। बिलासपुर थाना क्षेत्र में मन्नत होटल के सामने सात नवंबर को तेज रफ्तार ट्रक ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार पिता और उनकी बेटी घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने ट्रक चालक और मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रेवाड़ी के शिवनगर पार्ट-2 निवासी ऋषि कुमार ने पुलिस को बताया कि सात नवंबर को वह अपनी बेटी विनती के साथ मोटरसाइकिल पर गुरुग्राम से रेवाड़ी जा रहे थे। दोपहर करीब ढाई बजे मन्नत होटल के सामने ट्रक चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों घायल हो गए। एक राहगीर ने उन्हें धारूहेड़ा स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अन्य अस्पतालों में भी ले जाया गया। मंगलवार को अस्पताल से छुट्टी मिली। पुलिस प्रवक्ता संदीप ने बताया कि ऋषि कुमार की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। फुटेज के आधार पर हादसे की परिस्थितियों और ट्रक की पहचान की जांच की जा रही है।

3.68 करोड़ की धोखाधड़ी के आरोपी को जमानत नहीं, एम्स में होगा इलाज

एजेंसी

गुरुग्राम। 3.68 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय धोखाधड़ी के मामले में आरोपी विजय कुमार शर्मा (64) को अदालत से राहत नहीं मिली है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश डॉ. गगन गीत कौर की अदालत ने उसकी नियमित और अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी। हालांकि, प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित आरोपी के स्वास्थ्य को देखते हुए भोंडसी जेल प्रशासन को दिल्ली स्थित एम्स में तत्काल इलाज कराने के निर्देश दिए हैं। उपचार के दौरान आरोपी सख्त पुलिस हिरासत में रहेगा। ओम लॉजिस्टिक्स लिमिटेड के अधिकृत प्रतिनिधि सुमित शर्मा ने वर्ष 2023 में उद्योग विहार थाना पुलिस को शिकायत दी थी। आरोप था कि इच्छापूर्ति ब्रांड से जुड़ी कंपनी के लोगों ने जुलाई 2021 से मार्च 2022 के बीच लॉजिस्टिक्स, ट्रांसपोर्ट, मैनपावर और सामग्री आपूर्ति के साथ सुपर फ्रेंचाइजी व बिजनेस पार्टनर मॉडल के नाम पर विभिन्न कंपनियों और व्यापारियों से सेवाएं व निवेश लिया, लेकिन भुगतान नहीं किया। इस मामले में 3.68 करोड़ रुपये से अधिक की राशि बकाया बताई गई। विजय कुमार शर्मा को 28 अक्टूबर 2026 को गिरफ्तार किया गया था। वह फिलहाल भोंडसी जेल में न्यायिक हिरासत में है।कंपनी को 38 से 50 लाख रुपये तक कर्ज दिया थाआरोपी के अधिवक्ताओं ने दलील दी कि उसे झूठा फंसाया गया है और वह संबंधित कंपनी में निदेशक या प्रवर्तक नहीं था। बचाव पक्ष ने दावा किया कि उसने कंपनी को 38 से 50 लाख रुपये तक कर्ज दिया था। साथ ही बताया कि आरोपी हाई-रिस्क प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित है और उसकी सर्जरी प्रस्तावित है। अभियोजन पक्ष ने कहा कि आरोपी बैंक खातों और वित्तीय लेनदेन को नियंत्रित कर रहा था। मामले में 57 वेंडरों से जुड़े करीब 9.64 करोड़ रुपये के घोटाले के आरोप भी रखे गए। अदालत ने आरोप गंभीर मानते हुए जमानत देने से इन्कार कर दिया। हालांकि, अनुच्छेद 21 के तहत स्वास्थ्य के अधिकार को देखते हुए एम्स में तत्काल इलाज कराने का आदेश दिया।

बिजली चोरी के मामले में उपभोक्ता की याचिका खारिज

एजेंसी

गुरुग्राम। बिजली चोरी और जुमार्ना नोटिस से जुड़े मामले में सिविल अदालत ने उपभोक्ता की याचिका क्षेत्राधिकार के अभाव में खारिज कर दी। सिविल जज (जूनियर डिवीजन) डॉ. मोहम्मद इम्तियाज खान की अदालत ने कहा कि बिजली चोरी और उससे संबंधित आकलन के मामलों की सुनवाई सिविल कोर्ट के अधिकार क्षेत्र में नहीं आती। मानेसर तहसील के गांव सिकंदरपुर बढ़ा निवासी दीपक कुमार ने दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम की चेकिंग रिपोर्ट और जुमार्ना नोटिस को चुनौती दी थी। वादी का कहना था कि वह घर के बिजली कनेक्शन के नियमित बिलों का भुगतान करता रहा है। 13 फरवरी 2020 को उसकी अनुपस्थिति में निगम कर्मचारियों ने पुराना मीटर बदलकर नया मीटर लगा दिया। इसके बाद उसे कार्यालय बुलाकर 25 हजार रुपये देने और बिजली चोरी का केस दर्ज कराने की धमकी दी गई। वादी के अनुसार, 29 फरवरी 2020 को उसे चेकिंग रिपोर्ट और दो मेमो दिए गए। इनमें उस पर 1.40 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया था। उसने इस कार्रवाई को गलत बताते हुए अदालत में याचिका दायर की थी। वहीं, निगम ने अदालत में दलील दी कि जांच के दौरान मीटर की बॉडी से छेड़छाड़ मिली थी। मीटर को चिपकाने वाले पदार्थ से दोबारा जोड़ा गया था। इसके अलावा फेज और न्यूट्रल सीटी तारों में रेसिस्टेंस लगाकर बिजली की खपत में हेरफेर किया जा रहा था। निगम ने इसे बिजली चोरी का मामला बताया। अदालत ने मामले में क्षेत्राधिकार नहीं होने के आधार पर उपभोक्ता की याचिका खारिज कर दी।

बारिश से घर में हुए नुकसान का क्लेम नहीं देना कंपनी को पड़ा भारी

एजेंसी

गुरुग्राम। भारी बारिश से घर में पानी भरने पर घरेलू सामान को हुए नुकसान का बीमा क्लेम नहीं देना एचडीएफसी एर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी को महंगा पड़ गया। जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने कंपनी को 60,050 रुपये नौ प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ देने का आदेश दिया है। साथ ही 15 हजार रुपये मुआवजा और 11 हजार रुपये कानूनी खर्च भी देना होगा। आदेश आयोग के अध्यक्ष संजीव जिंदल ने दिया। पटौदी तहसील के गांव जटौली निवासी सतबीर ने आठ अगस्त 2022 को आयोग में याचिका दायर की थी। उन्होंने बताया कि 20 अगस्त 2020 को भारी बारिश से उनके घर में पानी भर गया था। इससे घरेलू सामान खराब हो गया। उन्होंने एचडीएफसी एर्गो की सर्व सुरक्षा पॉलिसी के तहत कुल 4.90 लाख रुपये के नुकसान का दावा किया था। आयोग ने पाया कि कंपनी के सर्वेयर ने घरेलू सामान के नुकसान का आकलन 60,050 रुपये किया था, लेकिन कंपनी ने इसका भुगतान नहीं किया। नौकरी छूटने और पिता की बीमारी से जुड़े दावों को पर्याप्त साक्ष्य नहीं होने पर स्वीकार नहीं किया गया। आयोग ने क्लेम रोकने को सेवा में कमी मानते हुए ब्याज सहित भुगतान का आदेश दिया।

घामड़ोज में मादा तेंदुआ दो शावकों के साथ दिखी

एजेंसी

गुरुग्राम। घामड़ोज गांव में मादा तेंदुआ अपने दो शावकों के साथ घूमती दिखाई दी। गांव के एक आश्रम के पास लगे सीसीटीवी कैमरे में तीनों की गतिविधियां कैद हुई हैं। फुटेज सामने आने के बाद आसपास के गांवों में भी ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। सीसीटीवी फुटेज में रात के समय एक दीवार के ऊपर से एक के बाद एक तीन तेंदुए नीचे उतरते दिखाई दे रहे हैं। इनमें एक मादा तेंदुआ और उसके दो शावक हैं। तीनों आश्रम परिसर में रखी पानी की टंकी के पास पहुंचकर पानी पीते हैं। कुछ देर आसपास घूमने के बाद वहां से आगे बढ़ जाते हैं। ग्रामीणों के अनुसार, घामड़ोज में पहले भी तेंदुआ देखा जा चुका है। आश्रम, देवी मंदिर और मिढ़ावली क्षेत्र में भी पिछले कुछ समय से तेंदुए की गतिविधियां सामने आती रही हैं। अब मादा तेंदुआ के साथ दो शावकों के दिखाई देने से लोगों में डर बना हुआ है। घामड़ोज के साथ रायसीना, सांप की नंगली, भोंडसी, टिकली और सकतपुर सहित अरावली की तलहटी में बसे गांवों के लोग भी चिंतित हैं। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में तेंदुए की आवाजाही से लोगों को सतर्क रहना पड़ रहा है। उन्होंने संबंधित विभाग से निगरानी बढ़ाने और सुरक्षा के जरूरी कदम उठाने की मांग की है।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए से अभियान, 21, 22, 28 और 29 नवंबर को मतदान केंद्र पर भरे जाएंगे फॉर्म

एजेंसी



नोएडा। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान-2027 के तहत गौतमबुद्धनगर जिले में मतदाता सूची को अपडेट करने के लिए निर्वाचन विभाग की ओर से आज से चार दिन विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए 21, 22, 28 और 29 नवंबर की तारीख निर्धारित की गई है। इन चारों दिनों में जिले के सभी मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) और पदाभिहित अधिकारी मौजूद रहेंगे। अभियान के दौरान पात्र नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने, पहले से दर्ज नाम को हटवाने, नाम-पते में संशोधन कराने और विधानसभा क्षेत्र के भीतर या बाहर स्थान परिवर्तन के लिए आवेदन कर सकेंगे। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के निदेशों के क्रम में डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार अर्हता तिथि 1 जनवरी 2027 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कराया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत 17 नवंबर 2026 को मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन किया जा चुका है। इसके बाद मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन के लिए दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जा रही हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ की ओर से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 21 नवंबर (शनिवार), 22 नवंबर (रविवार), 28 नवंबर (शनिवार) और 29 नवंबर (रविवार) को विशेष अभियान दिवस आयोजित किए जाएंगे। पहले और दूसरे विशेष अभियान के तहत 21 और 22 नवंबर को जिले के तीनों विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में सभी बीएलओ अपने-अपने मतदान केंद्रों पर सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक उपस्थित रहेंगे। इसी तरह 28 और 29 नवंबर को भी मतदाता सूची से संबंधित कार्यों के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। प्रशासन ने जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों के मतदाताओं और पात्र नागरिकों से इस अभियान का लाभ उठाने की अपील की है। गौतमबुद्धनगर जिले में 61-नोएडा, 62-दादरी और 63-जेवर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र शामिल हैं। इन तीनों क्षेत्रों के सभी मतदेय स्थलों पर बीएलओ की उपस्थिति में मतदाता सूची से संबंधित आवेदन और आपत्तियां स्वीकार की जाएंगी। निर्वाचन विभाग के अनुसार जिन पात्र नागरिकों का नाम 17 नवंबर को प्रकाशित मतदाता सूची में शामिल नहीं है, वे अपने संबंधित मतदान केंद्र पर पहुंचकर बीएलओ को आवश्यक दस्तावेजों के साथ फार्म-6 भरकर जमा करा सकते हैं। इसके माध्यम से पात्र नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए आवेदन कर सकेंगे। खासकर ऐसे युवा जो 1 जनवरी 2027 को निर्धारित अर्हता के अनुसार मतदाता बनने की पात्रता रखते हैं, वे इस अभियान के दौरान अपना पंजीकरण करा सकते हैं। मतदाता सूची में यदि किसी ऐसे व्यक्ति का नाम दर्ज है, जिसकी मृत्यु हो चुकी है, या किसी मतदाता का नाम दो स्थानों पर दर्ज है अथवा कोई व्यक्ति स्थायी रूप से दूसरे स्थान पर शिफ्ट हो चुका है, तो ऐसी स्थिति में संबंधित परिजन या पात्र व्यक्ति फार्म-7 भरकर नाम हटाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। निर्वाचन विभाग ने ऐसे मामलों में सही जानकारी उपलब्ध कराने की अपील की है, ताकि मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाया जा सके। इसके अलावा मतदाता सूची में पहले से दर्ज किसी मतदाता के नाम, पते या अन्य विवरण में गलती होने पर फार्म-8 भरकर संशोधन कराया जा सकता है। यदि कोई मतदाता अपना निवास स्थान बदल चुका है और मतदाता सूची में नए पते के अनुसार स्थानांतरण कराना चाहता है, तो इसके लिए भी फार्म-8 के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है। ये आवेदन संबंधित बीएलओ के पास या निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय में जमा कराए जा सकते हैं। निर्वाचन विभाग ने नागरिकों की सुविधा के लिए ऑनलाइन आवेदन की व्यवस्था भी उपलब्ध कराई है। मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, नाम हटवाने और संशोधन से संबंधित फार्म मोबाइल ऐप तथा भारत निर्वाचन आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर भरे जा सकते हैं। प्रशासन ने जिले के सभी पात्र नागरिकों से अपील की है कि वे प्रकाशित मतदाता सूची में अपना नाम और अन्य विवरण अवश्य जांच लें। यदि किसी प्रकार की त्रुटि या कमी मिलती है तो निर्धारित फार्म भरकर समय रहते आवेदन करें। विशेष अभियान के दौरान मतदान केंद्रों पर बीएलओ की मौजूदगी का लाभ उठाकर मतदाता अपने दस्तावेजों के साथ आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। निर्वाचन विभाग का उद्देश्य आगामी निर्वाचन प्रक्रिया से पहले मतदाता सूची को अधिक सटीक, अद्यतन और त्रुटिरहित बनाना है।

जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

एजेंसी

गुरुग्राम। विद्यार्थियों में विज्ञान और तकनीक के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए शनिवार को समग्र शिक्षा के तहत जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित की गई। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (जीएसएसएस) बसई में हुई प्रदर्शनी में कक्षा छह से आठवीं तक के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों पर विज्ञान मॉडल बनाकर अपनी रचनात्मक सोच और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सात अलग-अलग थीम के आधार पर मॉडलों का मूल्यांकन किया गया। प्रत्येक थीम में पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाले विद्यार्थियों का चयन किया गया। प्रदर्शनी में गणितीय मॉडलिंग एवं कम्प्यूटेशनल थिंकिंग, ग्रीन एनर्जी एवं पर्यावरण संरक्षण, ग्रामीण परिवर्तन के लिए विज्ञान, पारंपरिक कृषि पद्धतियां, स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं साफ़-सफाई, आपदा प्रबंधन और बेहतर जीवन के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे विषय शामिल रहे। विद्यार्थियों ने इन विषयों पर मॉडल प्रस्तुत कर विज्ञान के व्यावहारिक उपयोग को समझाने का प्रयास किया। प्रदर्शनी का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, नवाचार और समस्या समाधान की क्षमता विकसित करना रहा। ग्रामीण जीवन, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य और आधुनिक तकनीक से जुड़ी थीम के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर मिला। निर्णायक मंडल ने सभी मॉडलों का मूल्यांकन कर परिणाम घोषित किए। सातों थीम में तीन-तीन स्थानों के लिए विद्यार्थियों का चयन किया गया। इस तरह कुल 21 स्थानों पर विद्यार्थियों ने उपलब्धि हासिल की। प्रदर्शनी ने विद्यार्थियों को किताबी पढ़ाई के साथ प्रयोग करने और नए विचारों को सामने रखने का मंच दिया।

विशेष बच्चों ने जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता में दिखाया दमखम -सात स्कूलों और संस्थाओं के बच्चों ने लिया हिस्सा

एजेंसी



गुरुग्राम। बौद्धिक एवं बहु-दिव्यांगता वाले बच्चों को खेलों के माध्यम से प्रतिभा दिखाने का अवसर देने के उद्देश्य से शनिवार को जिला स्तरीय विशेष खेल प्रतियोगिता के तीसरे सीजन का आयोजन किया गया। खुशबू संस्था की ओर से डीएवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित प्रतियोगिता में सात स्कूलों और गैर-सरकारी संगठनों के बच्चों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। बच्चों ने विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा और खेल भावना का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन टावेंट टेक्नोलॉजीज के एसोसिएट डायरेक्टर धीरज गंभीर, खुशबू संस्था के अध्यक्ष राकेश जिंसी और कार्यकारिणी सदस्य उषा मलिक ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत बोच्चे खेल से हुई। अतिथियों ने बच्चों का उत्साह बढ़ाया और उनके प्रयासों की सराहना की। प्रतियोगिता में डीएवी पब्लिक स्कूल, कॉग्निएबल, मुस्कान, राधिका फाउंडेशन, नवोदय स्पेशल स्कूल, आलाप होम और खुशबू संस्था के बच्चों ने भाग लिया। इसमें 25, 50 और 100 मीटर दौड़, सॉफ्टबॉल थ्रो, गोला फेंक, बोच्चे और हैंडबॉल की प्रतियोगिताएं कराई गईं। बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ खेलों में हिस्सा लिया। आयोजकों के अनुसार, प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों की शारीरिक फिटनेस के साथ आत्मविश्वास, आपसी मेलजोल और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना था। खेलों के माध्यम से उन्हें अपनी क्षमता प्रदर्शित करने और दूसरे बच्चों के साथ जुड़ने का अवसर मिला। कार्यक्रम के समापन पर पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया और विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

भाजपा नेता से पांच करोड़ की फिरौती मांगने में तीसरा आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी



नोएडा। भाजपा नेता जाहिद हुसैन से पांच करोड़ रुपये की फिरौती मांगने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में नूंह पुलिस ने तीसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी मुकीम गांव बाई का रहने वाला है। पुलिस ने उसे चार दिन के रिमांड पर लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, जाहिद हुसैन को 27 सितंबर की रात उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से फोन आया था। फोन करने वाले ने खुद को रोहित गोदारा और लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताते हुए दो दिन के भीतर पांच करोड़ रुपये देने की मांग की थी। रकम नहीं देने पर भाजपा नेता और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई थी। इसी नंबर से रात करीब 8:23 बजे दोबारा फोन कर जवाब देने का दबाव बनाया गया था। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच के दौरान पुलिस ने सबसे पहले उत्तर प्रदेश निवासी आकाश को गिरफ्तार किया। इसके बाद गांव बाई के फरीद को पकड़ा गया। अब तीसरे आरोपी मुकीम को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक, मुकीम पहले गिरफ्तार किए गए आरोपी लतीफ का भाई है। इस मामले में अब तक गिरफ्तार तीन आरोपियों में दो गांव बाई के रहने वाले हैं। भाजपा नेता जाहिद हुसैन भी मूल रूप से इसी गांव के निवासी हैं। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आरोपी से पूछताछ कर फिरौती मांगने की साजिश और इसमें शामिल अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। मामले में अभी कुछ अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी भी बाकी है। पुलिस पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है।

खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी सम्मानित

एजेंसी



सोहना। कस्बे के शिव पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शनिवार को वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें सोहना के भाजपा विधायक तेजपाल तंवर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेलों में भी भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कहा कि खेल जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। इनसे शरीर स्वस्थ रहने के साथ अनुशासन की भावना भी विकसित होती है। विधायक ने कहा कि सरकार ने खेलों को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं, जिनका लाभ खिलाड़ियों को मिल रहा है। स्कूल प्रबंधन की ओर से उनका बुके देकर स्वागत किया गया। प्रतियोगिता की शुरूआत खिलाड़ियों के मार्चपास्ट और मशाल जलाकर की गई। विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। इस अवसर पर स्कूल चेयरमैन मुकेश बंसल, पूर्व पार्षद रवि शंकर सिंगला, अनिल गर्ग, मार्केट कमेटी चेयरमैन दयाराम लोहिया, वाइस चेयरमैन अशोक बंसल और एसीपी मुकेश यादव सहित शिक्षक व विद्यार्थी मौजूद रहे। एक दर्जन स्पधाओं में दिखाया दमखम- प्रतियोगिता में करीब एक दर्जन स्पधाएं आयोजित की गईं। इनमें दौड़, साइकिल रेस, लॉन्ग जंप और हाई जंप शामिल रहीं। विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ हिस्सा लेकर अपनी खेल प्रतिभा दिखाई। विजेता विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। मेधावी विद्यार्थियों को मिलेगी नकद राशि- कार्यक्रम में स्कूल चेयरमैन मुकेश बंसल ने घोषणा की कि वार्षिक परीक्षा में निर्धारित अंक हासिल करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को नकद राशि देकर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने प्रतियोगिता के विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

34 लाख रुपये की ठगी, बैंक खाता दिलाने वाला आरोपी पकड़ा

शेयर बाजार में निवेश पर मोटे मुनाफे का दिया था झांसा, खाते की व्यवस्था कराने के मिले थे 60 हजार रुपये



गुरुग्राम। डिजिटल दौर में जहाँ एक ओर निवेश के माध्यम आसान और सुलभ हुए हैं, वहीं दूसरी ओर साइबर अपराधी भी लोगों की गाढ़ी कमाई हड़पने के लिए नए-नए और बेहद शातिर तरीके अपना रहे हैं। शेयर बाजार में कम समय में मोटा मुनाफा कमाने का लालच देकर लोगों को अपने जाल में फंसाना इन दिनों साइबर ठगों का सबसे पसंदीदा हथियार बन चुका है। ऐसा ही एक गंभीर मामला साइबर सिटी कहे जाने वाले गुरुग्राम से सामने आया है, जहाँ साइबर ठगों ने एक व्यक्ति को शेयर बाजार में निवेश पर भारी रिटर्न दिलाने का झांसा देकर करीब 34 लाख रुपये की चपत लगा दी। इस मामले में कार्रवाई करते हुए गुरुग्राम पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है और ठगी की रकम के लेनदेन के लिए बैंक खाता उपलब्ध कराने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपराधियों को न केवल बैंक खाता मुहैया कराया था, बल्कि खाताधारक की ठगों से मुलाकात भी करवाई थी। इस पूरे खेल में उसे कमीशन के तौर पर 60 हजार रुपये मिले थे। पुलिस गिरफ्तार आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है और इस पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी हुई है। क्या है पूरा मामला? पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह मामला 14 अक्तूबर 2026 को गुरुग्राम के साइबर क्राइम वेस्ट थाना में दर्ज की गई एक शिकायत के बाद सामने आया। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि कुछ अज्ञात लोगों ने उससे संपर्क किया और शेयर बाजार में निवेश करने पर असाधारण व मोटा मुनाफा कमाने का प्रलोभन दिया। ठगों ने खुद को निवेश और बाजार का विशेषज्ञ बताते हुए पीड़ित का भरोसा जीतने की पूरी कोशिश की। उन्हें लगा कि सही जानकारी और मार्गदर्शन के साथ निवेश करने पर उन्हें बड़ा लाभ मिल सकता है। इसी लालच और भरोसे में आकर शिकायतकर्ता ने ठगों के बताए गए निर्देशों और माध्यमों के अनुसार अलग-अलग किस्तों में करीब 34 लाख रुपये निवेश कर दिए। शुरूआत में ठगों ने पीड़ित को भरोसे में बनाए रखने के लिए तरह-तरह के दावे किए, लेकिन जब रकम निकालने या वास्तविक मुनाफे की बात आई, तो टालमटोल शुरू हो गया। धीरे-धीरे शिकायतकर्ता को यह एहसास हुआ कि उनके साथ किसी तरह का असली निवेश नहीं हो रहा है, बल्कि वे एक सुनियोजित साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो चुके हैं। ठगी का अहसास होते ही पीड़ित ने बिना देर किए साइबर क्राइम वेस्ट थाना पहुंचकर मामले की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस की कार्रवाई और आरोपी की गिरफ्तारी शिकायत मिलते ही गुरुग्राम पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया और जांच शुरू कर दी। साइबर मामलों में अक्सर अपराधियों तक पहुंचने के लिए पैसों के लेनदेन (मनी ट्रेल) और बैंक खातों की भूमिका सबसे अहम होती है।

शैले होटल्स तीन साल में 3,500 करोड़ का निवेश करेंगी- सीईओ

नई दिल्ली।

शैले होटल्स अगले तीन वर्षों में लगभग 3,500 करोड़ रुपये का निवेश करने पर` विचार कर रही है। कंपनी के अधिकारी ने बताया कि दिल्ली हवाईअड्डे पर बनने वाले इसके ताज ब्रांड के होटल में अब अगले वित्त वर्ष (2027-28) की अप्रैल-जून तिमाही में लगभग 200 कमरे खुलने की उम्मीद है, जबकि पहले 70 कमरे खोलने की योजना थी। कंपनी के आगामी पोर्टफोलियो में दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डीआईएएल) में 380 कमरों वाला ताज होटल शामिल है। अे धिकारी ने एक साक्षात्कार में बताया कि डीआईएएल हवाईअड्डे पर ताज होटल का काम पूरा होने के करीब है, लेकिन प्रदूषण से जुड़े जीआरएपी प्रतिबंधों के कारण इसमें कुछ देरी हुई। उन्होंने कहा कि कंपनी को उम्मीद है कि हवाईअड्डा स्थित यह होटल उसके समग्र पोर्टफोलियो में अहम योगदान देगा, हालांकि राजस्व पर इसके असर का सटीक आकलन करना अभी जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा` कि हमें अगले तीन वर्षों में 3,500 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय की उम्मीद है। शैले होटल्स के पास इस समय लगभग 3,300 कमरे हैं और 2,036 कमरों की घोषित परियोजनाओं पर काम जारी है। कंपनी की अन्य परियोजनाएं योजना के अनुसार आगे बढ़ रही हैं।

दो पैन कार्ड रखने पर व्यापारी को इनकम टैक्स ने भेजा लाखों का नोटिस

क्लर्क की कथित गलती से व्यापारी के नाम पर जारी हो गए थे दो पैन कार्ड

नई दिल्ली ।

गुजरात के एक पटाखा कारोबारी के साथ ऐसा मामला सामने आया है, जहां क्लर्क की कथित गलती से उनके नाम पर दो पैन कार्ड जारी हो गए थे। इस त्रुटि के बाद आयकर विभाग ने उनके एक पैन कार्ड के आधार पर 7.60 लाख रुपए की रकम को छिपी हुई आय मान लिया, जिससे व्यापारी कानूनी दांव-पेच में फंस गए। असेसमेंट ईयर 2020-21 के लिए उन्होंने एक पैन कार्ड से इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल किया था, जिसमें पटाखों के कारोबार से हुई पूरी कमाई की जानकारी और ऑडिट रिपोर्ट शामिल थी। हालांकि, आयकर विभाग ने उनके दूसरे पैन कार्ड नंबर के आधार पर दोबारा जांच शुरू कर दी। असेसिंग ऑफिसर ने 24 मार्च 2025 को कार्रवाई पूरी करते हुए 7.60 लाख रुपए को उनकी आय में जोड़ दिया। कारोबारी का तर्क था कि इस कमाई पर पहले ही दूसरे पैन के तहत दाखिल रिटर्न में टैक्स दिया जा चुका है, इसलिए एक ही रकम पर दोबारा टैक्स लगाना गलत है। व्यापारी ने अपने दावे के समर्थन में बैंक स्टेटमेंट, कारोबार से जुड़े लोगों के खाते की पुष्टि और अन्य दस्तावेज जमा किए। उन्होंने दो पैन कार्ड जारी होने की गलती को लेकर हलफनामा भी दिया। लेकिन पहली अपील के दौरान वह अपना पक्ष और जरूरी सबूत सही तरीके से पेश नहीं कर सके, जिसके चलते अपील अथॉरिटी ने आयकर विभाग के फैसले को बरकरार रखा। इसके बाद कारोबारी ने आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण (आईटीएटी) अहमदाबाद का रुख किया। ट्रिब्यूनल ने अपील अथॉरिटी का पिछला आदेश रद्द करते हुए इस मामले को नए सिरे से जांच के लिए असेसिंग ऑफिसर के पास भेज दिया।

पल्सर एनएस125 का अपडेटेड मॉडल जल्द होगा पेश

नई दिल्ली ।

दो पहिया वाहन निर्माता कंपनी बजाज जल्द ही पल्सर एनएस125 के अपडेटेड मॉडल को पेश कर सकती है। यह अपडेटेड बाइक कई और नए फीचर्स के साथ बाजार में धूम मचाने को तैयार है।

इसे हाल ही में टेस्टिंग के दौरान देखा गया है, जिससे यह पुष्टि हुई है कि इसमें नया टीएफटी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर मिलेगा। जानकारी के अनुसार, नई पल्सर एनएस125 में 5-इंच का टीएफटी डिस्प्ले होगा, जो इसके सेगमेंट में काफी उन्नत माना जा रहा है। यह डिस्प्ले गूगल मैप्स मिररिंग, म्यूजिक कंट्रोल, डॉक्यूमेंट स्टोरेज और लैप टाइमर जैसे फीचर्स को सपोर्ट करेगा। खास बात यह है कि यह एंड्रॉइड फोन की स्क्रीन बंद होने पर भी गूगल मैप्स मिररिंग की सुविधा देगा। इसमें डे-नाइट थीम और ऑटो ब्राइटनेस एडजस्टमेंट भी मिलेगा। विशेषज्ञों के अनुसार, अगर कंपनी इलेक्ट्रॉनिक थ्रॉटल बॉडी देती है, तो बाइक में राइडिंग मोड्स भी शामिल किए जा सकते हैं। अन्य संभावित फीचर्स में हैजर्ड लाइट स्विच और पैनिक ब्रेक अलर्ट शामिल हो सकते हैं। राइडर की सुविधा के लिए इसमें एडजस्टेबल क्लच और ब्रेक लीवर भी दिए जाने की संभावना है।

हार्डवेयर के मामले में, अपडेटेड पल्सर एनएस125 में ज्यादातर चीजें मौजूदा मॉडल जैसी ही रह सकती हैं, जैसे फ्रंट डिस्क ब्रेक, रियर ड्रम ब्रेक, रियर मोनोशॉक और फ्रंट टेलिस्कोपिक फोर्क्स।

वैश्विक कारकों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

अमेरिकी ब्याज दरों की दिशा और वैश्विक बॉन्ड यील्ड पर भी निवेशकों की नजर रहेगी

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजारों में बीते सप्ताह दिग्गज कंपनियों में लिवाली के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों की नजर वैश्विक कारकों पर रहेगी और प्रमुख सूचकांकों में तेजी जारी रहने की उम्मीद है। ` पिछले सप्ताह विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की लिवाली के दम पर बाजार में जबरदस्त तेजी रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 2,327.26 अंक (2.85 प्रतिशत) चढ़कर 83,919.71 अंक पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 656.30 अंक यानी 2.61 प्रतिशत ऊपर 25,800.60 अंक पर बंद हुआ। यह दोनों सूचकांकों का नौ महीने से अधिक का उच्चतम स्तर है। बाजार के जानकारों का कहना है` कि बीते सप्ताह की जबरदस्त तेजी के बाद, आने वाले सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार की चाल मुख्य रूप से वैश्विक संकेतों, विदेशी निवेशकों के रुख और कच्चे तेल की कीमतों पर निर्भर करेगी। बाजार ` विशेषज्ञों ने कहा` कि एशियाई और अमेरिकी बाजारों में हाल ही में तकनीकी और एआई शेयरों के मूल्यांकन को लेकर उतार-चढ़ाव



देखा गया है।

उनका कहना है` कि इस सप्ताह अमेरिकी ब्याज दरों की दिशा और वैश्विक बॉन्ड यील्ड पर निवेशकों की कड़ी नजर रहेगी। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी भारतीय अर्थव्यवस्था र कॉरपोरेट मार्जिन के लिए सकारात्मक है। हालांकि, पश्चिम एशिया और यूक्रेन से जुड़े भू-राजनीतिक घटनाक्रम बाजार की धारणा को प्रभावित कर सकते हैं। बाजार विश्लेषकों के अनुसार तेजी का रुख अभी बरकरार है।

देशभर में पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई फेरबदल नहीं

दिल्ली में डीजल 95.20 रुपए और पेट्रोल 102.12 रुपए प्रति लीटर

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में भले ही कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का दौर जारी हो, लेकिन भारत में फिलहाल पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर हैं। सरकारी तेल विपणन कंपनियों द्वारा रविवार को जारी दरों के मुताबिक देशभर में पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई फेरबदल नहीं हुआ है। दिल्ली में डीजल 95.20 रुपए और पेट्रोल 102.12 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। प्रीमियम श्रेणी में एक्सपी 100 की कीमत 167.35 रुपए, एक्सपी 95 की कीमत 109.24 रुपए और एक्सजी डीजल की कीमत 100.52 रुपए प्रति लीटर है। नोएडा में डीजल का रेट 95.56 रुपए और पेट्रोल 102.12 रुपए प्रति लीटर है। एक्सपी 95 110.68 रुपए और एक्सजी 101.17 रुपए प्रति लीटर` मिल रहा है। हरियाणा के गुरुग्राम में डीजल 95.64 रुपए और पेट्रोल 102.97 रुपए प्रति लीटर है। वहीं यहां एक्सपी 100 167.35 रुपए और एकसपी 95 111.78 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है। फरीदाबाद में डीजल 96.01,पेट्रोल 103.35 रुपए और एक्सपी 95 112.16 रुपए लीटर है। लखनऊ में डीजल की कीमत 95.36 रुपये प्रति लीटर और पेट्रोल की कीमत 101.89 रुपये प्रति लीटर है। भोपाल में डीजल 99.64 रुपये प्रति लीटर और पेट्रोल 114.57 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। जयपुर में डीजल 97.78 रुपये प्रति लीटर और पेट्रोल 112.69 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

गोकुल डेयरी ने भैंस का दूध 6 और गाय का 4 रुपए किया महंगा

दूध के भाव बढ़ने से उपभोक्ताओं पर सीधा वित्तीय भार पड़ेगा

मुंबई ।

अब महाराष्ट्र में दूध खरीदने वाले उपभोक्ताओं को अधिक पैसे खर्च करने होंगे, क्योंकि गोकुल डेयरी ने भैंस और गाय के दूध की कीमतों में वृद्धि की घोषणा की है। कोल्हापुर जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ, जिसे गोकुल के नाम से जाना जाता है, ने भैंस के दूध की बिक्री कीमत में 6 रुपए प्रति लीटर और गाय के दूध की कीमत में 4 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। ये नई दरें 21 नवंबर से प्रभावी हो गई हैं और गोकुल के सप्लाई क्षेत्र, यानी महाराष्ट्र के उन इलाकों में लागू होंगी जहां गोकुल दूध की आपूर्ति करता है। इस बढ़ोतरी से उपभोक्ताओं पर सीधा वित्तीय भार पड़ेगा। उदाहरण के लिए, यदि कोई परिवार प्रतिदिन 2 लीटर भैंस का दूध खरीदता है, तो उसे पहले के मुकाबले हर दिन 12 रुपए अधिक खर्च करने होंगे, जिससे मासिक खर्च लगभग 360 रुपए बढ़ जाएगा। वहीं, रोज 2 लीटर गाय का दूध खरीदने वाले परिवार को महीने में करीब 240 रुपए अतिरिक्त देने होंगे। गोकुल ने सिर्फ ग्राहकों के लिए दूध महंगा नहीं किया है, बल्कि दूध उत्पादकों को मिलने वाली खरीद कीमत भी बढ़ाई है। भैंस के दूध पर किसानों को अब 3 रुपए प्रति लीटर और गाय के दूध पर 2 रुपए प्रति लीटर ज्यादा मिलेंगे। डेयरी के चेयरमैन के अनुसार सूखे की स्थिति और किसानों को हो रही परेशानियों को देखते हुए यह फैसला लिया गया है, और बोर्ड के सभी निदेशकों ने इस बढ़ोतरी पर सहमति जताई है। यह नई दरें करीब 131 दिनों यानी मार्च तक लागू रहेंगी।

सोना हुआ सस्ता, मुथूट-मणप्पुरम के शेयर धड़ाम, क्या गोल्ड लोन कंपनियों की बढ़ेगी मुश्किल?

मजबूत अमेरिकी डॉलर और ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंका से सोने पर दबाव

मुथूट फाइनेंस और मणप्पुरम फाइनेंस के शेयरों में बिकवाली बढ़ी

सोने के भाव एक साल के निचले स्तर पर पहुंचने से निवेशक सतर्क

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय और घरेलू बाजार में सोने की कीमतों में आई तेज गिरावट का असर अब गोल्ड लोन कंपनियों के शेयरों पर भी दिखाई देने लगा है। मुथूट फाइनेंस और मणप्पुरम फाइनेंस के शेयरों में बिकवाली बढ़ गई है। सोने के भाव एक साल के निचले स्तर पर पहुंचने और आगे भी गिरावट की आशंका से निवेशक सतर्क हो गए हैं। बाजार को चिंता है कि बुलियन की कीमतों में कमजोरी से गोल्ड लोन कंपनियों की लोन देने की क्षमता, वसूली और मुनाफे पर दबाव बढ़ सकता है। बीते सप्ताह शुक्रवार के कारोबार में मणप्पुरम फाइनेंस का शेयर करीब 5 फीसदी गिरकर 270 रुपये पर आ गया। यह अप्रैल के बाद इसका सबसे निचला स्तर बताया गया। वहीं मुथूट फाइनेंस का शेयर भी करीब 3 फीसदी टूटकर इंट्राडे में 2,480 रुपये तक फिसल गया। पिछले कुछ कारोबारी सत्रों से इन शेयरों में लगातार बिकवाली देखी जा रही है। दरअसल, गोल्ड लोन कंपनियों का कारोबार सोने की कीमतों से सीधे तौर पर जुड़ा होता है। ये कंपनियां ग्राहकों के सोने के आभूषण गिरवी रखकर कर्ज देती हैं। ऐसे में सोने का बाजार मूल्य घटने से गिरवी रखे सोने की कीमत कम हो जाती है। इससे लोन-टू-वैल्यू अनुपात पर दबाव



बढ़ सकता है। यदि सोने की कीमतों में और गिरावट आती है तो कंपनियों को गिरवी रखे सोने के मुकाबले बकाया कर्ज की सुरक्षा बनाए रखने में अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ सकती है। इसके अलावा कर्ज चुकाने में ग्राहकों की ओर से चूक होने पर सोने की नीलामी के जरिए रकम वसूलना भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। हालांकि, इसका वास्तविक असर कंपनियों के एनपीए, वसूली और नीलामी के आंकड़ों पर निर्भर करेगा। सोने की कीमतों में गिरावट के पीछे मजबूत अमेरिकी डॉलर और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंका को प्रमुख कारण माना जा रहा है।

घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

दिल्ली में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत 942, मुंबई में 941.50 रुपए

शादी सीजन में सस्ता हुआ गैस सिलेंडर या बढ़ गए दाम? दिल्ली से पटना तक चेक करें नए रेट

नई दिल्ली ।

आज 22 नवंबर 2026 को गैस सिलेंडर की कीमतों पर आम लोगों की नजर बनी हुई है, खासकर शादी के सीजन में जब रसोई गैस की खपत बढ़ जाती है। रसोई गैस के दाम बढ़ने या घटने का सीधा असर घर के बजट पर पड़ता है। यदि आप आज एलपीजी सिलेंडर बुक करने की सोच रहे हैं, तो अपने शहर के नए रेट जानना महत्वपूर्ण है। राहत की बात यह है कि फिलहाल 14.2 किलो वाले घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है और यह पुराने रेट पर ही मिलेगा। दिल्ली में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत 942 रुपए है, जबकि मुंबई में इसके लिए 941.50 रुपए चुकाने होंगे। कोलकाता में यह 968 रुपए और चेन्नई में 957.50 रुपए का मिल रहा है। पटना में इसकी कीमत 1,031.50 रुपए है, और लखनऊ तथा वाराणसी में 979.50 रुपए है। हालांकि, 19 किलो वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

ये सिलेंडर होटल, रेस्टोरेंट और अन्य व्यावसायिक कामों में इस्तेमाल होते हैं। दिल्ली में



कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 2,820 रुपए हो गई है, मुंबई में इसका रेट 2,775 रुपए और कोलकाता में 2,971 रुपए है। पटना में यह 3,110.50 रुपए और बेंगलुरु में 2,774 रुपए का मिल रहा है।

कमर्शियल सिलेंडर महंगा होने से होटल और रेस्टोरेंट के खर्च पर भी असर पड़ सकता है, जिसका बोझ अंततः उपभोक्ताओं पर भी आ सकता है। तेल कंपनियां आमतौर पर हर महीने की पहली तारीख को एलपीजी सिलेंडर की कीमतों की समीक्षा करती हैं और नए रेट जारी करती हैं। इन कीमतों पर अंतरराष्ट्रीय बाजार में एलपीजी की कीमत, डॉलर के मुकाबले रुपए की स्थिति और दूसरे खर्चों का असर पड़ता है।

रिलायंस ब्रांड्स का राजस्व बढ़कर 3,390.9 करोड़, घाटा कम हुआ

नई दिल्ली ।

रिलायंस ब्रांड्स का वित्त वर्ष 2025-26 में राजस्व 3.77 प्रतिशत बढ़कर 3,390.89 करोड़ रुपये हो गया है और कंपनी का घाटा कम होकर 137.04 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी पंजीयक (आरओसी) के पास दाखिल दस्तावेजों से यह जानकारी मिली है। देश की प्रमुख खुदरा कंपनी रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड (आरआरवीएल) की अनुषंगी कंपनी रिलायंस ब्रांड्स लिमिटेड (आरबीएल) रणनीतिक साझेदारी, ब्रांड स्वामित्व और खुदरा परिचालन के जरिये भारतीय बाजार में वैश्विक फैशन और जीवनशैली ब्रांडों का कारोबार करती है।

एक कारोबारी सूचना मंच से मिले वित्तीय आंकड़ों के अनुसार आरबीएल ने वित्त वर्ष 2024-25 में परिचालन से 3,267.66 करोड़ रुपये का राजस्व और 237.12 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया था। आरबीएल ने कहा` कि विवेकाधीन उपभोग क्षेत्र में काम करते हुए कंपनी भारत में एक संपन्न ग्राहक वर्ग की जरूरतों को पूरा करती है, जिसमें अनुमानित 1.2 से 1.5 करोड़ उपभोक्ता शामिल हैं। कंपनी ने खुद को प्रमुख वैश्विक ब्रांडों के लिए पसंदीदा साझेदार के रूप में स्थापित किया है।

बजट से पहले एल्युमीनियम उद्योगों की कच्ची धातु के शुल्क-मुक्त आयात की मांग

विनिर्माताओं के संगठन एएलईएमएआई ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को लिखा पत्र

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2027-28 के आम बजट से पहले एल्युमीनियम उत्पाद विनिर्माताओं ने घरेलू खपत को बढ़ावा देने और छोटे उद्यमों की प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ाने के लिए सरकार से कच्ची धातु के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति देने का आग्रह किया है। विनिर्माताओं के संगठन एएलईएमएआई ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर प्राथमिक एल्युमीनियम पर मूल सीमा शुल्क को घटाकर शून्य करने की मांग की है। संगठन का तर्क है कि मौजूदा 7.5 प्रतिशत शुल्क, जो सामाजिक कल्याण अधिभार सहित प्रभावी रूप से 8.25 प्रतिशत हो जाता है, घरेलू मूल्य संवर्धन को नुकसान पहुंचा रहा है। एल्युमीनियम एक्सटूजन मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एएलईएमएआई) ने पत्र में कहा ` कि हम सरकार से आगामी आम बजट में शुल्क शीर्षक 7601 के तहत प्राथमिक एल्युमीनियम पर मूल सीमा शुल्क को 7.5 प्रतिशत से घटाकर शून्य प्रतिशत करने का अनुरोध करते हैं। संगठन ने कहा कि इस कदम से देश के विनिर्माण तंत्र की प्रतिस्पर्धी क्षमता को मजबूत करने, घरेलू मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने, एमएसएमई को सहारा देने, निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करने और पूरी अर्थव्यवस्था में एल्युमीनियम की खपत बढ़ाने में मदद मिल सकती है। पत्र में कहा गया कि भारत ने वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी प्राथमिक एल्युमीनियम उद्योग स्थापित किया है और इसमें घरेलू एल्युमीनियम खपत बढ़ाने की काफी संभावनाएं हैं।

देश के बढ़ते घरेलू यात्रा बाजार का लाभ उठाने एयरबीएनबी भारत में बढ़ाएगी मौजूदगी

नई दिल्ली ।

देश के बढ़ते घरेलू यात्रा बाजार का लाभ उठाने के लिए वैश्विक आतिथ्य मंच एयरबीएनबी पारंपरिक पर्यटन स्थलों से आगे बढ़कर भारत में अपनी मौजूदगी को और मजबूत करने पर` विचार कर रही है। इसके तहत कंपनी होमस्टे खंड को मजबूत करने और अधिक स्थानीय उद्यमियों को अपने मंच से जोड़ने पर ज्यादा ध्यान दे रही है। एयरबीएनबी इंडिया के एक अे धिवकारी ने एक साक्षात्कार में कहा कि कंपनी की भारत में वृद्धि रणनीति गुणवत्तापूर्ण आवास बढ़ाने, अधिक समुदायों को पर्यटन में भागीदार बनाने और ठहरने की सुविधा से आगे बढ़कर अनुभवों तथा सेवाओं के जरिये अपनी पेशकश में विविधता लाने पर केंद्रित होगी।

उन्होंने कहा` कि हम पारंपरिक अवकाश बाजारों तथा महानगरों के साथ-साथ आध्यात्मिक गलियारों और प्रकृति से जुड़े स्थानों जैसे उभरते गंतव्यों में भी गुणवत्तापूर्ण आपूर्ति का विस्तार जारी रखेंगे। हम चाहते हैं कि यात्रियों के पास अधिक विकल्प हों और स्थानीय समुदायों को पर्यटन से लाभ मिले।

उन्होंने बताया कि भारत वैश्विक स्तर पर एयरबीएनबी के सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक है, जिसमें घरेलू यात्रा वृद्धि का एक बड़ा आधार बनकर उभरी है।

वर्ष 2026 की पहली छमाही में भारतीय मेहमानों द्वारा की गई 85 प्रतिशत से अधिक बुकिंग घरेलू थीं, जबकि इस दौरान पहली बार बुकिंग करने वाले लगभग 70 प्रतिशत लोग जेन जी (युवा पीढ़ी) से थे। उन्होंने कहा` कि हमारी मौजूदगी पूरे भारत में है और यात्रा का नक्शा लगातार बड़ा हो रहा है, क्योंकि यात्री प्रकृति, संस्कृति, विरासत और स्थानीय अनुभवों के लिए पारंपरिक पर्यटन केंद्रों से आगे बढ़कर विकल्प देख रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के पर्वतीय स्थलों के साथ ही कांगड़ा, पूर्वी खासी हिल्स और श्रीनगर जैसे स्थान लोगों का ध्यान खींच रहे हैं, जबकि वाराणसी और अमृतसर प्रमुख सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पर्यटन स्थलों के रूप में उभर रहे हैं।

भारत का तेल एवं गैस आयात बिल अक्टूबर में 60 प्रतिशत बढ़ा

अक्टूबर 2025 में आयात बिल 10 अरब डॉलर था



नई दिल्ली ।

पेट्रोलियम मंत्रालय के तहत आने वाले पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) के आंकड़ों से` मिली जानकारी के मुतो बिक भारत का तेल एवं गैस आयात बिल अक्टूबर में 60 प्रतिशत बढ़कर 16 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। ब्रेंट कच्चे तेल की औसत कीमत सालाना आधार पर लगभग दोगुनी होकर 124.77 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचने के चलते आयात बिल बढ़ा।

अक्टूबर 2025 में शुद्ध आयात बिल 10 अरब डॉलर था। हालांकि, मात्रा के हिसाब से कच्चे तेल का आयात केवल 11 प्रतिशत बढ़कर 2.33 करोड़ टन रहा। तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के आयात पर 1.3 अरब डॉलर खर्च हुए, जबकि पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात से 6.3 अरब डॉलर की कमाई हुई।ब्रेंट कच्चे तेल की औसत कीमत सितंबर में 116.77 डॉलर और अक्टूबर 2025 में 64.75 डॉलर प्रति बैरल थी।

अक्टूबर में भारतीय बास्केट के कच्चे तेल की औसत कीमत 119.91 डॉलर प्रति बैरल रही, जो एक साल पहले 65.08 डॉलर थी।

अप्रैल-अक्टूबर के दौरान शुद्ध आयात बिल बढ़कर 97.7 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 70.3 अरब डॉलर था। इस दौरान मात्रा के हिसाब से कच्चे तेल का आयात 2.7 प्रतिशत बढ़ा, लेकिन इस पर 111 अरब डॉलर खर्च हुए, जबकि एक साल पहले यह खर्च 72.3 अरब डॉलर था।

महिंद्रा एलएमएम की आईपीओ लाने की तैयारी-चेयरमैन

नई दिल्ली ।

महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी लिमिटेड वृद्धि के अपने अगले चरण के वित्तपोषण के लिए करीब 18 महीने में शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने की तैयारी कर रही है। इसके तहत कंपनी नए उत्पाद खंडों में विस्तार और उत्पादन क्षमता बढ़ाने की योजना बना रही है, साथ ही वह विदेशी बाजारों में संभावित अवसरों की भी तलाश कर रही है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा कि महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी का मूल्यांकन पहले ही करीब एक अरब अमेरिकी डॉलर है। इसमें दो निवेशक जुड़े हुए हैं और तीसरे निवेशक के जल्द ही शामिल होने की उम्मीद है। उन्होंने साफ किया कि 18 महीने की समयसीमा एक मोटा अनुमान है और कंपनी ने अभी सूचीबद्धता की कोई तारीख तय नहीं की है। उन्होंने कहा` कि इससे मिलने वाली राशि का इस्तेमाल निश्चित रूप से आंशिक तौर पर मूल्य सृजन के लिए किया जाएगा, लेकिन मुख्य रूप से इसका उपयोग नए खंडों तथा नए उत्पादों में वृद्धि को गति देने और क्षमता विस्तार के लिए होगा।

राजस्थान की संस्कृति का वाहक है पुष्कर मेला



रमेश सर्राफ धमोरा

इतनी विशेषताओं के कारण पुष्कर को तीर्थराज कहने के अलावा देश का पांचवां धाम भी कहा जाता है। पुष्कर सरोवर में कार्तिक पूर्णिमा पर पर्व स्नान का बड़ा महत्व माना गया है। क्योंकि कार्तिक पूर्णिमा पर ही ब्रह्मा जी का वैदिक यज्ञ संपन्न हुआ था। तब यहां सम्पूर्ण देवी-देवता एकत्र हुए थे। उस पावन अवसर पर पर्व स्नान की परम्परा सदियों से चली आ रही है। जिस प्रकार प्रयाग को तीर्थराज कहा जाता है उसी प्रकार से इस तीर्थ को पुष्करराज कहा जाता है।

राजस्थान में त्यौहारों, पर्वों एवं मेलों की अनूठी परम्परा एवं संस्कृति है वैसी देश में अन्यत्र कहीं मिलना कठिन है। यहां का प्रत्येक मेला एवं त्यौहार लोक जीवन की किसी किवदन्ती या किसी ऐतिहासिक कथानक से जुड़ा हुआ है। इसलिए इनके आयोजन में सम्पूर्ण लोक जीवन पूरी सक्रियता से भाग लेता है। इन मेलों में राजस्थान की लोक संस्कृति जीवन्त हो उठती है। इन मेलों के अपने गीत हैं, जिनके प्रति जन साधारण की गहरी आस्था दृष्टिगोचर होती है। इससे लोग एकता के सूत्र में बंधें रहते हैं। राजस्थान में अधिकांश मेले पर्व व त्यौहार के साथ जुड़े हुए हैं।

मेलों का महत्व देवताओं एवं देवियों की आराधना को लेकर भी है क्योंकि देर्वाचन से मानव को शान्ति प्राप्त होती है। वैसे तो राजस्थान के विभिन्न भागों में बहुत बड़ी संख्या में मेले आयोजित किए जाते हैं, परन्तु कुछ गिने-चुने मेलों का अपना ही महत्व होता है। यहां के धार्मिक मेलों में सम्बंधित धर्म अनुयायियों के अतिरिक्त अन्य धर्म के लोग एवं अन्य जाति के लोग भी खुलकर भाग लेते हैं।

पुष्कर मेला थार मरुस्थल का एक लोकप्रिय व रंगों से भरा मेला है। पुष्कर झील भारतवर्ष में पवित्रतम स्थानों में से एक है। प्राचीनकाल से लोग यहां पर प्रतिवर्ष कार्तिक मास में एकत्रित हो भगवान ब्रह्मा की पूजा उपासना करते हैं। पुष्कर मेले को खास माना जाता है क्योंकि यह धार्मिक, सांस्कृतिक और व्यापारिक महत्व का एक अनूठा संगम है। पुष्कर मेले की मुख्य विशेषताओं में दुनिया का सबसे बड़ा ऊँट और पशुधन मेला होना, जिसमें ऊँट, घोड़े, और अन्य मवेशियों की खरीद-बिक्री होती हैं। धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के साथ-साथ विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों का मिश्रण शामिल है। इसमें सांस्कृतिक प्रदर्शन, पारंपरिक खेल जैसे कुश्ती और कबड्डी, और ऊँट व घोड़ों के लिए सजगता प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इसके अलावा, मेले में हस्तशिल्प बाजार और पवित्र पुष्कर झील के किनारे धार्मिक अनुष्ठान भी होते हैं। जो इसे एक बहुआयामी उत्सव बनाते हैं।

राजस्थान में अजमेर से लगभग 11 कि.मी. दूर हिन्दुओं का प्रसिद्ध तीर्थ स्थल पुष्कर है। यहां पर कार्तिक पूर्णिमा को मेला लगता है जिसमें बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक आते हैं। यहां पर विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी होता है जो इस मेले की शोभा को और बढ़ा देते हैं। पुष्कर मेला कार्तिक शुक्ल एकादशी से पूर्णिमा तक लगता है। मेलों के रंग राजस्थान में देखते ही बनते हैं। ये मेले मरुस्थल के गांवों के कठोर जीवन में एक नवीन उत्साह भर देते हैं। लोग रंग-बिरंगे परिधानों में सज-धजकर जगह-जगह पर नृत्य गान आदि समारोहों में भाग लेते हैं। यहां पर काफी मात्रा में भीड़ देखने को मिलती है। लोग इस मेले को श्रद्धा, आस्था और विश्वास का प्रतीक मानते हैं।



पुष्कर मेले की मुख्य विशेषताओं में दुनिया का सबसे बड़ा ऊँट और पशुधन मेला होना, जिसमें ऊँट, घोड़े, और अन्य मवेशियों की खरीद-बिक्री होती है, धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के साथ-साथ विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों का मिश्रण शामिल है। इसमें सांस्कृतिक प्रदर्शन, पारंपरिक खेल जैसे कुश्ती और कबड्डी, और ऊँट व घोड़ों के लिए सजगता प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इसके अलावा, मेले में हस्तशिल्प बाजार और पवित्र पुष्कर झील के किनारे धार्मिक अनुष्ठान भी होते हैं, जो इसे एक बहुआयामी उत्सव बनाते हैं।

मेला स्थल से परे पुष्कर नगरी का माहौल एक तीर्थनगरी सरीखा होता है। कार्तिक में स्नान का महत्व हिंदू मान्यताओं में वैसे भी काफी ज्यादा है। इसलिए यहां साधु भी बडी संख्या में नजर आते हैं। मेले के शुरुआती दिन जहां पशुओं की खरीद-फरोख्त पर जोर रहता है। वहीं बाद के दिनों में पूर्णिमा पास आते-आते धार्मिक गतिविधियों का जोर हो जाता है। श्रद्धालुओं के सरोवर में स्नान करने का सिलसिला भी पूर्णिमा को अपने चरम पर होता है।

पुष्कर मेले के दौरान इस नगरी में आस्था और उल्लास का अनोखा संगम देखा जाता है। पुष्कर को इस क्षेत्र में तीर्थराज कहा जाता है और पुष्कर मेला राजस्थान का सबसे बड़ा मेला माना जाता है। पुष्कर मेले की प्रसिद्धि का अनुमान इस बात से ही लगाया जा सकता है कि ऐतिहासिक धरोहरों के रूप में ताजमहल का जो दर्जा विदेशी सैलानियों की नजर में है। ठीक वही महत्व त्यौहारों से जुडे पारम्परिक मेलों में पुष्कर मेले का है।

पुष्कर को इस क्षेत्र में तीर्थराज कहा जाता है। क्योंकि यहां समूचे ब्रह्मांड के रचयिता माने जाने वाले ब्रह्मा जी का निवास है। पुष्कर के महत्व का वर्णन पद्मपुराण में मिलता है। इसके अनुसार एक समय ब्रह्मा जी को यज्ञ करना था। उसके लिए उपयुक्त स्थान का चयन करने के लिए उन्होंने धरा पर अपने हाथ से एक कमल पुष्प गिराया। वह पुष्प अरावली पहाडियों के मध्य गिरा और लुढकते हुए दो स्थानों को स्पर्श करने के बाद तीसरे स्थान पर ठहर गया। जिन तीन स्थानों को पुष्प ने धरा को स्पर्श किया वहां जलधारा फूट पडी और पवित्र सरोवर बन गए। सरोवरों की रचना एक पुष्प से हुई इसलिए इन्हें पुष्कर कहा गया। प्रथम सरोवर कनिष्ठ पुष्कर, द्वितीय सरोवर मध्यम पुष्कर कहलाया। जहां पुष्प ने विराम लिया वहां एक सरोवर बना, जिसे ज्येष्ठ पुष्कर कहा गया। ज्येष्ठ पुष्कर ही आज पुष्कर के नाम से विख्यात है। पुष्कर में लगभग चार सौ मंदिर है। इसीलिए इसे मंदिर नगरी भी कहा जाता है।

ब्रह्मवैवर्त पुराण में उल्लिखित है कि अपने मानस पुत्र नारद द्वारा सृष्टिकर्म करने से इन्कार किए जाने पर ब्रह्मा ने उन्हें शाप दे दिया कि तुमने मेरी आज्ञा की अवहेलना की है। अतः मेरे शाप से तुम्हारा ज्ञान नष्ट हो जाएगा और तुम गन्धर्व योनि को प्राप्त करके कामिनियों के वशीभूत हो जाओगे। तब नारद ने भी दुःखी पिता ब्रह्मा को शाप दिया कि आपने बिना किसी कारण मुझे शाप दिया है। अतः मैं भी आपको शाप देता हूं कि तीन लोक में आपकी पूजा नहीं होगी और आपके मंत्र, श्लोक कवच आदि का लोप हो जाएगा। तभी से ब्रह्मा जी की पूजा नहीं होती है। मात्र पुष्कर क्षेत्र में ही वर्ष में एक बार उनकी पूजा-अर्चना होती है।

महाभारत में पुष्कर राज के बारे में लिखा है कि तीनों लोकों में मृत्यु लोक महान है और मृत्यु लोक में देवताओं का सर्वाधिक प्रिय स्थान पुष्कर है। चारों धामों की यात्रा करके भी यदि कोई व्यक्ति पुष्कर सरोवर में डुबकी नहीं लगाता है तो उसके सारे पुण्य निष्फल हो जाते हैं। यही कारण है कि तीर्थ यात्री चारो धामों की यात्रा के बाद पुष्कर की यात्रा जरूर करते हैं। तीर्थ राज पुष्कर को पृथ्वी का तीसरा नेत्र भी माना जाता है। पुष्कर नगरी में विश्व का एकमात्र ब्रह्मा मंदिर है तो दूसरी तरफ दक्षिण स्थापत्य शैली पर आधारित रामानुज संप्रदाय का विशाल वैकुंठ मंदिर। इनके अलावा सावित्री मंदिर, वराह मंदिर के अलावा अन्य कई मंदिर हैं। पास में ही एक छोटे से मन्दिर में नारद जी की मूर्ति। एक मन्दिर में हाथी पर बैठे कुबेर तथा नारद की मूर्तियां हैं।

कई आस्थावान लोग पुष्कर परिक्रमा भी करते हैं। सुबह और शाम के समय यहां आरती होती है। वह दृश्य अत्यंत मनोहारी होता है। इतनी विशेषताओं के कारण पुष्कर को तीर्थराज कहने के अलावा देश का पांचवां धाम भी कहा जाता है। पुष्कर सरोवर में कार्तिक पूर्णिमा पर पर्व स्नान का बडा महत्व माना गया है। क्योंकि कार्तिक पूर्णिमा पर ही ब्रह्मा जी का वैदिक यज्ञ संपन्न हुआ था। तब यहां सम्पूर्ण देवी-देवता एकत्र हुए थे। उस पावन अवसर पर पर्व स्नान की परम्परा सदियों से चली आ रही है। जिस प्रकार प्रयाग को तीर्थराज कहा जाता है उसी प्रकार से इस तीर्थ को पुष्करराज कहा जाता है। हिन्दुओं के लिए पुष्कर एक पवित्र तीर्थ व महान पवित्र स्थल है। वर्तमान समय में इसकी देख-रेख की व्यवस्था सरकार ने सम्भाल रखी है। अतः तीर्थस्थल की स्वच्छता बनाए रखने में भी काफी मदद मिली है। यात्रियों की आवास व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाता है। यहां आने वाला हर तीर्थयात्री यहां की पवित्रता और सौंदर्य की मन में याद संजो कर ही लौटता है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

ये दस्तूर बिगड़ा है

विधानसभा के तपोवन सदन में कई सवाल और आक्रोश की घंटियां बज रही हैं और इन्हीं से निकलता राजनीतिक चरित्र भी देख जा सकता है। केवल जल शक्ति विभाग के डाक बंगलों की कलगी पर सतपाल सत्ती के प्रश्न ने बता दिया कि 90 रेस्ट हाउसों की मिट्टी कितनी नुकसानदेह है। यानी डाक बंगलों ने तीन सालों में 1.68 आय बटोर ली, लेकिन व्यय कर दिए तीन करोड़ 70 लाख। अगर इसी अनुपात में सभी विभागों के डाक बंगलों की समीक्षा की जाए, तो घाटे के आतिथ्य में हम करोड़ों गंवा रहे हैं। हिमाचल का दस्तूर इतना बिगड़ चुका है कि सदन में बहस यह नहीं कि एक लाख करोड़ की उधारी कैसे खड़ी हुई या हम इस दलदल से बाहर कैसे निकलेंगे। प्रदेश की बौद्धिक क्षमता में तर्क यह नहीं कि सुशासित राज्य की तस्वीर में नागरिक समाज की तरक्की कैसे होगी। हिमाचल की आय के स्रोत नागरिक समाज से अगर आते भी हैं, तो उसके द्वारा किए गए मदिरा सेवन की तारीफ होती है। इस बार तपोवन सदन में ढोल इस कद्र पीटे जा रहे हैं कि हम सुबह, दोपहर, शाम कुछ राजनीति क्षत्रपों का हुंकारा देख सकते हैं। इनकी लंबाई मापने के लिए फिर जिलों के विभाजन का प्रश्न धौलाधार की सूखी पहाडियों से मुखातिब है। भले ही कांगड़ा जिला का कोई भी नेता अपने विधानसभा क्षेत्र के बाहर स्वीकार्य न हो, लेकिन तुर्रा यह कि उसकी हद में नए जिला का मुख्यालय बन जाए। आशीष बुटेल को पालमपुर, तो यादविंदर गोमा को भी एक अदद जिला चाहिए। वहम की दुकानदारी मंडी और शिमला के वर्चस्व में कीलें बेच रही है, तो हजारों सवालों पर यह प्रश्न भारी है कि नए जिलों के आधार पर सियासी चोंच लंबी नजर आएगी। कुछ हारे और नकारे नेताओं के लिए भी यह एक अवसर है जबकि इस बहाने कमजोर सियासत का लाव लश्कर जिलों के गठन में मसरूफ हो जाएगा। ऐसे में सोचना यह भी होगा कि हिमाचल के मसलों पर हमारी दृष्टि भी संकीर्ण है या एक विशेष प्रकार का तुष्टिकरण यहां ईजाद हो चुका है। हमारी बजटीय व्यवस्था भले ही खोखली हो, लेकिन वित्तीय प्रबंधन पर कोई विशेष उपचार नहीं। नए जिलों का गठन का एक व्यावहारिक पक्ष हो सकता है, लेकिन इनकी बुनियाद पर खेल रही राजनीति वर्षों से प्रयासरत है। पिछले कुछ सालों से बड़े जिलों के बजाय छोटे जिलों की सियासत प्रभावी रही, तो मानना पड़ेगा कि प्रदेश में नए क्षत्रप इस महत्त्वाकांक्षा में जी रहे हैं। कायदे से अगर पुनर्गठन करते हुए सियासी, भौगोलिक और सांस्कृतिक समानता विकसित करनी हो तो किन्नौर और लाहुल-स्पीति जिलों की एक-एक सीट के अलावा राज्य में ग्यारह अन्य जिले छह-छह विधानसभा क्षेत्रों तक सीमित करने होंगे। इस तरह प्रदेश में कुल तेरह जिले हो जाएंगे। इस फार्मूले से मंडी में कांगड़ा का कुछ भाग जा सकता है ताकि वहां दो जिले बनें, जबकि कांगड़ा की आबरू से एक और जिला बन सकता है। बिलासपुर और कुल्लू जिला इस तरह मौजूदा चार विधानसभा क्षेत्रों से बढ़ कर छह क्षेत्रों के हो जाएंगे।

चिंतन-मनन

उपाय भी ठीक हो

उपाय सम्यप् होना चाहिए। उपाय का बड़ा महत्व होता है। जहां समस्या आती है, आदमी उपाय खोजता है। समाधान तब तक नहीं होता, जब तक उपाय नहीं मिल जाए। उपाय स्वयं भी खोजा जा सकता है और उपाय खोजने के लिए गुरू की शरण या उस विषय को जानने वाले व्यक्ति की शरण भी ली जा सकती है। कोई संन्यासी था। भीड़ बहुत होती। सभी संन्यासी अपरिग्रही नहीं होते। कुछ संन्यासी बहुत परिग्रह भी रखते हैं। यह अपनी-अपनी परम्परा है। बड़ा आश्रम था। बहुत धन और बहुत लोगों की भीड़। वह परेशान हो गया। गुरू के पास जाकर बोला, गुरूदेव! और तो सब ठीक है, पर एक बड़ी समस्या है। भीड़ बहुत हो जाती है, इतने लोग आते हैं कि मैं अपनी साधना पूरी तरह नहीं कर पाता, समय नहीं मिलता। रात-दिन चप्र-सा चलता है। गुरू ने कहा, तुम एक काम करो, गरीब लोग आएं तो उनको कर्ज देना शुरू कर दो और जो धनवान लोग आएं। तो उनसे मांगना शुरू कर दो। उपाय हाथ में लग गया। उसने प्रयोग करना शुरू कर दिया-जो निर्धन आते, उन्हें कर्ज देना शुरू किया और धनी आते उनसे धन मांगना शुरू किया। पांच-दस दिन में भीड़ बिल्कुल छंट गई। क्योंकि जिन्होंने कर्ज लिया वे वापस किसलिए आते? सामने आना नहीं चाहते थे, क्योंकि वापस तो देना नहीं था- धनियों से मांगना शुरू किया तो उन लोगों ने सोचा कि अब तो जाना ठीक नहीं है। जाते ही पहले यह होगा कि लाओ-लाओ। भीड़ कम हो गई। उपाय ठीक मिलता है तो दोनों बातें हो जाती हैं। हमारे हाथ उपाय लगना चाहिए।

चीन-पाकिस्तान गठजोड़: भारत की सुरक्षा के लिए सामने नई चुनौती

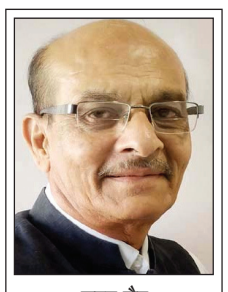

सनत जैन

भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के सामने चीन और पाकिस्तान का बढ़ता सैन्य एवं रणनीतिक गठजोड़ एक गंभीर चुनौती के रूप में उभर रहा है। दोनों देशों के बीच लंबे समय से राजनीतिक, आर्थिक और सैन्य संबंध रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में इन संबंधों का दायरा जिस तेजी से बढ़ा है, उसने दक्षिण एशिया के सामरिक समीकरणों को प्रभावित किया है। अब यह गठजोड़ केवल भारत-पाकिस्तान सीमा तक सीमित नहीं है। बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र और व्यापक अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में भी इसके प्रभाव दिखाई देने लगे हैं। चीन और पाकिस्तान की नजदीकी का सबसे महत्वपूर्ण पहलू सैन्य सहयोग है। पाकिस्तान अपनी रक्षा जरूरतों के लिए चीन पर काफी हद तक निर्भर है। लड़ाकू विमानों, मिसाइल प्रणालियों, नौसैनिक उपकरणों और रक्षा तकनीक के क्षेत्र में चीन की सरकार, भारत पर दबाव बढ़ाने के लिए पाकिस्तान की मदद कर रहा है। इसके अलावा दोनों देशों के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास और रक्षा उत्पादन से जुड़े समझौते भी इस सहयोग को मजबूत कर रहे हैं। इससे पाकिस्तान की सैन्य क्षमताओं में बड़ा बदलाव आया है। भारत के लिए अब अपनी सुरक्षा, व्यापारिक एवं भौगोलिक रणनीति की समीक्षा करना आवश्यक हो गया है। इस गठजोड़ की दूसरी महत्वपूर्ण कड़ी हिंद महासागर है। भारत के लिए हिंद महासागर केवल समुद्री व्यापार का मार्ग नहीं, बल्कि उसकी ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक गतिविधियों और सामरिक हितों का आधार भी है। चीन पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह और चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के माध्यम से अरब सागर में अपनी मौजूदगी बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। चीन की समुद्री गतिविधियों और क्षेत्रीय बंदरगाहों में बढ़ते निवेश को भारत के रणनीतिक हितों के संदर्भ में देखा जाना जरूरी है।

इस पूरे घटनाक्रम को केवल सैन्य खतरे के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। चीन भारत की आर्थिक निर्भरता को भी अपनी रणनीति का हिस्सा बना रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स, दवाइयों, बैटरी और औद्योगिक उत्पादन से जुड़े कई क्षेत्रों में भारत की चीनी आयात पर निर्भरता एक बड़ी चुनौती है। अमेरिकी आयोग की नवंबर 2026 की रिपोर्ट ने भी इस निर्भरता को भारत की आर्थिक और सामरिक कमजोरियों में शामिल किया है। सवाल यह है कि भारत इस बदलते परिदृश्य में अपनी स्थिति कैसे मजबूत करेगा? क्या केवल अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी बढ़ाने से चीन और पाकिस्तान की चुनौती का मुकाबला किया जा सकता है? इसका जवाब है, भारत को अपनी स्वतंत्र सामरिक क्षमता विकसित करनी होगी। रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता, आधुनिक तकनीक, साइबर सुरक्षा, खुफिया तंत्र और नौसेना की ताकत बढ़ाना समय की मांग है। जापान, फ्रांस, अमेरिका और अन्य मित्र देशों के साथ सहयोग और रिश्तो को मजबूत करना होगा। भारत को यह भी समझना होगा, अंतर्राष्ट्रीय संबंध स्थायी मित्रता से अधिक राष्ट्रीय हितों पर आधारित होते हैं। इसलिए किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता भारत के दीर्घकालिक हितों को बहुत बड़ा नुकसान हो सकता है। चीन के साथ बातचीत के रास्ते खुले रखने के साथ सीमा सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों पर किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। भारत इस मामले में अभी अलग-थलग पड़ गया है।

वास्तविक चुनौती चीन या पाकिस्तान के गठजोड़ से भयभीत होने की नहीं, बल्कि उसके मुकाबले अपनी आर्थिक, तकनीकी, कूटनीतिक और सैन्य शक्ति को मजबूत करने की है। भारत के पास विशाल बाजार, युवा आबादी, मजबूत लोकतांत्रिक संस्थाएं और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती भूमिका की महत्वपूर्ण क्षमताएं हैं। जरूरत इन क्षमताओं को ठोस राष्ट्रीय शक्ति में बदलने की जरूरत है। आखिरकार, भारत की सुरक्षा केवल सीमाओं पर तैनात सैनिकों और हथियारों से सुनिश्चित नहीं होगी। मजबूत अर्थव्यवस्था, आत्मनिर्भर रक्षा उद्योग, समुद्री शक्ति और दूरदर्शी विदेश नीति भी उतनी ही जरूरी हैं। पड़ोसी देशों के साथ अपने रिश्तों को भी भारत को बेहतर बनाना होगा। चीन-पाकिस्तान की बढ़ती नजदीकी भारत के लिए एक रणनीतिक चेतावनी है। इस चेतावनी को गंभीरता से लेते हुये भारत को अपनी विदेश नीति एवं दीर्घकालिक रणनीति को तैयार करना होगा। समय रहते यदि यह बदलाव नहीं किया गया तो आगे आने वाले सालों में भारत को काफी बड़ा नुकसान हर स्तर पर हो सकता है।

कौशल विकास से ही साकार होगा विकसित भारत का सपना



सौरभ वार्ष्णेय

भारत दुनिया के उन देशों में शामिल है, जहां युवाओं की बड़ी आबादी देश की सबसे महत्वपूर्ण ताकत मानी जाती है। लेकिन केवल युवा आबादी होने से कोई राष्ट्र विकसित नहीं बन सकता। इसके लिए जरूरी है कि युवाओं को शिक्षित करने के साथ-साथ उन्हें रोजगार के योग्य बनाया जाए और उनकी प्रतिभा को सही दिशा में विकसित किया जाए। आज जब दुनिया तेजी से तकनीकी बदलावों के दौर से गुजर रही है, तब कौशल विकास किसी भी देश की आर्थिक प्रगति, औद्योगिक विस्तार और आत्मनिर्भरता का महत्वपूर्ण आधार बन गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आयोजित पांचवें कौशल दीक्षांत समारोह में इसी विषय को केंद्र में रखते हुए कहा कि 21वीं सदी का भारत कौशल को सम्मान देकर ही आगे बढ़ सकता है। उनका यह संदेश केवल आईटीआई से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले युवाओं के लिए नहीं, बल्कि देश की पूरी शिक्षा और रोजगार व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है।

भारत में कौशल और कारीगरी की परंपरा सदियों पुरानी रही है। लखनऊ की चिकनकारी, बनारस की रेशमी साडियां, कश्मीर की पश्मीना, कांजीवरम सिल्क, मलमल, कलमकारी और धातु शिल्प जैसे पारंपरिक हुनर भारतीय संस्कृति और आर्थिक समृद्धि की पहचान रहे हैं। भारतीय कारीगरों की दक्षता का लोहा दुनिया मानती रही है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में गुजरात की वसावाया परंपरा का उल्लेख करते हुए बताया कि पुराने समय में गांव बसाने के साथ ही वहां जीवन की आवश्यकताओं को पूरा करने वाले कुशल कारीगरों को भी बसाया जाता था। इससे स्पष्ट होता है कि भारतीय समाज में कौशल और श्रम का महत्व कितना व्यापक था। लेकिन समय के साथ कौशल आधारित व्यवसायों की सामाजिक प्रतिष्ठा कम होती गई और डिग्री आधारित शिक्षा को सफलता का प्रमुख पैमाना मान लिया गया।

औपनिवेशिक शासन के दौरान विकसित हुई शिक्षा व्यवस्था ने भी इस मानसिकता को बढ़ावा दिया। व्यावहारिक ज्ञान और कारीगरी की अपेक्षा कार्यालयों में काम करने वाले कर्मचारियों को अधिक महत्व दिया जाने लगा। स्वतंत्रता के बाद भी लंबे समय तक इस सोच में अपेक्षित बदलाव नहीं आया। परिणामस्वरूप युवाओं में सामान्य डिग्री हासिल करने और सरकारी नौकरी पाने की प्रतिस्पर्धा बढ़ती गई, जबकि तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा को अपेक्षित महत्व नहीं मिल पाया। आज स्थिति यह है कि एक तरफ शिक्षित युवा रोजगार की तलाश में भटकते हैं और दूसरी तरफ उद्योगों को योग्य तकनीकी कर्मचारियों की कमी का सामना करना पड़ता है। यह विरोधाभास बताता है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था और रोजगार बाजार के बीच अभी भी बेहतर तालमेल की आवश्यकता है।

प्रधानमंत्री ने आईटीआई के विस्तार और कौशल प्रशिक्षण को आधुनिक बनाने के प्रयासों का उल्लेख किया। उनके अनुसार, पिछले एक दशक में लगभग पांच हजार नए आईटीआई स्थापित किए गए हैं और प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या में पांच लाख से अधिक की वृद्धि हुई है। विशेष रूप से लड़कियों की भागीदारी में ढाई गुना से अधिक वृद्धि तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती उपस्थिति को दर्शाती है। यह सकारात्मक बदलाव है, क्योंकि देश के औद्योगिक और तकनीकी विकास में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना समय की जरूरत है।

आज रोजगार का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा, ड्रोन तकनीक, ग्रीन हाइड्रोजन, औद्योगिक रोबोटिक्स, इलेक्ट्रिक वाहन और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्र भविष्य की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे रहे हैं। ऐसे में आईटीआई के पाठ्यक्रमों में इन आधुनिक ट्रेडों को शामिल करना महत्वपूर्ण कदम है। अब तकनीकी प्रशिक्षण केवल पारंपरिक मशीनों के संचालन तक सीमित नहीं रह सकता। युवाओं को नई तकनीकों के इस्तेमाल, उनकी मरम्मत, रखरखाव और विकास से जुड़ा ज्ञान भी देना होगा। प्रधानमंत्री ने पीएम-सेतु योजना के तहत 60 हजार करोड़ रुपये के निवेश का उल्लेख करते हुए प्रशिक्षण संस्थानों को आधुनिक बनाने और उद्योगों से जोडने की आवश्यकता पर बल दिया है।

हालांकि, कौशल विकास की सफलता केवल नए संस्थान खोलने और नए पाठ्यक्रम शुरू करने से सुनिश्चित नहीं होगी। इसके लिए प्रशिक्षण की गुणवत्ता, आधुनिक प्रयोगशालाएं, योग्य प्रशिक्षक और उद्योगों के साथ व्यावहारिक तालमेल भी जरूरी है। आईटीआई से निकलने वाले युवाओं को वास्तविक औद्योगिक परिस्थितियों में काम करने का अनुभव मिलना चाहिए। अप्रेंटिसशिप और उद्योग आधारित प्रशिक्षण को बढ़ावा देना होगा, ताकि प्रशिक्षण पूरा करने के बाद युवाओं को रोजगार के लिए भटकना न पड़े। साथ ही समय-समय पर पाठ्यक्रमों की समीक्षा करके उन्हें बाजार की जरूरतों के अनुरूप बनाना भी आवश्यक है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑटोमेशन के बढ़ते प्रभाव को लेकर युवाओं में रोजगार समाप्त होने की आशंकाएं भी दिखाई देती हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि नई तकनीक कई पारंपरिक कार्यों का स्वरूप बदल रही है, लेकिन इसके साथ नए व्यवसाय और रोजगार के अवसर भी पैदा हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कोविड महामारी का उदाहरण देते हुए बताया कि संकट के समय कुशल श्रमिकों ने महत्वपूर्ण सेवाओं को जारी रखने में बड़ी भूमिका निभाई थी। उनका यह संदेश कि हुनरमंद व्यक्ति के लिए अवसरों की कमी नहीं होती, युवाओं को लगातार सीखने और अपनी दक्षता बढ़ाने की प्रेरणा देता है। आने वाले समय में वही युवा आगे बढ़ सकेंगे, जो तकनीकी बदलावों के अनुरूप स्वयं को तैयार रखेंगे।

देश में बुनियादी ढांचे के तेजी से विस्तार ने भी कुशल श्रमिकों की मांग बढ़ाई है। आवास निर्माण, सड़क, एक्सप्रेसवे, बिजली, जलापूर्ति और औद्योगिक परियोजनाओं में इलेक्ट्रीशियन, प्लंबर, बढ़ई, राजमिस्त्री और तकनीकी कर्मचारियों की आवश्यकता होती है। प्रधानमंत्री ने पीएनजी कनेक्शन बढ़ाने के अभियान के दौरान प्लंबरों की कमी का उदाहरण देकर यह स्पष्ट किया कि विकास योजनाओं को जमीन पर उतारने के लिए प्रशिक्षित कामगारों की कितनी जरूरत है। इसी तरह सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी निर्माण और खेल उपकरण उद्योग में भी कुशल युवाओं के लिए नए अवसर विकसित हो रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में भी कौशल विकास की संभावनाएं व्यापक हैं। राज्य में एक्सप्रेसवे, औद्योगिक गलियारों, मोबाइल निर्माण इकाइयों, रक्षा उत्पादन और पर्यटन क्षेत्र का विस्तार हो रहा है। इन परियोजनाओं में स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित करके रोजगार उपलब्ध कराना राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती दे सकता है। प्रधानमंत्री ने वर्ष 2027 में ग्रेटर नोएडा में वर्ल्डस्किल्स एशिया प्रतियोगिता आयोजित किए जाने की घोषणा की है। यह आयोजन उत्तर प्रदेश और भारत के युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करेगा। इसके साथ ही राज्य में कौशल प्रशिक्षण और व्यावसायिक शिक्षा के प्रति जागरूकता भी बढ़ सकती है।

कौशल विकास का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाना भी उतना ही जरूरी है। कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, डेयरी, मत्स्य पालन, कृषि मशीनरी, हस्तशिल्प और ग्रामीण उद्योगों से जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रम गांवों के युवाओं के लिए रोजगार के नए रास्ते खोल सकते हैं। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और रोजगार की तलाश में शहरों की ओर पलायन का दबाव भी कम किया जा सकेगा। विशेष रूप से छोटे कस्बों और पिछड़े जिलों में गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण संस्थानों का विस्तार करना आवश्यक है।

इसके साथ ही कौशल प्राप्त युवाओं को उचित वेतन, सुरक्षित कार्यस्थल और सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराना भी जरूरी है। केवल प्रमाणपत्र देकर युवाओं को रोजगार के बाजार में छोड़ देना पर्याप्त नहीं है। असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले अनेक कुशल श्रमिक आज भी कम पारिश्रमिक और अस्थिर रोजगार की समस्या से जूझ रहे हैं। यदि देश को वास्तव में कौशल आधारित अर्थव्यवस्था बनाना है तो श्रम का सम्मान और श्रमिकों की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी। समाज की सोच में भी बदलाव लाना होगा, ताकि किसी तकनीकी काम को छोटा न समझा जाए।

कौशल विकास के साथ स्वरोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देना भी महत्वपूर्ण है। हर युवा को नौकरी देना संभव नहीं है, लेकिन प्रत्येक युवा को ऐसा हुनर दिया जा सकता है, जिसके आधार पर वह अपना व्यवसाय शुरू कर सके। इसके लिए आसान ऋण, बाजार तक पहुंच, आधुनिक तकनीक और सरकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना होगा। छोटे उद्योगों और स्थानीय उत्पादन इकाइयों को प्रोत्साहित करके युवाओं को रोजगार देने वाला उद्यमी बनाया जा सकता है। विकसित भारत का सपना केवल बड़े उद्योगों, आधुनिक शहरों और विशाल परियोजनाओं से पूरा नहीं होगा। इसके लिए देश के करोड़ों युवाओं को शिक्षित, प्रशिक्षित, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाना होगा। डिग्री के साथ हुनर, शिक्षा के साथ व्यावहारिक ज्ञान और प्रशिक्षण के साथ सम्मानजनक रोजगार की व्यवस्था ही भारत को आर्थिक रूप से मजबूत बना सकती है। लखनऊ के कौशल दीक्षांत समारोह से निकला संदेश भी यही है कि देश की वास्तविक ताकत उसके कुशल हाथों और मेहनतकश युवाओं में छिपी है।

संक्षिप्त समाचार

चीन को पुराने चिप्स की बिक्री पर नहीं लगेंगे नए प्रतिबंध, अमेरिकी वित्त मंत्री दे दिया बड़ा बयान

बीजिंग, एजेंसी। वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार और अमेरिका-चीन तकनीकी टकराव के बीच अमेरिकी सरकार ने एक बड़ा नीतिगत फैसला लिया है। अमेरिकी वित्त मंत्री (ट्रेजरी सेक्रेटरी) स्कॉट बेसेंट ने साफ किया है कि चीन को एनवीडिया के पुराने चिप्स बेचने पर अब और नए प्रतिबंध लगाने की जरूरत नहीं है। यह बयान ट्रंप प्रशासन की की ओर से चीन की नवीनतम सेमीकंडक्टर्स तक रिमोट एक्सेस (पहुंच) को रोकने के फैसले के ठीक बाद आया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ एशिया दौरे से लौटने के बाद शुक्रवार को सीएनबीसी (सीएनबीसी) को दिए एक साक्षात्कार में स्कॉट बेसेंट ने कहा कि चिप निर्यात को लेकर जरूरी और उचित पाबंदियां पहले से लागू हैं। बेसेंट के मुताबिक, चीनी कंपनियों की अत्याधुनिक चिप्स तक रिमोट पहुंच को प्रभावी ढंग से सीमित कर दिया गया है। उन्होंने रेखांकित किया कि मौजूदा नियमों के तहत पुराने सेमीकंडक्टर्स पर अतिरिक्त रोक लगाने की दरकार नहीं है। एनवीडिया की तकनीक तक चीनी कंपनियों की पहुंच उस समय गंभीर जांच के दायरे में आ गई, जब कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेन्सन हुआंग ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। हुआंग पर सिंगापुर की कंपनी मेगास्पीड की एक कार्यकारी के साथ कथित संबंधों के आरोप लगे थे।

पेरू में 6.9 तीव्रता का आया भूकंप, राजधानी लीमा तक लगे झटके, प्रशांत रिंग ऑफ फायर क्षेत्र में कांपी धरती

लीमा, एजेंसी। मध्य पेरू के एंडीज क्षेत्र में शुक्रवार को 6.9 तीव्रता का भूकंप आया। तत्काल किसी नुकसान या हताहत की कोई खबर नहीं है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप स्थानीय समय के अनुसार शाम 7:09 बजे आया। इसका केंद्र जुनिन से 34 किलोमीटर उत्तर में एंडीज में था। भूकंप की गहराई 108 किलोमीटर दर्ज की गई। पेरू के भूभौतिकीय संस्थान ने भी किसी नुकसान या हताहत की सूचना नहीं दी। पेरू के जियोफिजिकल इंस्टीट्यूट ने बताया कि किसी तरह के नुकसान या लोगों के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। भूकंप के केंद्र के पास स्थित कारहुआमायो के मेयर, अब्देल वेगा ने भी एक स्थानीय टेलीविजन स्टेशन को बताया कि किसी के घायल होने या संपत्ति के नुकसान की कोई खबर नहीं है। पेरू की राजधानी में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे लोग सड़कों पर निकल आए। पेरू रिंग ऑफ फायर पर स्थित है, जहां दुनिया के अधिकांश भूकंप आते हैं। अगस्त में पेरू के एंडीज में 6.7 तीव्रता के भूकंप से दो लोग घायल हुए थे। जुलाई में जुनिन क्षेत्र में 5.5 तीव्रता के भूकंप से छह लोगों की मौत और 30 लोग घायल हुए थे।

परमाणु हथियारों की होड़: ट्रंप बोले- चीन तेजी से बढ़ा रहा अपना जखीरा, शी-पुतिन से मुलाकात के बाद जताई चिंता

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि चीन तेजी से परमाणु हथियार बना रहा है। उन्होंने इसे तेज और भारी विस्तार बताया है। यह टिप्पणी उन्होंने चीनी नेता शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के एक दिन बाद की। तीनों देशों ने परमाणु अप्रसार रोकने पर बातचीत के लिए सहमति जताई है। यह बैठक गुरुवार को दक्षिणी चीनी शहर शेन्जन में हुई थी। रूस और अमेरिका के पास हजारों परमाणु हथियार हैं। वे दुनिया में इस मामले में सबसे आगे हैं। वहीं चीन अपने परमाणु जखीरे का तेजी से विस्तार कर रहा है। पेंटागन ने चीन के सैन्य विस्तार की अपनी वार्षिक रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन के परमाणु हथियारों का भंडार 2024 तक 600 से कम रहा। हालांकि, देश 2030 तक 1,000 से अधिक परमाणु हथियार रखने की राह पर है। ट्रंप ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में एक समाचार सम्मेलन में यह बात कही। उन्होंने चीन के परमाणु विस्तार पर टिप्पणी करते हुए कहा, वे 10 साल के भीतर हमें पकड़ लेंगे। उन्होंने आगे कहा कि चीन इस पर तेज और भारी गति से काम कर रहा है। ट्रंप की ये सार्वजनिक टिप्पणियां उनकी विवादित शिखर बैठक के बाद पहली थीं। इस बैठक में अमेरिका के लंबे समय से प्रतिद्वंद्वी माने जाने वाले देशों के नेता शामिल थे। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शुक्रवार को ट्रंप के साथ पत्रकारों से बात की। रुबियो ने जोर दिया, इन तीनों देशों के पास इस ग्रह पर परमाणु हथियारों का भारी बहुमत है। उन्होंने कहा कि इन तीनों नेताओं का नियमित रूप से बातचीत न करना सिर्फ बेतुका नहीं, बल्कि खतरनाक है।

एपस्टीन को क्यों पसंद थीं रूसी महिलाएं: पुतिन से मिलने का सपना, सत्ता के गलियारों तक पहुंचने का भी था इरादा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी फाइनेंसर जेफरी एपस्टीन की कहानी सिर्फ यौन शोषण और मानव तस्करी तक सीमित नहीं थी। वह दुनिया के अमीर और प्रभावशाली लोगों के बीच अपनी पहचान बनाना चाहता था। रूस के साथ उसका रिश्ता भी इसी कोशिश का हिस्सा था। शुरुआत रूसी मॉडल्स और युवा महिलाओं से हुई, लेकिन धीरे-धीरे उसकी दिलचस्पी वहां के अरबपतियों, कारोबारियों और सरकारी अधिकारियों तक पहुंच बनाने में बढ़ती गई। यहां तक कि वह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की कोशिश भी करता रहा।

रॉयटर्स की पड़ताल के मुताबिक, रूस के प्रति एपस्टीन की दिलचस्पी के पीछे महिलाओं तक पहुंच, ताकतवर लोगों से संपर्क और अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा दोबारा हासिल करने की कोशिश जैसे पहलू थे।

रूस से एपस्टीन की दिलचस्पी कैसे शुरू हुई : 1989 में बर्लिन की दीवार गिरने और सोवियत संघ के खुलने के बाद पश्चिमी देशों की मॉडलिंग एजेंसियों की नजर पूर्वी यूरोप और रूस की युवा प्रतिभाओं पर पड़ी। उस दौर में कई मॉडलिंग एजेंट नए चेहरों की तलाश में रूस और आसपास के देशों में पहुंच रहे थे। इसी नेटवर्क में फ्रांस के मॉडलिंग एजेंट जीन-ल्यूक ब्रूनेल भी शामिल थे। वह पेरिस की मॉडलिंग एजेंसी करिन मॉडल्स के लिए काम करते थे। उनका काम पूर्वी यूरोप और पूर्व सोवियत संघ से लड़कियों और युवतियों को

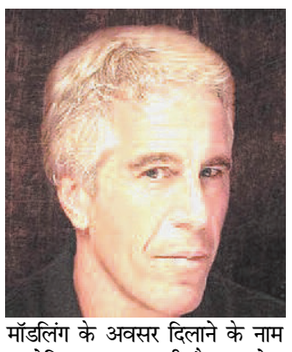

मॉडलिंग के अवसर दिलाने के नाम पर पेरिस लाना था। इसी दौरान ब्रूनेल के जरिए एपस्टीन की मॉडलिंग की दुनिया में पहुंच बढ़ी। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, कम उम्र की लड़कियों को मॉडलिंग और बेहतर करियर का सपना दिखाकर उसके संपर्क में लाया जाता था। 1991 में पेरिस में ब्रूनेल के एक कार्यक्रम में शामिल हुई पूर्व मॉडल थिसिया हुइसमैन ने एक रूसी लड़की को एपस्टीन के साथ बैठे देखा था। उनके मुताबिक, लड़की काफी कम उम्र की लग रही थी और उसने बताया था कि ब्रूनेल उसे सुपरमॉडल बनाने का वादा करके पेरिस लाए थे।

मॉडलिंग का नेटवर्क शोषण का जरिया कैसे बना : एपस्टीन का रूस से जुड़ाव सिर्फ मॉडल्स से मुलाकात तक सीमित नहीं रहा। धीरे-धीरे मॉडलिंग एजेंसियां उसके लिए महिलाओं और लड़कियों तक पहुंच बनाने का माध्यम बनती गईं। रॉयटर्स की जांच में पूर्व सोवियत संघ की कम से कम 17 ऐसी महिलाओं की पहचान हुई, जिन्हें एपस्टीन के यौन शोषण और मानव तस्करी के नेटवर्क में लाया गया था। 2003 में ब्रूनेल ने मियामी में करिन मॉडल्स ऑफ अमेरिका नाम से मॉडलिंग एजेंसी शुरू की। दो साल बाद इसका नाम बदलकर स्ष्ट2 मॉडल्स मैनेजमेंट कर दिया गया। ब्रूनेल ने फ्रांसीसी जांचकर्ताओं को बताया था कि एपस्टीन ने इस एजेंसी को 3 लाख डॉलर के कर्ज की गारंटी दी थी। रूस से मॉडल्स की भर्ती करती थी। एजेंसी उन्हें अमेरिका जाने के लिए जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराने में मदद करती थी, जबकि एपस्टीन उनके रहने के लिए अपार्टमेंट की व्यवस्था करता था। इस व्यवस्था का एक उदाहरण स्वेतलाना पॉझिदायेवा हैं। उन्होंने रॉयटर्स को बताया कि 2008 में पेरिस में उनकी मुलाकात एपस्टीन से हुई थी। उसने उन्हें विक्टोरिया सीक्रेट में मॉडलिंग का अवसर दिलाने का वादा किया था। अगले साल वह अमेरिका पहुंचीं और MCw से जुड़ गईं। बाद में वह एपस्टीन की निजी सहायक भी बनीं। उनके मुताबिक, एपस्टीन उनका यौन शोषण करता था। उन्होंने बताया कि उनका वीजा एजेंसी के जरिए था, रहने की व्यवस्था एपस्टीन करता था और उनके खर्चों को कर्ज के रूप में दर्ज किया जाता था। इससे उनके लिए उस माहौल से बाहर निकलना मुश्किल हो गया था।

रूसी अरबपतियों से दोस्ती क्यों चाहता था एपस्टीन : 2008 में नाबालिग लड़की से जुड़े यौन अपराध सहित वेश्यावृत्ति के आरोपों में दोष स्वीकार करने के बाद एपस्टीन को 13 महीने जेल में रहना पड़ा था। इसके बाद उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा को बड़ा झटका लगा। रॉयटर्स के मुताबिक, इसी दौर में उसने रूसी अरबपतियों और प्रभावशाली लोगों से संपर्क बढ़ाने की कोशिश की। वह खुद को वित्तीय मामलों का विशेषज्ञ बताता था और अमीर कारोबारियों को निवेश संबंधी सलाह देने की पेशकश करता था। इनमें रूसी रियल एस्टेट कारोबारी व्लादिस्लाव डोरोनिन भी शामिल थे। 2010 में डोरोनिन के कार्यालय ने एपस्टीन को मॉस्को के एक चैरिटी कार्यक्रम में आमंत्रित किया था। बाद में दोनों ने न्यूयॉर्क में डिनर किया और मॉस्को की एक बड़ी रियल एस्टेट परियोजना पर चर्चा भी की। एपस्टीन ने धातु उद्योग के अरबपति ओलेग डेरिपास्का से भी संपर्क बनाने की कोशिश की। हालांकि, दोनों की मुलाकात हुई थी या नहीं, इसकी पुष्टि नहीं हो सकी। रूस में एपस्टीन की दिलचस्पी का सबसे अहम पहलू पुतिन तक पहुंच बनाना था। सितंबर 2011 में वह रूस की यात्रा की योजना बना रहा था। उसके ईमेल में मॉडलिंग एजेंट और एक वैज्ञानिक अकादमी से मुलाकात का जिक्र था। एक कर्मचारी ने बताया था कि उसके रूसी बॉडीगार्ड के अनुसार, एपस्टीन की पुतिन से मुलाकात भी तय थी। हालांकि, बाद में यात्रा रद्द हो गई और मुलाकात होने का कोई प्रमाण नहीं मिला।

ईरान युद्ध पर डोनाल्ड ट्रंप को मिली बड़ी राहत, सीनेट ने सेना की वापसी से जुड़े प्रस्ताव को किया खारिज

वॉशिंगटन, एजेंसी। 3 नवंबर के मध्यावधि चुनावों के बाद युद्ध पर हुए अपने पहले मतदान में, अमेरिकी सीनेट ने हाउस (प्रतिनिधि सभा) ने पारित एक प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। इस प्रस्ताव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान के साथ चल रहे संघर्ष से अमेरिकी सेनाओं को वापस बुलाने का निर्देश दिया गया था। सीनेट के आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, गुरुवार को यह प्रस्ताव 48-51 के अंतर से गिर गया। इसके खारिज होने के साथ ही सीनेट में यह प्रस्ताव समाप्त हो गया है। तीन रिपब्लिकन सदस्यों - मेन की सुसान कोलिन्स, अलास्का की लिसा मुर्कोव्स्की और केंटकी के रैंड पॉल - ने डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर इस प्रस्ताव के पक्ष में वोट दिया। पेंसिल्वेनिया के डेमोक्रेट जॉन फेटरमैन ने इसके खिलाफ वोट किया। कनेक्टिकट के डेमोक्रेट क्रिस मर्फी ने मतदान नहीं किया और सदन में उन्हें अनिवार्य रूप से अनुपस्थित घोषित किया गया। नॉर्थ कैरोलिना के रिपब्लिकन थॉम टिलिस, जिन्होंने सितंबर में इसी तरह के एक प्रस्ताव का समर्थन किया था। उसने इस बार इसके खिलाफ वोट दिया। इससे पहले वाला प्रस्ताव, 24 सितंबर को 49-50 के अंतर से गिर गया था। सीनेटर एडम शिफ के कार्यालय ने बताया कि गुरुवार को हुआ मतदान युद्ध शक्तियों के प्रस्ताव के जरिए युद्ध को खत्म करने के लिए सीनेट का 15वां वोट था। रोल कॉल रिकॉर्ड के अनुसार, सीनेट ने 23 जून को 50-48 के अंतर से ऐसा ही एक प्रस्ताव पारित किया था।

मैसाचुसेट्स के डेमोक्रेटिक प्रतिनिधि सेठ मौल्टन ने 28 अप्रैल को पेश किया था। 15 सितंबर को हाउस ने 220-204 के अंतर से इसे मंजूरी दे दी। इस प्रस्ताव में 1973 के युद्ध शक्तियों के प्रस्ताव की धारा 5(ष) का हवाला दिया गया था। एक समवर्ती प्रस्ताव होने के नाते, इसे हस्ताक्षर के लिए राष्ट्रपति के पास भेजने की आवश्यकता नहीं थी।

डेमोक्रेटिक सीनेटर टिमकेन ने क्या कहा : बहस के दौरान, वर्जीनिया के डेमोक्रेटिक सीनेटर टिमकेन ने अपने साथियों से कहा, वही करें जिसकी मांग संविधान करता है, जिसकी मांग हमारी जनता करती है और वह है इस अवैध युद्ध को खत्म करना। कांग्रेसनल रिकॉर्ड के अनुसार, केन ने कहा, अमेरिकी जनता इससे तंग आ चुकी है। लेकिन हम, यहां सीनेट में, इसे ठीक करने की क्षमता रखते हैं। यह वोट देना कि यह युद्ध अवैध है, इसी दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। विस्कॉन्सिन की डेमोक्रेटिक सीनेटर टैमी बाल्डविन ने सदन में कहा कि इस युद्ध की वजह से करदाताओं के कम से कम 47 अरब डॉलर खर्च हुए हैं और 23 अमेरिकियों ने अपनी जान गंवाई है।

सिर्फ मौजूदा हालात से बचने के लिए डील नहीं, अराघची ने अमेरिका को दिया संदेश, कहा- पहले दे सुरक्षा की गारंटी

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने गुरुवार (स्थानीय समय) को कहा कि तेहरान केवल मौजूदा गतिरोध को खत्म करने के लिए वाशिंगटन के साथ कोई समझौता स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी समझौते में ईरान के राष्ट्रीय हितों की रक्षा होनी चाहिए और भविष्य में फिर से संघर्ष न होने का आश्वासन मिलना चाहिए। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के सरकारी अखबार को दिए एक साक्षात्कार में अराघची ने कहा कि तेहरान मौजूदा न युद्ध, न शांति वाली स्थिति में बने रहने के बजाय एक अच्छा, सम्मानजनक और स्थायी समझौता चाहता है। वाशिंगटन के साथ किसी भी संभावित समझौते के टिकाऊपन पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा, आज कोई समझौता करने का क्या फायदा, अगर दो महीने बाद ही उसका उल्लंघन हो जाए और फिर से युद्ध शुरू हो जाए किसी भी तरह का समझौता स्वीकार नहीं करेगा अराघची ने बताया कि जून में हुए संघर्ष-विराम समझौते के महज 15 दिन बाद ही लड़ाई फिर से शुरू हो गई थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि तेहरान केवल मौजूदा स्थिति से बचने के लिए किसी भी तरह का समझौता स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने कहा, सिर्फ मौजूदा हालात से बचने के लिए हर समझौता स्वीकार करने लायक नहीं होता।

ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि कोई भी समझौता ऐसा होना चाहिए जो एक और युद्ध को रोके, और इसमें ऐसी कोई रियायत नहीं होनी चाहिए जिसे वाशिंगटन अपनी जीत के रूप में पेश कर सके। परमाणु मुद्दे पर, अराघची ने कहा कि ईरान 60 प्रतिशत तक संवर्धित यूरेनियम के अपने भंडार को लेकर बातचीत के जरिए समाधान निकालने के लिए तैयार है, लेकिन उन्होंने इस सामग्री को देश के बाहर भेजने की संभावना को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि ईरान के परमाणु संवर्धन पर एक उचित फॉर्मूला निकाला जा सकता है, लेकिन साथ ही जोर दिया कि इस मुद्दे को अन्य मांगों से अलग करके नहीं देखा जा सकता। इसे एक व्यापक समझौते का हिस्सा होना चाहिए, जो ईरान के राष्ट्रीय हितों की रक्षा करे।

लॉरेंस के करीबी गोल्डी पर यूएस ने कसा शिकंजा, एफबीआई ने घोषित किया मोस्ट वांटेड भगोड़ा, रखा 9 करोड़ का इनाम

वाशिंगटन, एजेंसी। गैंगस्टर गोल्डी बराड़ की तलाश में अमेरिका और कनाडा की जांच एजेंसियों ने शिकंजा कस दिया है। अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआ ने उसे अपनी टॉप 10 मोस्ट वांटेड भगोड़े की सूची में शामिल किया है। वहीं, कनाडा ने भी हाल ही में उसे देश के 25 सबसे वांछित भगोड़ों की सूची में शीर्ष स्थान पर रखा है। एफबीआई ने गोल्डी बराड़ की सूचना देने वाले को 10 लाख अमेरिकी डॉलर (9.26 करोड़ रुपये) तक का इनाम देने की घोषणा की है। वहीं, कनाडा में उसकी गिरफ्तारी से जुड़ी जानकारी देने पर 2.5 लाख कनाडाई डॉलर तक का इनाम घोषित किया गया है।

एफबीआई ने 28 सितंबर 2026 को सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ को अपनी मोस्ट



वांटेड सूची में शामिल किया था। वह इस सूची में शामिल होने वाला 543वां भगोड़ा है। अमेरिकी एजेंसी के मुताबिक, बराड़ लॉरेंस बिश्नोई संगठित अपराध गिरोह का उत्तरी अमेरिका में कथित प्रमुख है। इस गिरोह पर अमेरिका और कनाडा में कई हिंसक अपराधों में शामिल होने के आरोप हैं। एफबीआई के अनुसार, इन अपराधों में राजनीतिक और धार्मिक हस्तियों की लक्षित हत्याएं, गोलीबारी, हत्या, अपहरण, जबरन वसूली, हमले और मादक पदार्थों व हथियारों की तस्करी शामिल हैं। अमेरिकी एजेंसी ने बराड़ को बेहद खतरनाक और हथियारबंद बताया है। अमेरिका में किन मामलों में गोल्डी पर केस दर्ज एफबीआई के मुताबिक, गोल्डी बराड़ के खिलाफ अमेरिका की संघीय अदालत में कई गंभीर आरोप दर्ज हैं। इनमें संगठित अपराध गिरोह चलाने की साजिश, जबरन वसूली के लिए साजिश और मादक पदार्थों के वितरण की साजिश शामिल है। अमेरिकी जांच एजेंसी ने बताया कि सात जुलाई 2026 को ऑपरेशन हार्डबॉल के तहत तीन अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध गिरोहों से जुड़े 37 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किए गए थे। इनमें लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ से जुड़े गिरोह के सदस्य भी शामिल हैं। एफबीआई के अनुसार, बिश्नोई गिरोह का नेटवर्क कई देशों में फैला हुआ है। इस गिरोह पर अमेरिका में भी हिंसक गतिविधियों, जबरन वसूली और मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल होने के आरोप हैं। कनाडा ने टॉप-25 वांछितों की सूची में पहले स्थान पर क्यों रखा इससे पहले 19 नवंबर को कनाडा के बोलो प्रोग्राम ने देश के 25 सबसे वांछित भगोड़ों की नई सूची जारी की थी। इसमें गोल्डी बराड़ को पहले स्थान पर रखा गया। कनाडा के विनिपेग पुलिस विभाग ने उसकी गिरफ्तारी में मददगार सूचना देने वाले को 2.5 लाख कनाडाई डॉलर तक का इनाम देने की घोषणा की है। यह इनाम कनाडा या अमेरिका में उसकी गिरफ्तारी से जुड़ी जानकारी देने पर मिलेगा। इसकी समयसीमा दो नवंबर 2027 तक है।

यूएनएससी में गतिरोध बरकरार- अगले महासचिव के नाम पर नहीं बनी बात, जानें क्या बात बन रही बाधा

अल्बानी, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में नए महासचिव के चुनाव को लेकर गतिरोध जारी है। कार्यभार संभालने में अब सिर्फ 40 दिन बचे हैं। लेकिन एंटोनियो गुटेरेस के उत्तराधिकारी के नाम पर अभी तक सहमति नहीं बन पाई है। वर्तमान महासचिव एंटोनियो गुटेरेस का कार्यकाल 31 दिसंबर को समाप्त हो रहा है।

उससे पहले नए महासचिव के नाम को अंतिम रूप देने के लिए सुरक्षा परिषद ने गुप्त मतदान और अनौपचारिक परामर्श की प्रक्रिया आगे बढ़ानी होगी। शुक्रवार को काउंसिल के अनौपचारिक मतदान में यूएनसीटीएडी प्रमुख रेबेका ग्रिनस्पैन सबसे आगे थीं, लेकिन उन्हें वीटो का अधिकार रखने



वाले दो स्थायी सदस्यों के विरोध का सामना करना पड़ा, जो उनके चुनाव में एक बाधा बन गया। कुल मिलाकर, कोस्टा रिका की रहने वालीं ग्रिनस्पैन को दस सकारात्मक वोट मिले। वह आठ उम्मीदवारों में अकेली ऐसी थीं, जिन्होंने नौ वोटों की जरूरी सीमा को पार किया। यह नौवां गुप्त मतदान था, जिसमें स्थायी सदस्यों की पहचान करने के लिए अलग-अलग रंगों वाले मतपत्रों का इस्तेमाल किया गया था। हालांकि गुयाना की पूर्व विदेश मंत्री कैरोलिन रोड्रिग्स-बर्किट चौथे स्थान पर रहीं, लेकिन उन्हें स्थायी सदस्यों की ओर से केवल दो नकारात्मक वोट मिले, जबकि कुल मिलाकर उन्हें छह सकारात्मक वोट प्राप्त हुए। अर्जेंटीना से ताल्लुक रखने वाले इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख आठ सकारात्मक और तीन नकारात्मक वोटों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। संयुक्त अरब अमीरात की राज्य मंत्री लाना नुसैबेह सात सकारात्मक वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं, लेकिन उन्हें भी स्थायी सदस्यों से तीन नकारात्मक वोट मिले। अमेरिका के स्थायी प्रतिनिधि माइक वाल्ट्ज ने उन उम्मीदवारों से दौड़ से बाहर होने को कहा, जिन्हें बहुत कम समर्थन मिल रहा है। मतदान से पहले उन्होंने कहा, अगर उन्हें पर्याप्त समर्थन नहीं मिल रहा है, तो शायद अब समय आ गया है कि वे पीछे हट जाएं, ताकि काउंसिल उन उम्मीदवारों पर विचार कर सके जिन्हें कुछ हद तक समर्थन मिल रहा है। चूंकि यह मतदान गुप्त था, इसलिए यह पता नहीं चल सका कि किन स्थायी सदस्यों ने नकारात्मक वोट दिए। लैटिन अमेरिका और कैरेबियन देशों ने मांग की है कि अगला महासचिव इसी क्षेत्र से होना चाहिए। 1991 में जेवियर पेरेज डी कुएलर का कार्यकाल खत्म होने के बाद से, इस क्षेत्र के किसी भी व्यक्ति ने यह पद नहीं संभाला है। उस बात को 35 साल बीत चुके हैं।

अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाया तो खैर नहीं, एफबीआई चीफ की साइबर अपराधियों को दो टूक

वाशिंटन, एजेंसी। अमेरिकी वित्तीय और कॉर्पोरेट तंत्र पर बढ़ते साइबर हमलों और तकनीकी रुकावटों के बीच सुरक्षा एजेंसियों ने आक्रामक रुख अपना लिया है। फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) के निदेशक काश पटेल ने अमेरिकी नागरिकों और व्यवसायों को निशाना बनाने वाले साइबर अपराधियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा है कि उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में एफबीआई ने साइबर खतरों के खिलाफ वैश्विक स्तर पर ऑपरेशन विंटर शील्ड शुरू करने का एलान किया है।

क्या है एफबीआई का ऑपरेशन विंटर शील्ड : एफबीआई निदेशक काश पटेल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि ऑपरेशन विंटर शील्ड का मकसद देश के साइबर डिफेंस को मजबूत करना और अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के सहयोग से व्यापारिक प्रतिष्ठानों, सरकारी प्रणालियों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा करना है। पटेल ने कहा, ÷राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में एफबीआई दुनिया भर के साइबर अपराधियों के खिलाफ सीधी कार्रवाई कर रही है। हमारा संदेश बिल्कुल साफ है- यदि आप अमेरिकी लोगों को निशाना बनाएंगे, तो कानून आपको ढूंढ निकालेगा। साइबर नीति के शीर्ष नेतृत्व में क्या बदलाव हुए हैं साइबर सुरक्षा को लेकर यह अमेरिका का यह आक्रामक रुख ऐसे समय में सामने आया है जब ट्रंप प्रशासन ने अपने साइबर सुरक्षा नेतृत्व में बड़ा फेरबदल किया है।

नई नियुक्ति- व्हाइट हाउस ने कर्स्टन ए. डेविस को ऑफिस ऑफ द नेशनल साइबर डायरेक्टर का कार्यवाहक प्रमुख नियुक्त किया है। स्थायी पद के लिए अमेरिकी सीनेट की मंजूरी जरूरी होने के कारण डेविस फिलहाल कार्यवाहक रूप में जिम्मेदारी संभालेंगी।

पूर्व निदेशक का कार्यकाल : डेविस ने सीन केर्नक्रॉस का स्थान लिया है, जो अगस्त 2025 से संघीय साइबर सुरक्षा नीति और रणनीति की देखरेख कर रहे थे।

प्रशासनिक प्रतिक्रिया : अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने डेविस की नियुक्ति का स्वागत करते हुए सोशल मीडिया पर कहा कि वह अमेरिका की साइबर सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए मिलकर काम करने को उत्सुक हैं।

जेपी मॉर्गन चेस के ग्राहकों का डेटा कैसे हुआ प्रभावित : अमेरिकी वित्तीय क्षेत्र में साइबर लचीलेपन (साइबर रेजिलिएंस) को लेकर चिंताएं उस वक्त और बढ़ गईं जब देश के सबसे बड़े बैंकों में शामिल जेपी मॉर्गन चेस ने अपने तीसरे पक्ष के सेवा प्रदाताओं (थर्ड-पार्टी वेंडर्स) पर साइबर हमले का खुलासा किया। इस हमले में बैंक के लगभग 16,000 सबसे धनी ग्राहकों की व्यक्तिगत जानकारी प्रभावित होने की आशंका है। यह लीक बैंक के विशेष रिजर्व प्रोग्राम से जुड़ा हुआ प्रतीत होता है, जो निमंत्रण-आधारित वीजा क्रेडिट कार्ड है और जिसके लिए आम तौर पर प्रबंधन के तहत एक करोड़ डॉलर से अधिक की संपत्ति होना आवश्यक होता है।

अमेरिका में हैकर्स का फिर हमला- एफबीआई के आपराधिक रिकॉर्ड्स में दूसरी बार लगी सेंध, जानें यह कितना खतरनाक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा और डेटा सुरक्षा तंत्र को एक बार फिर बड़ा झटका लगा है। फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन के सबसे महत्वपूर्ण नेशनल क्राइम इंफॉर्मेशन सेंटर डेटाबेस में सेंधमारी का गंभीर मामला सामने आया है। हाल के महीनों में देश के अपराध रिकॉर्ड को निशाना बनाने वाली यह दूसरी बड़ी साइबर सुरक्षा घटना है। यह हैक ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिकी प्रशासन बैंकिंग और बुनियादी ढांचा प्रणालियों में आई तकनीकी रुकावटों के बाद सार्वजनिक विश्वास बहाल करने में जुटा हुआ था।

नवीनतम सेंधमारी ने एफबीआई के जिस देशव्यापी आपराधिक सूचना डेटाबेस को निशाना बनाया है, वह पूरे अमेरिकी कानून प्रवर्तन तंत्र के लिए जीवन रेखा के समान है।

संवेदनशील रिकॉर्ड : इसमें फरार अपराधियों (भगोड़ों), चोरी की संपत्तियों, अदालती वारंटों, बैकग्राउंड वेरिफिकेशन और अन्य गंभीर आपराधिक गतिविधियों से जुड़ी अत्यंत संवेदनशील जानकारी सुरक्षित रहती है।

सूचना तंत्र पर असर : जांच से जुड़े सूत्रों के अनुसार, इस ब्रीच के चलते संघीय, राज्य और स्थानीय एजेंसियों के बीच महत्वपूर्ण सूचनाओं के सुरक्षित आदान-प्रदान में बड़ी बाधा उत्पन्न होने की आशंका है। ताजा साइबर ब्रीच पर एफबीआई निदेशक की



क्या प्रतिक्रिया रही एफबीआई अधिकारियों को इस नई साइबर सुरक्षा घटना की जानकारी मिलने के बाद, एजेंसी के निदेशक कश पटेल फॉक्स न्यूज पर सामने आए। पटेल ने एफबीआई के साइबर सुरक्षा कार्यों का बचाव करते हुए एक ऐसे ऑपरेशन पर विस्तार से बात की, जो वास्तव में महीनों पहले ही पूरा हो चुका था। इसका मुख्य उद्देश्य कंपनियों के सिस्टम अपडेट करवाना और हैकर्स को संवेदनशील डेटा तक पहुँचने से रोकना था। ऑपरेशन विंटर शील्ड का उल्लेख- पटेल ने ऑपरेशन विंटर शील्ड का ज़िक्र इस तरह किया मानो वह कार्रवाई वर्तमान में भी सक्रिय हो। प्रशासनिक नीतियों का बचाव- उन्होंने महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा हेतु सिस्टम अपडेट करने के लिए मौजूदा प्रशासन की सराहना की और तर्क दिया कि पूर्ववर्ती प्रशासन भी ये तकनीकी सुधार कर सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। भर्ती वेबसाइट पर हमला- इसी वर्ष सितंबर में शाइनीहंटर्स नामक हैकर समूह ने एफबीआई की भर्ती (जॉब) वेबसाइट को निशाना बनाया था, जिसमें एजेंसी कर्मचारियों का संवेदनशील व्यक्तिगत डेटा चोरी हुआ था। इस मामले में एक कनाडाई साइबर सुरक्षा शोधकर्ता और लेखक को गिरफ्तार भी किया गया है। कर्मचारियों का असंतोष- उस हमले के बाद कई कर्मचारियों में रोष था क्योंकि उन्हें समय पर यह तक स्पष्ट नहीं किया गया था कि उनका व्यक्तिगत डेटा चोरी हुआ है या नहीं, और पीड़ितों को दिए गए सुरक्षा संसाधन भी नाकाफी थे।

न्यूयॉर्क फील्ड ऑफिस हैक (2023): इससे पहले वर्ष 2023 में हैकर्स ने एफबीआई के न्यूयॉर्क फील्ड ऑफिस के कंप्यूटर सिस्टम में सेंध लगाई थी, जिसका इस्तेमाल बाल यौन शोषण मामलों और जेफरी एपस्टीन जांच से जुड़ी फाइलों को रखने के लिए किया जाता था।

वित्तीय और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए क्या हैं खतरे : एफबीआई डेटाबेस में यह ताजा सेंधमारी ऐसे नाजुक मोड़ पर सामने आई है, जब अमेरिकी संस्थाएं व्यापक तकनीकी संकट से जूझ रही हैं। हाल के दिनों में प्रमुख बैंकों, राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनएसए) और फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के हवाई यातायात नियंत्रण प्रणालियों में भारी तकनीकी रुकावटें (आउटेज) दर्ज की गई हैं।

जानकारी

ये आसान सा नुस्खा आपके काले होंठों को बना देगा गुलाबी

मौजूदा वक्त में होंठों को गुलाबी बनाने के लिए बाजार में कई तरह के उत्पाद हैं और इनपर काफी चर्चा भी होती है। बीच-बीच में इन उत्पादों की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठते हैं। और इसमें कोई आश्चर्य की बात भी नहीं है कि वर्षों से हमारी बॉलीवुड इंडस्ट्री की अभिनेत्रियां कई लिपस्टिक, लिप बाम और स्क्रब के शेड्स मार्केट में रखती आ रही हैं। भले ही वह एक विज्ञापन कर रही हों लेकिन लोगों में गुलाबी होंठों की चाहत कहीं न कहीं बढ़ ही जाती हैं। एक स्किनकेयर गुरु के रूप में हमेशा मुझसे ये सवाल पूछा जाता है कि मेरे होंठ इतने गुलाबी कैसे हैं। मैं इसके पीछे सबसे बड़ा कारण मानता हूं कि मैं धूम्रपान नहीं करता और न मैंने कभी किया है। मैं अपने गुलाबी होंठों के लिए श्रेय देना चाहूंगा जिसे मैं आज आपके साथ साझा करने जा रहा हूं।

महिलाएं अगर गुलाबी होंठों के बारे में पूछें तो कोई हैरानी की बात नहीं है लेकिन जब यह सवाल लड़कों द्वारा पूछा जाता है तो यह सवाल थोड़ा दिलचस्प हो जाता है। विशेष रूप से धूम्रपान करने वाले युवक, जो सिगरेट की वजह से होंठों को हुए नुकसान को अब कम करना चाहते हैं।

होंठों के लिए चुकंदर

होंठों को गुलाबी बनाने के लिए मेरा पसंदीदा तरीका है चुकंदर। यह प्राकृतिक रूप से गुलाबी होता है। इसका डाई के रूप में प्रयोग बरसों से होता आ रहा है। अगर आप इसके बारे में नहीं जानते हैं तो मैं आपको बता दूं कि पहले इस रंग के रेड वेलवेट फ्लेवर्ड केक बना करते थे लेकिन अब इनका केवल रंग रह गया है। चुकंदर होंठों को गुलाबी बनाने का एक आसान और प्राकृतिक तरीका है। अगर आप घर पर अपने होंठों के लिए स्क्रब तैयार करते हैं तो इसका प्रभाव लंबे अरसे तक रहता है। इसका प्रयोग सप्ताह में दो से तीन बार तक किया जा सकता है।

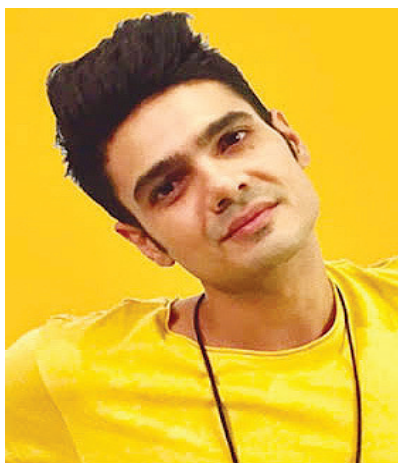

गुलाबी होंठों के लिए

एक चम्मच उबला हुआ चुकंदर, दो चम्मच दानेदार चीनी, एक चम्मच शहद, 4-5 कूटी हुई पुदीने की पत्तियां।

मैं यह नुस्खा आपके लिए इसलिए साझा कर रहा हूं क्योंकि यह बनाने में बहुत आसान है। इसके साथ ही यह नुस्खा बहुत प्रभावी भी है। इसके लिए बस आपको तीनों सामग्री का मिश्रण बनाने की जरूरत है, जो आसानी से आपके होंठों पर लग जाए। पुदिने की पत्तियां आपके हाथों में बमुश्किल ही आएंगी लेकिन आप इनका प्रयोग वास्तव में स्क्रब के रूप में कर सकते हैं।

डाई के रूप में काम करता है चुकंदर

चुकंदर प्राकृतिक डाई की तरह काम करता है। अगर आप गुलाबी होंठ चाहते हैं, तो आपको इसके परिणाम दो -तीन उपयोग में ही दिखाई दे जाएंगे। अगर धूम्रपान के कारण आपके होंठ काले हो गए हैं, तो आपको इसका प्रयोग से स्पष्ट अंतर दिखाई देगा। शुगर एक स्क्रब और एक्सफ़ोलीएटर की तरह काम करता है ताकि आपके होंठों पर चढ़ी गहरे रंग की परत को हटाकर उन्हें फिर से गुलाबी रंग दिया जा सके। शहद न केवल नमी बनाए रखता है बल्कि यह जीवाणुरोधी भी है, जो आपके होंठ स्वस्थ बनाए रखता है। मिंट मेन्थॉल के रूप में होता है, जो हल्की सी सनसनाहट छोड़ता। इससे आपका रक्त प्रवाह तेज हो जाता है, जिससे आपके होंठ अधिक गुलाबी हो जाते हैं। मैं आमतौर पर इसे बनाता हूं और लगभग एक सप्ताह के लिए रेफ्रिजरेटर में रखता हूं। इसे करीब 3 से 4 मिनट के लिए अपने होंठों पर स्क्रब करें और इसे धोने में भी परेशान नहीं होती। इसके परिणाम बहुत आश्चर्यजनक हैं। और तो और यह स्वादिष्ट भी लगता है।



महिलाओं में क्यों बढ़ रहा हार्ट अटैक का खतरा?

महिलाओं में हृदय रोगों के कारण और रोकथाम के उपाय

हाल ही में सामने आए आंकड़े बताते हैं कि महिलाओं की प्रत्येक तीन में से एक मृत्यु का कारण हृदय रोग है। अक्सर हृदय रोगों (Cardiovascular Disease) को पुरुष से जुड़ी बीमारी के तौर पर देखा जाता है। इस वजह से हृदय रोगों के लक्षणों को आमतौर पर महिलाओं द्वारा नजरअंदाज कर दिया जाता है। जबकि महिलाओं में भी इसकी जटिलताओं का विकास हो सकता है। इसलिए महिलाओं को भी अपने हृदय स्वास्थ्य (Heart Health) पर ध्यान केन्द्रित करने की आवश्यकता है।

एक प्रचलित मिथ है कि पूर्व-रजोनिवृत्त (Premenopausal) महिलाओं में एस्ट्रोजेन से सुरक्षा के कारण दिल के दौरे के विकास की संभावना कम होती है। हालांकि, क्लीनिकल अनुभव और रिसर्च बताते हैं कि हृदय रोग पुरुषों के समान ही महिलाओं को भी चपेट में लेते हैं। हार्ट अटैक की स्थिति में महिलाओं में गंभीर स्थिति बन जाती है और सर्वाइवल की संभावनाएं भी कम हो जाती हैं।

इस बारे में जानकारी देते हुए डॉक्टर समीर मेहरोत्रा ने बताया कि महिलाओं में हृदय रोग के लक्षण उनके, उनके परिवार या केयर करने वालों की ओर से या तो नजरअंदाज कर दिए जाते हैं या उनके द्वारा छोड़ दिए जाते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि जब महिलाओं के स्वास्थ्य का सवाल आता है तो ज्यादा ध्यान कैंसर, प्रजनन से जुड़ी समस्याओं और कमियों पर रहती है। महिलाओं में हृदय रोग के लक्षण भी पुरुषों की तुलना में भिन्न होते हैं, उनमें आमतौर पर चेस्ट पेन, जबड़ों में दर्द आदि महसूस नहीं होता। इस वजह से महिलाओं को समय पर परीक्षण और उपचार नहीं मिल पाता। यह आवश्यक है कि जागरूक कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं में हृदय रोगों को प्रकाश में लाया जाए। साथ ही उन्हें स्वस्थ जीवनशैली के साथ ही नियमित रूप से हार्ट का स्वास्थ्य परीक्षण भी करवाना चाहिए।

हृदय रोगों के जोखिम कारक

डॉक्टर समीर के मुताबिक, महिलाओं में हृदय रोग के कुछ जोखिम कारक हैं- हाइपरटेंशन, डायबिटिज, मोटापा, असंयमित जीवनशैली, मेटाबॉलिक सिन्ड्रोम, हाई कोलेस्ट्रॉल, बीमारियों का पारिवारिक इतिहास और स्मोकिंग और अल्कोहल की लत आदि शामिल हैं। यह महत्वपूर्ण है कि बायीं ओर चेस्ट पेन या भारीपन, सांस लेने में परेशानी या थकान, पसीने के साथ बेचैनी एवं अचानक बने-घटने वाले ब्लड प्रेशर को नजरअंदाज नहीं किया जाए।

डॉक्टर समीर ने बताया ने बताया कि जरूरी संदेश यह है कि महिलाओं के हृदय स्वास्थ्य पर उतना ही ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है, जितना पुरुषों के स्वास्थ्य पर। समय पर जीवनशैली में किए जाने वाले बदलाव और जरूरी कदम से जोखिम कारकों को टालते हुए समस्याओं से बचा जा सकता है। महिलाओं को हृदय रोगों के संकेतों और जोखिम के प्रति जागरूकता रखते हुए समय परीक्षण और नियमित चेकअप करवाते रहना चाहिए। इसमें संबंधित केस के आधार पर डॉक्टर के परामर्श से ईसीजी, स्ट्रेस इको, टीएमटी, ईको और सिटी एंजियो आदि शामिल है।

महिलाएं क्या करें और क्या नहीं

- हार्ट की समस्याओं से बचने के लिए महिलाओं को निम्नलिखित बातों पर ध्यान रखना चाहिए।
- नियमित हार्ट चेकअप को नजरअंदाज नहीं करें।
- प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट व्यायाम करें।
- स्मोकिंग ना करें, स्मोकिंग करने वाली महिलाओं में हृदय रोगों का खतरा युवा उम्र में ही ब जाता है। यहां तक कि पेसिव स्मोकिंग भी खतरनाक है और इसका एक्सपोजर भी अवाइड किया जाना चाहिए।
- प्रतिदिन 30 एमएल से अधिक शराब का सेवन नहीं करें।
- स्वास्थ्यकर भोजन की आदतों पर ध्यान दें।
- बांई ओर छाती में दर्द या भारीपन होने, सांस लेने में परेशानी आने, थकान लगने, पसीने के साथ बैचेनी होने, घबराहट या अचानक ब्लड प्रेशर बने या घटने जैसी समस्याओं को नजरअंदाज नहीं करते हुए तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।

कब पड़ती है एंजियोग्राफी की जरूरत

कुछ प्रकरणों में आवश्यक होने पर डॉक्टर एंजियोग्राफी का परामर्श भी देते हैं। यदि एंजियोग्राफी से दिल में कोई समस्या सामने आती है तो इसका उपचार और प्रबंधन स्टेनिंग के साथ एंजियोप्लास्टी आदि से किया जाता है। एंजियोप्लास्टी का उपयोग ब्लड फ्लो को सामान्य करने के लिए किया जाता है। इस प्रक्रिया में एक लंबी, पतली ट्यूब (कैथेटर) आर्टरी के सिकुड़े हुए हिस्से में डाली जाती है। एक पतले तार की जाली (स्टंट) को एक गुब्बारे पर रखकर कैथेटर से सिकुड़ी हुई आर्टरी में डालकर गुब्बारे को फुलाया जाता है, यह संकुचित आर्टरी की दिवारों पर स्टंट को संकुचित आर्टरी में छोड़ देता है। ड्रग मिले हुए स्टंट दवाई छोड़ते हैं और संकुचित आर्टरी को ठीक करने की प्रक्रिया में मदद करते हैं।

सेहत

आर्मपिट (कांख) के दर्द को न करें नजरअंदाज

दर्द चाहे आपके शरीर के किसी भी पार्ट में हो, इसे नजरअंदाज करने की गलती कभी न करें। अक्सर जब लोगों के कांख या बगल में दर्द होता है तो उसे वो छोटा-मोटा दर्द समझकर इग्नोर कर देते हैं, जो आगे चलकर खतरनाक साबित हो सकता है। दरअसल आपके बगल या काख में दर्द कई तरीके के स्वस्थ्य समस्याओं का संकेत हो सकता है। आपके बगल में दर्द हमेशा मांसपेशी को तनाव के कारण ही नहीं होता है इसके कई खतरनाक कारण भी होते हैं। यहां तक कि ये कोई इंफेक्शन और स्तन कैंसर जैसी गंभीर स्थितियों का भी संकेत हो सकता है। इसलिए कभी भी अपने बगल के दर्द को नजरअंदाज न करें। ऐसा क्यों ये हम आपको बताते हैं।

स्किन इंफेक्शन हो सकता है

अगर आपके बगल में दर्द हो रहा है तो हो सकता है कि आपके कांख का कोई बाल टूट गया हो या फिर कोई घाव हो गया हो। इस तरह स्किन इंफेक्शन भी बगल के दर्द का कारण हो सकता है। अपनी बाहों के नीचे शेविंग या वैक्सिंग आपकी त्वचा में इंफेक्शन का कारण हो सकती है। कुछ डिओडोरेंट या कपड़े धोने वाले डिटर्जेंट एक एलर्जी प्रतिक्रिया को ट्रिगर कर सकते हैं, जिसके कारण भी आपके बगल में घाव हो सकता है। चकत्ते, घाव और अन्य त्वचा की समस्याएं भी अधिक गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का परिणाम हो सकती हैं। उदाहरण के लिए, हिडेनडाईनाइटिस सपुराटिवा आपकी बाहों के नीचे मुंहासों की तरह दिखता है, लेकिन वास्तव में बहुत अधिक गंभीर समस्या है जो आगे चलकर एक प्रकार के स्किन कैंसर का कारण बन सकती है। इसके अलावा इससे ब्लूडिंग भी हो सकती है।



सूजन

ऐसे में आप ऐसी किसी भी गतिविधि से ब्रेक लें और मांसपेशियों को आराम देते हैं। आप दर्द और सूजन को कम करने के लिए बगल में बर्फ से सिकाई भी कर सकते हैं। अगर हफ्ते भर में ये दर्द ठीक न हों तो डॉक्टर से संपर्क करें। इस तरह आप बगल के किसी भी छोड़े-बड़े दर्द को अनदेखा न करें। साथ ही, जैसे ही आपको लगे कि शरीर में इसके साथ अन्य गड़बड़ियां भी महसूस हो रही हैं तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं।

ब्रेस्ट कैंसर

महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर भी बगल के दर्द का एक कारण हो सकती है। इस तरह के दर्द को लोग शुरुआती ब्रेस्ट कैंसर के लक्षण के रूप में भी देखते हैं। स्तन कैंसर तब होता है जब आपके स्तन में कोशिकाएं अनियंत्रित रूप से बढ़ने लगती हैं। वे आमतौर पर एक ट्यूमर बनाते हैं। इसलिए इसके शुरुआती फेज में आपके बगल के आसपास दर्द और सूजन हो सकता है। इसके अलावा आपके लिम्फ नोड्स में स्तन कैंसर का प्रसार भी ब्रेस्ट कैंसर का कारण हो सकता है। इसलिए जैसे ही आपको अपने बगल में सूजन या दर्द महसूस हो डॉक्टर को जरूर दिखाएं।

लिम्फ नोड्स में सूजन

आपका लिम्फेटिक सिस्टम पूरे शरीर में पाए जाने वाले नोड्स या ग्रंथियों का एक नेटवर्क है। लिम्फ एक तरल पदार्थ है जो संक्रमण से लड़ने में मदद करता है। शरीर के दोनों तरफ बगल के पास लिम्फ नोड्स की एकाग्रता होती है। अगर आप सर्दी या फ्लू है से पीड़ित हैं तो आपके लिम्फ नोड्स सूजन हो सकती है। इसके अलावा कई प्रकार की लिम्फेटिक सिस्टम से संबंधी स्थितियां भी, बगल में दर्द का कारण बन सकती हैं। उदाहरण के लिए, लिम्फेडेमा तब होता है जब लिम्फ नोड में रुकावट होती है और अंदर तरल पदार्थ का निर्माण होता है। तब आपके बगल में दर्दनाक सूजन हो सकती है। लिम्फेडेमा के इलाज में इन लिम्फ नोड्स को भी हटाना पड़ सकता है। एक अन्य स्थिति, लिम्फैडेनोपैथी भी लिम्फ नोड्स के विस्तार का कारण बनती है। यह लिम्फेटिक सिस्टम में एक इंफेक्शन के कारण होता है, जिसे लिम्फैडेनाइटिस कहा जाता है।

मांसपेशियों में तनाव

आपकी कांख और आसपास की छाती और बांह का क्षेत्र ब्लड वेस्लस, नसों और मांसपेशियों से बना होता है। आपके शरीर की अन्य मांसपेशियों की तरह जब इस पर किसी भी प्रकार का जोड़ पड़ता है ये मांसपेशियों में तनाव पैदा हो जाता है। मांसपेशियों में खिंचाव के लक्षण इस बात पर निर्भर करते हैं कि तनाव कितना गंभीर है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बनें। शुभांक-3-6-9

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचे तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-4-6-7

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-2-5-6

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। व्याधिक्य का अवसर आ सकता है। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। शुभांक-3-6-7

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-6-7

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। शुभांक-3-5-6

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। परिवार में अशांति रहेगी। शुभांक-1-4-5

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-2-5-7

मीन दी दू थ झ ञ ज दे दो चा ची

यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली -2655

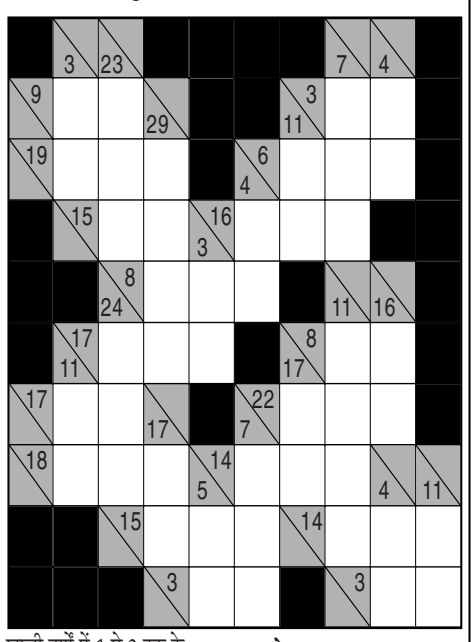

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः



6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2654 का हल

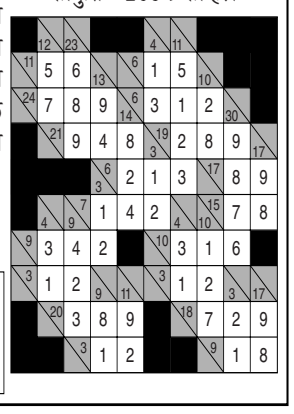

हंसी के फव्वारें

सेकेंड क्लास के डिब्बे में बहुत ज्यादा भीड़ थी. एक यात्री ने उसमें चढ़ने की कोशिश की . तभी अन्दर से किसी ने कहा- 'इधर जगह नहीं है कोई दूसरा कम्पार्टमेंट देखिए !'

'अरे भई! मुझे तो सिर्फ खड़े रहने भर के लिए स्थान चाहिए.' बाहर वाले ने कहा.

'तो फिर प्लेटफार्म पर ही आराम से खड़े रहिए न. अन्दर आकर हमको क्यों तंग करते हो ?' अन्दर से तुरन्त आवाज आई.

□ □ □

सुरेश को गम्भीर सोच में डूबे देखकर उसके मित्र नरेश ने पूछा- 'क्यों भई,इतनी गहराई से क्या सोच रहे हो ?'

'बेटे के कारण मैं बहुत परेशानी में हुँ . कुछ समझ में नहीं आता कि क्या करूँ ? मैं चाहता हूँ कि वह जज बने. बेटे की मां चाहती है कि वह प्रोफेसर बने और बेटा डाक्टर बनने की जिद किये बैठा है.'

'तुम्हारे लड़के की उम्र कितनी है?' नरेश ने जिज्ञासावश पूछा.

'चार साल !' सुरेश ने बताया.

इसपर नरेश ने अपना माथा पीट लिया.

□ □ □

शालिनी - मेरे पिताजी का साहित्य में गहरा योगदान है.

रीतू -क्या वे बहुत बड़े लेखक हैं?

शालिनी ने कहा- नहीं, वे किताबों की जिल्दसाजी करते हैं.

फिल्म वर्ग पहेली- 2655

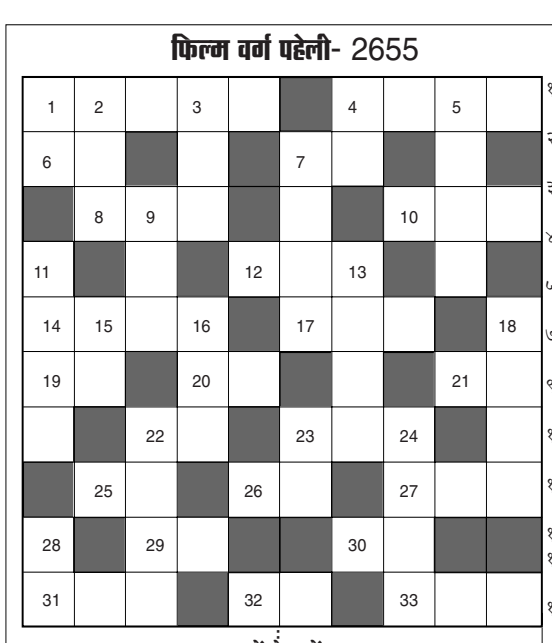

बायें से दायें:-

१. 'ये जीवन है इस जीवन का यही है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
४. राकेश रोशन, शत्रुघ्न सिन्हा, रीनाराय, रंजीता की फिल्म-४
६. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'ऐसा कोई जिंदगी में' गीत वाली फिल्म-२
८. राजकिरण, जावेद खान की फिल्म-३
१०. 'है ना बोलो' गीत वाली फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, निम्मी की फिल्म-३
१४. 'देख सकता हूँ मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-४
१७. अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१९. 'आई जो तेरी याद' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'तक्षक' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२१. शाहरूख, प्रियंका की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीतवाली फिल्म-२
२२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, जैकी, शत्रुघ्न, रवीना, लारा की फिल्म-२
२३. धर्मेन्द्र, जीतेंद्र, हेमा की फिल्म-३
२५. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२६. फिरोज, संजय, मुमताज की 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'झोंपडी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२९. राजकपूर (डबल रोल), नर्गिस की 'आ जाने बहार' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'फूल मांगू ना बहार मांगू' गीत वाली फिल्म-२
३१. कमल हासन, सनी, डिम्पल की फिल्म-३
३२. फिल्म 'तपस्या' की नायिका ?-२
३३. अभिनेत्री 'मनीषा कोइराला' किस देश की रहने वाली है-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'नदिया किनारे आओ' गीत वाली संजय दत्त, आफताब, नंदिता दास की फिल्म-२
२. अमिताभ, अमजद, नीतूसिंह की 'सारा जमाना हसीनों का' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दो दिवाने शहर में' गीत वाली अमोल पालेकर, जरीना वहाब की फिल्म-३
४. नसीरूद्दीनशाह, जैकी श्रॉफ, नगमा की 'मैं प्यासी नदिया' गीत वाली फिल्म-२
५. 'लिखे जो खत तुझे वो तेरी' गीत वाली शशिकपूर, आशा पारेख की फिल्म-४
७. मनोजकुमार, आशा पारेख की 'लो आ गई उन की याद' गीत वाली फिल्म-१,३
९. 'दो नैनों में आँसू भरे हैं' गीत वाली जीतेंद्र, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
११. जॉय मुखर्जी, माला, शर्मिलाकी 'वो हसीन दर्द देदो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'इस सो पहले कि याद तू आए' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१५. 'परिचय' में जीतेंद्र की नायिका ?-२
१६. करण दीवान, स्वर्णलता की 'जब तुम ही चले परदेस' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तन मन धन सब है' गीत वाली संजीवकुमार, लीना की फिल्म-४
२२. गुरूदत, शकीला, श्यामा की 'बाबू जी धीरे चलना' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. रेखा, दिलीपकुमार, ममता की फिल्म-२
२४. शाहरूख, विवेक मुशरान, जूही की 'अपुन की लाइफ' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'तेरे प्यार का' गीत वाली आफताब शिवदासनी, युक्ता मुखी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2654

त्रि	शु	ल	■	ग	दा	र	■	धा	■
दे	■	गा	य	ब	■	ह	म	रा	ज
व	च	न	■	न	ग	मा	■	वी	रू
■	र	■	घ	■	ज	न	म	■	र
ती	स	री	मं	जि	ल	■	दा	व	त
स	■	■	डी	■	■	नू	री	■	■
रा	जा	जी	■	अ	मृ	त	■	प	■
कौ	न	■	■	प	■	न	व	रं	ग
न	■	अ	नु	रा	ग	■	■	प	■
■	जु	म्मा	■	ध	■	अ	प	रा	ध

सूडोकु -2655

			1					6
7		2		5				9
		4			2	7	5	
5	7				9		1	8
				6				
6	1		3				2	4
	5	1	9			8		
2				8		9		1
9					3			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2654 का हल

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2

शब्द पहेली - 2655

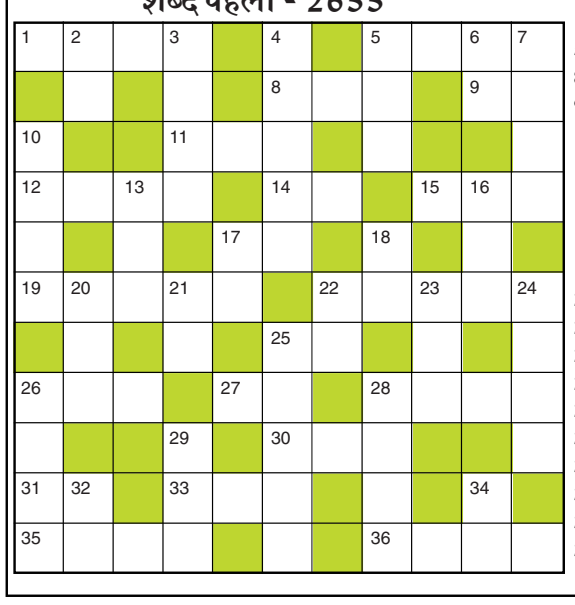

बाएँ से दाएँ

1.चिकित्सा,इलाज-4
5.पैतृक संपत्ति-4
8.बलवा,क्रांति-3
9.निम्न-2
11.सुअर,शूकर-3
12.चौबीसवें तीर्थंकर-4
14.केश-2
15.मुनाफा,अर्जित-3
17.मैदे की रोटी-2
19.मनोहर,आकर्षक-5
22.अनासक्ति,निर्विकारता-5
25.पानी,नीर-2
26.सूखा,दुष्काल-3
27.कांटा,कंटक-2
28.शांति,ध्वनिहीनता-4
30.तीक्ष्ण,तेजस्वी-3
31.लाख,गोंद-2
33.मधुक,महुआ-3
35.हृदयगति,स्पंदन-4
36.अनुक्रम,निरंतरता लयबद्ध-4

ऊपर से नीचे

2.पंख,पराया-2
3.राम का एक नाम-4
4.संरक्षक,देखरेख करने वाला,मुहाफिज-5
5.वियोग,जुदाई-3
6.गलत का विलोम-2
7.एकांतता,अकेलापन-4
10.मरियल,निर्बल-4
13.'क्योंकि सास भी कभी बहु थी' में तुलसी इस परिवार की बहु है-3
16.मक्खन-3
17.रिश्ता-2
18.लाश-3
20.माला का मोती-3
21.यमराज-2
22.ललाट-2
23.ताप वर्धक-3
24.विदिर्ण-2.2
25.पानी का बहना-5
26.जुर्म,गुनाह-4
28.रसहीनता-4
29.प्रणाम,नमस्कार-3
32.लड़ी,श्रृंखला-2
34.दोस्त,सखा-2

शब्द पहेली -2654 का हल

■	बि	ज	ली	घ	र	■	मा	न	सि	क
दि	ल	■	ड	■	ख	न	न	■	ना	रा
ल	■	धा	र	दा	र	■	क	ली	■	मा
दु	ला	रा	■	■	खा	स	■	ख	प	त
ख	■	धा	■	ना	व	■	ग	■	र	■
ना	म	र	ख	ना	■	च	म	क	दा	र
■	यू	■	त	■	स	र	■	ट	■	वा
ह	र	म	■	शा	म	■	■	पी	स	ना
ड़	■	य	श	■	का	रा	वा	स	■	हो
ता	न	■	प	ग	ली	■	न	■	म	ना
ल	थ	प	थ	■	न	ग	र	व	धु	■

कोटा में भीषण सड़क हादसा : 9 श्रद्धालुओं की मौत, 6 घायल

जयपुर, एजेंसी। कोटा-उदयपुर नेशनल हाईवे पर शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात करीब 2:00 बजे एक भीषण सड़क हादसे में नौ लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा तब हुआ जब महाराष्ट्र के एक ही परिवार के पंद्रह सदस्यों को लेकर जा रही एक तेज रफ्तार क्रूजर गाड़ी शंभूपुरा गांव के पास सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से जा टकराई। ये सभी श्रद्धालु राजस्थान में खाटू श्यामजी के दर्शन कर अपने घर लौट रहे थे।

दिल्ली से कश्मीर तक दवाओं की अवैध सप्लाई के अंतरराज्यीय नेटवर्क का भंडाफोड़

- एनसीबी ने पांच लाख से ज्यादा की टैबलेट, कैप्सूल और दवाओं की बोतलें की बरामद

जम्मू, एजेंसी। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) जम्मू जोनल यूनिट ने दिल्ली जोनल यूनिट के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए दिल्ली से कश्मीर घाटी तक फार्मास्युटिकल दवाओं की अवैध सप्लाई करने वाले अंतरराज्यीय नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। मामले में अब तक चार लोगों को गिरफ्तार किया है। जांच में दिल्ली के शाहदरा में एक गुप्त गोदाम से पांच लाख से ज्यादा टैबलेट, कैप्सूल और कई दवाओं की बोतलें बरामद की गई हैं। एनसीबी के मुताबिक विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर 16 नवंबर 2026 की तड़के जम्मू यूनिट ने उधमपुर जिले के चेनानी स्थित माडा टोल प्लाजा के पास श्रीनगर जा रही एक यात्री बस को रोककर तलाशी ली। इस दौरान डोडा जिले के भद्रवाह निवासी एक व्यक्ति से करीब 7 किलोग्राम कोडीन युक्त कफ सिरप बरामद किया। इसके बाद मामला दर्ज किया गया। आगे की जांच में कश्मीर घाटी में कार्रवाई करते हुए अनंतनाग जिले के एक शख्स को पकड़ा, जिसे इस खेप का मुख्य प्राप्तकर्ता बताया जा रहा है। सप्लाई लिंक की जांच दिल्ली तक पहुंचने पर एनसीबी जम्मू और दिल्ली की संयुक्त टीम ने दिल्ली में इस नेटवर्क से जुड़े लोगों को गिरफ्तार किया और 18 नवंबर को 356 बोतल कोडीन युक्त कफ सिरप बरामद किया।



राम कथा सुन लौटे 500 से ज्यादा पाकिस्तानी हिंदू, विदाई के समय भावुक दिखे राजा भैया

- पीएम मोदी से भारतीय नागरिकता की प्रक्रिया आगे बढ़ाने की मांग

प्रतापगढ़, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले के कुंडा में तीन दिन तक श्रीराम कथा में शामिल होने के बाद पाकिस्तान से आए 500 से ज्यादा हिंदू शरणार्थी रविवार को वापस लौट गए। विदाई के दौरान माहौल भावुक हो गया। शरणार्थियों के साथ कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने भी मुलाकात की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान से आए ये लोग उनके लिए पराए नहीं, बल्कि अपने ही घर आए हैं।
कुंडा में बागेश्वर धाम के धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की श्रीराम कथा का आयोजन किया गया था। इसमें शामिल होने के लिए पाकिस्तान से 500 से ज्यादा हिंदू शरणार्थी पहुंचे थे। तीन दिनों तक इन परिवारों के ठहरने और भोजन की व्यवस्था आयोजकों की ओर से की गई। इस दौरान उन्होंने कथा में हिस्सा लेने के साथ स्थानीय लोगों से मुलाकात की। रविवार को जब इन परिवारों की वापसी का समय आया तो कई लोग अपने मेजबानों से बिछड़ते समय भावुक नजर आए। महिलाएं और अन्य लोग स्थानीय लोगों से मिले अपनत्व को याद करते हुए भावुक हो गए। विदाई के समय राजा भैया भी वहां पहुंचे और शरणार्थियों से मुलाकात कर उनसे बातचीत की। इस दौरान वह भी भावुक नजर आए।
पाकिस्तान से आए परिवारों ने कहा, कुंडा में बिताए गए तीन दिन उनके लिए बेहद खास रहे। यहां उन्हें रहने और खाने की सुविधा मिली और श्रीराम कथा में शामिल होने का अवसर मिला। स्थानीय लोगों के व्यवहार और अपनत्व ने भी उन्हें प्रभावित किया। विदाई के दौरान इन परिवारों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भारत की नागरिकता देने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की मांग भी की।

देश के कई राज्यों में बढ़ी ठंड, राजस्थान के 6 शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे

मध्यप्रदेश के 12 जिलों में बारिश का अलर्ट, यूपी के 24 जिलों में छाया घना कोहरा

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली, राजस्थान समेत देश के कई राज्यों में ठंड बढ़ गई है। राजस्थान के 6 शहरों में शनिवार रात न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे रहा। फतेहपुर में सबसे कम 6.1 डिग्री तापमान दर्ज हुआ। सीकर में 7.7, उदयपुर में 8.7 और चूरू में 9.5 डिग्री पारा दर्ज किया गया। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और बिहार में चक्रवात 'अकवान' के चलते बारिश होने और पहाड़ों पर बर्फबारी के असर से मौसम बदल गया है। मध्यप्रदेश के जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग में बारिश हो रही है। उज्जैन में ठंड के चलते आठवीं तक के स्कूलों का समय बदलकर सुबह 9 बजे के बाद कर दिया गया है। बिहार में रविवार सुबह नालंदा और भागलपुर में बारिश हुई। पिछले 24 घंटे में पटना समेत 9 जिलों में बारिश दर्ज की गई। यूपी के 24 जिलों में रविवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। वहीं, झारखंड में खराब मौसम के कारण शनिवार को रांची एयरपोर्ट पर 20 फ्लाइट रद्द और चार को डायवर्ट किया गया।
सर्दी बढ़ने के साथ प्रदूषण का स्तर भी बढ़ रहा है। राजस्थान के बीकानेर में एक्यूआई 311, भिवाड़ी में 301 में दर्ज किया गया। दिल्ली की हवा की गुणवत्ता



शनिवार को भी 'खराब' बनी रही। एक्यूआई 265 दर्ज किया गया। दरअसल, सर्दी में हवा ठंडी और भारी होने लगती है, उसकी रफ्तार भी कम हो जाती है। इससे प्रदूषक कण जमीन के पास जमा होने लगते हैं। यही वजह है कि पंजाब, हरियाणा और उत्तरी राजस्थान में पराली जलाने से उठा धुआं पश्चिमी राजस्थान तक पहुंच रहा है।
रेगिस्तानी इलाकों में रात को तापमान तेजी से गिरता है। इससे थर्मल इन्वर्जन की स्थिति बन सकती है। इस दौरान प्रदूषक कण और धुआं ऊपर फैलने के बजाय निचली हवा में ही फंसे रहते हैं। हवा की ऊपरी परत गर्म होने से प्रदूषण को फैलने का रास्ता नहीं मिलता। उत्तर भारत के पहाड़ी इलाकों जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश से आ रही सर्द हवाओं से राजस्थान में ठंड बढ़ने लगी है।
चक्रवाती तूफान 'अकवान' और पहाड़ों पर बर्फबारी के असर से मध्य प्रदेश में मौसम बदल गया है। जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग में बारिश हो रही है, जबकि भोपाल, इंदौर और उज्जैन में ठंड बढ़ गई है। रविवार को 12 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, शाजापुर में न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। वहीं यूपी के 24 जिलों में रविवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। संभल, मुजफ्फरनगर, देवरिया और बुलंदशहर समेत कई जिलों में विजिबिलिटी कम रही। ग्रामीण इलाकों में 10 मीटर दूर तक देखना मुश्किल हो गया। हरदोई में रात का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मुलायम सिंह की जयंती पर सपा दफ्तर में हुआ सुंदरकांड का पाठ

- अखिलेश बोले- सपा सरकार बनी तो बढ़ा देंगे यश भारती की सम्मान राशि

लखनऊ , एजेंसी। समाजवादी पार्टी के संस्थापक और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की जयंती पर रविवार को लखनऊ स्थित सपा कार्यालय में सुंदरकांड का पाठ किया गया। पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस अवसर पर अपने पिता और पार्टी संस्थापक को याद करते हुए कहा कि नेताजी सबको साथ लेकर चलने का सिद्धांत देकर गए हैं और समाजवादी पार्टी इसे आगे बढ़ाती रहेगी। उन्होंने कहा कि सरकार बनी तो यश भारती की सम्मान राशि बढ़ाई जाएगी।
अखिलेश यादव ने कहा कि मुलायम सिंह यादव के पास जो भी मदद के लिए आया, उन्होंने उसकी सहायता की। उन्होंने कहा कि पार्टी पीडीए आंदोलन को आगे बढ़ाएगी और जो लोग रूठे हुए हैं, उन्हें मनाने का प्रयास करेगी। साथ ही जो लोग पार्टी से अलग हो गए हैं, उन्हें भी साथ लाने की कोशिश की जाएगी। अखिलेश यादव ने घोषणा की कि 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर यश भारती सम्मान की राशि बढ़ाकर एक लाख रुपये कर दी जाएगी। उन्होंने उन बच्चों के प्रति आभार जताया, जो समाजवादी पार्टी की सरकार में लैपटॉप मिलने की बात स्वीकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार के दौरान केटीएमयू और राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट के डॉक्टरों को पीजीआई की तरह सुविधाएं देने का काम किया गया था।
इस अवसर पर अखिलेश ने मौजूदा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह सरकार कम देगी और ज्यादा छीनेगी। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों के हाथ में विकास की रेखा होती है, जबकि कुछ के हाथ में विनाश की।
सीएम योगी ने श्रद्धांजलि अर्पित की
मुलायम सिंह यादव की जयंती पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने भी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। योगी ने उन्हें पूर्व रक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और पद्म विभूषण से सम्मानित नेता बताया। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने भी उन्हें याद किया। गौरतलब है कि मुलायम सिंह यादव ने 1992 में समाजवादी पार्टी की स्थापना की थी। वह तीन बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे और देश के रक्षा मंत्री भी रहे। उनका जन्म 22 नवंबर 1939 को इटावा के सैफई में हुआ था। 10 अक्टूबर 2022 को 82 वर्ष की उम्र में उनका निधन हुआ था।

जज की जगह ओवैसी को गार्ड ऑफ ऑनर, जांच के आदेश

- सहारनपुर में प्रोटोकॉल में बड़ी लापरवाही

प्रतापगढ़, एजेंसी। सहारनपुर(ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में एक अजीबोगरीब वाकया सामने आया है, जहाँ शनिवार को पुलिसकर्मियों ने एक न्यायाधीश को दिए जाने वाले गार्ड ऑफ ऑनर को गलती से एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी को दे दिया। इस गंभीर प्रोटोकॉल में लापरवाही के बाद, जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच के आदेश दिए हैं। एक पुलिस अधीक्षक को इस मामले की विस्तृत जांच सौंपी गई है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह गलती किन परिस्थितियों में और कैसे हुई।
यह घटना सहारनपुर सर्किट हाउस में घटी, जब सांसद ओवैसी आजाद समाज पार्टी के प्रमुख चंद्रशेखर आजाद के घर छुटमलपुर जाने से पहले वहां पहुंचे थे। पुलिस प्रोटोकॉल के तहत एक न्यायाधीश के आगमन की तैयारी चल रही थी, जिन्हें सहारनपुर के एक गांव में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होना था। लेकिन न्यायाधीश के आने से पहले ओवैसी के पहुंचने पर, वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने उन्हें आते ही औपचारिक सलामी (गार्ड ऑफ ऑनर) दे दी, जिसे ओवैसी ने भी बड़े ही सहज भाव से पुलिसकर्मियों के सामने सावधान की मुद्रा में खड़े होकर स्वीकार कर लिया। हालांकि, सलामी के कुछ ही देर बाद पुलिसकर्मियों को अपनी गलती का अहसास हुआ। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। अपनी सहारनपुर यात्रा के दौरान ओवैसी ने कई राजनीतिक मुद्दों पर भी बात की। उन्होंने सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में भाजपा सरकार पर कानून व्यवस्था को लेकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में कानून के बजाय बंदूक का राज चल रहा है। भाजपा की बी टीम होने के आरोपों को खारिज करते हुए उन्होंने सामाजिक परिवर्तन मोर्चा के गठन की बात कही और दावा किया कि सपा-कांग्रेस गठबंधन भाजपा को हराने में सक्षम नहीं है। इसके बाद, ओवैसी ने छुटमलपुर में चंद्रशेखर आजाद के आवास पर भोजन किया और छत से समर्थकों को संबोधित किया। इस दौरान एआईएमआईएम, आजाद समाज पार्टी और भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ जुटी रही। ओवैसी ने समर्थकों से पूछा कि क्या वे चंद्रशेखर को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री देखना चाहते हैं, जिस पर भारी भीड़ ने नारेबाजी कर समर्थन जताया।

गलती सुधार कांग्रेस में वापसी करने वालों का हो स्वागत: चांडी ओमन

कांग्रेस विधायक बोले- पार्टी छोड़कर भाजपा में गए कई लोग वापस आना चाहते हैं, सभी के लिए समान नियम हों

तिरुवनंतपुरम , एजेंसी । कांग्रेस विधायक चांडी ओमन ने रविवार को कहा कि अपनी गलतियां सुधारकर पार्टी में लौटने के इच्छुक सभी लोगों का स्वागत किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पार्टी में वापसी के लिए किसी एक व्यक्ति के लिए अलग नियम नहीं होना चाहिए। उनका यह बयान पूर्व मुख्यमंत्री के. करुणाकरण की बेटी और स्वास्थ्य मंत्री के. मुरलीधरन की बहन पद्मजा वेणुगोपाल के कांग्रेस में लौटने की इच्छा जताने के सवाल पर आया।
पद्मजा वेणुगोपाल ने हाल ही में भारतीय जनता पार्टी से इस्तीफा देकर कांग्रेस में वापस आने की इच्छा जाहिर की है। इसी मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए चांडी ओमन ने कहा कि जो लोग अपनी

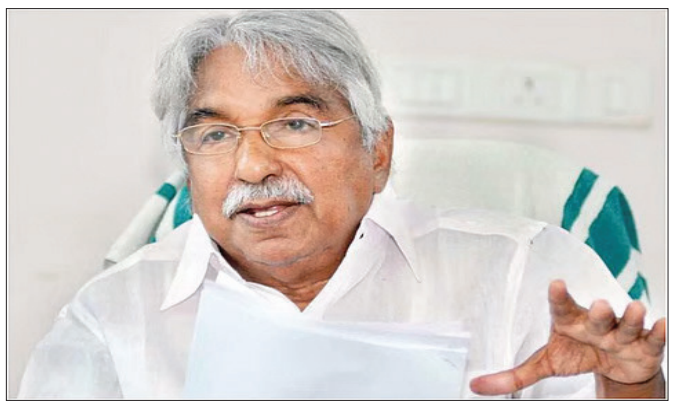

गलतियों को सुधारकर कांग्रेस में लौटना चाहते हैं, उन्हें मौका मिलना चाहिए। चांडी ओमन ने कहा कि यह अवसर केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं होना चाहिए। उनके अनुसार पार्टी छोड़कर दूसरी पार्टी में गए सभी लोगों के लिए समान नियम होने चाहिए। उन्होंने कहा कि गलतियों को सुधारने के बाद कोई भी कांग्रेस में वापस आ सकता है और पार्टी को ऐसे लोगों का स्वागत करना चाहिए।
कांग्रेस विधायक ने दावा किया कि भाजपा में शामिल होने वाले कई अन्य लोग भी अब पार्टी में वापस लौटने का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन लोगों को भाजपा में वहां की स्थिति का एहसास हो गया होगा और इसी वजह से वे कांग्रेस में लौटने का फैसला कर रहे हैं। चांडी ओमन ने कहा कि कांग्रेस में लौटने वाले लोगों को अगले पांच साल तक पार्टी के लिए काम करने का अवसर दिया जाना चाहिए। उनके मुताबिक पार्टी में वापसी करने वालों को संगठन को मजबूत करने में योगदान देना चाहिए।

नीतीश सेतु का उद्घाटन होते ही राजद कार्यकर्ताओं ने किया जमकर हंगामा

- बीजेपी के पोस्टर-बैनर फाड़े, तेजस्वी और लालू यादव जिंदाबाद के लगाए नारे

वैशाली, एजेंसी । बिहार के वैशाली में नीतीश सेतु का उद्घाटन होते ही राजद कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा किया। पीएम मोदी और अन्य अतिथियों के लौटते ही कार्यकर्ताओं ने पुल पर बवाल मचा दिया। राजद कार्यकर्ताओं ने नीतीश सेतु और बीजेपी के पोस्टर-बैनर फाड़े और प्रदर्शन किया। शनिवार को राजद नेता तेजस्वी यादव ने पीएम मोदी पर निशाना साधा था। वीडियो में राजद के कार्यकर्ता तेजस्वी यादव जिंदाबाद और लालू यादव जिंदाबाद के नारे लगाते नजर आ रहे हैं। नीतीश सेतु पर आरजेडी कार्यकर्ताओं ने पार्टी के झंडे भी लहराए। वीडियो में आरजेडी कार्यकर्ता बीजेपी के झंडों को कुचलते हुए नजर आ रहे हैं। शनिवार को पीएम मोदी के रवाना होते ही पुल को जनता के लिए खोल दिया गया था, जैसे ही पुल खोला गया, राजद कार्यकर्ताओं ने नीतीश सेतु पर पहुंचकर हंगामा शुरु कर दिया। नीतीश सेतु को लेकर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने भी बीजेपी पर निशाना साधा। तेजस्वी ने बीजेपी पर तंज कसते हुए कहा कि इस पुल का नाम सिख धर्म के दसवें गुरु और खालसा पंथ के संस्थापक गुरु गोबिंद सिंह महाराज के नाम पर रखा जाना चाहिए था लेकिन बीजेपी सरकार ने राजनीति के चलते ऐसा नहीं होने दिया। तेजस्वी ने इसे बीजेपी की संकीर्ण सोच बताया। इस मुद्दे को लेकर आम आदमी पार्टी भी हमलावर है। पंजाब सरकार में मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि अगर बिहार सरकार नीतीश कुमार को सम्मान देना चाहती है तो इसके लिए दूसरे तरीके भी हो सकते थे।

भारत-चीन के बीच टकराव को कम करने के लिए कई मुद्दों पर चर्चा, कमांडर स्तर की 10 दिन तक चलीं बैठकें

नई दिल्ली , एजेंसी। अरुणाचल प्रदेश से सटी सीमा पर कड़ाके की ठंड की शुरुआत से ठीक पहले भारत और चीन के बीच दूसरे दौर की कोर कमांडर स्तर की सैन्य वार्ता पूरी हो गई है। दिवाली के बाद 8 नवंबर को शुरू हुई यह बेहद गोपनीय बातचीत करीब दस दिनों तक चली। इसका मुख्य उद्देश्य सीमा पर बढ़ते तनाव को कम करना और दोनों देशों के बीच संवाद के रास्ते खुले रखना था। इस वार्ता में भारतीय पक्ष का नेतृत्व सेना की तीसरी कोर (स्पीयर कोर) के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल गिरीश कालिया ने किया। इस कोर का मुख्यालय नागालैंड के दीमापुर के पास रंगापहाड़ में है। उनके साथ चीनी सेना के प्रतिनिधिमंडल के अलावा भारत सरकार के विदेश मंत्रालय का एक प्रतिनिधि भी शामिल रहा।
सूत्रों के मुताबिक, बातचीत सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य दोनों सेनाओं के बीच संपर्क के नियम तय करना था। इसके अलावा, सीमा के पास सैनिकों के आमने-सामने आने से होने वाले टकराव को टालना भी महत्वपूर्ण था। इस क्षेत्र में दोनों देशों ने बड़ी संख्या में सैनिक तैनात कर रखे हैं। हालांकि, यह अभी स्पष्ट नहीं है कि जिन बातों पर सहमति बनी है उन्हें भीषण सर्दी शुरू होने से पहले जमीन पर लागू किया जा सकेगा या नहीं, क्योंकि इस दौरान वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सैनिकों के लिए रसद पहुंचाना बेहद कठिन हो जाता है। पूर्वी सेक्टर में भारत और चीन के बीच पहले दौर की कोर कमांडर स्तर की वार्ता इसी साल 6 और 7 सितंबर को वाचा-दमाई बॉर्डर मीटिंग पॉइंट पर हुई थी। किबिथू सेक्टर में स्थित वाचा भारत का सबसे पूर्वी सीमा पर मीटिंग पॉइंट है। यह बैठक ऊपरी सुबनसिरी जिले के ताकसिंग इलाके में तनाव की खबरों के बाद बुलाई गई थी। इससे पहले अगस्त में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने बीजिंग में सीमा विवाद को लेकर विशेष प्रतिनिधियों की बैठक की थी। सीमा पर विवाद का एक बड़ा कारण 1914 में ब्रिटिश भारत और तिब्बत के बीच तय हुई मैकमोहन रेखा को चीन द्वारा मान्यता न देना है। अक्टूबर में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने कहा था कि अरुणाचल प्रदेश में कई स्थानों पर भारतीय और चीनी सैनिकों का आमना-सामना हुआ है। इस पर विदेश मंत्रालय ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि जब चीनी सैनिक तय गश्त के नियमों से भटकते हैं तो एलएसी पर स्थिति समय-समय पर बिगड़ जाती है। मंत्रालय ने यह भी दोहराया कि द्विपक्षीय संबंधों के समग्र विकास के लिए सीमावर्ती इलाकों में शांति और स्थिरता बनाए रखना जरूरी है।



संसद का मानसून सत्र बना नया रिकॉर्ड: 100 दिन बाद भी नहीं हुआ सत्रावसान

सत्रावसान नहीं होने को लेकर चिंतित विपक्ष, लग रही साजिश

नई दिल्ली , एजेंसी। भारतीय संसद का हालिया मानसून सत्र एक नया और अभूतपूर्व रिकॉर्ड बना चुका है। सत्र को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हुए 100 दिन से भी अधिक हुए हैं, लेकिन अब तक औपचारिक रूप से समाप्त (सत्रावसान) नहीं किया गया है। इससे पहले, वर्ष 2008 में संसद का एक सत्र बिना औपचारिक समापन के 87 दिनों तक चला था, जो अब तक का सबसे लंबा अंतराल था।
यह मानसून सत्र 20 जुलाई को शुरू हुआ था और लोकसभा व राज्यसभा दोनों की कार्यवाही को 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था। अब जबकि शीतकालीन सत्र की घोषणा का समय करीब आ चुका है, इस लंबे अंतराल ने सभी का ध्यान खींचा है। इस असाधारण देरी के पीछे महिला आरक्षण कानून लागू करने के लिए प्रस्तावित परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक पर संसद का एक विशेष या विस्तारित सत्र बुलाने की संभावना भी एक बड़ा कारण मानी जा रही है, हालांकि सरकार ने अभी तक इसकी तारीख और अवधि घोषित नहीं की है। प्रस्तावित संविधान संशोधन के तहत, परिसीमन के माध्यम से लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों को बढ़ाकर अधिकतम 850 करने की योजना है। इसका मुख्य उद्देश्य 2029 के लोकसभा चुनावों से पहले संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का मार्ग प्रशस्त करना है। दक्षिणी राज्यों की चिंताओं को दूर करने के लिए, सरकार हर राज्य में लोकसभा सीटों की संख्या 50 प्रतिशत तक बढ़ाने या 1971 की जनगणना के आधार पर राज्यों के बीच सीटों का मौजूदा अनुपात बरकरार रखने जैसे विकल्पों पर विचार कर रही है, हालांकि इस पर अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। इस बीच, दिसंबर के पहले हफ्ते में शीतकालीन सत्र शुरू होने की संभावना है। मौजूदा सत्र को आगे बढ़ाने के लिए कम से कम दो दिन का नोटिस देना आवश्यक होता है, जबकि एक नया सत्र बुलाने के लिए कम से कम 14 दिन का नोटिस देना पड़ता है। ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि संविधान में किसी सदन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए जाने के कितने समय बाद उसका सत्रावसान होना चाहिए, इसकी कोई तय सीमा निर्धारित नहीं की गई है। इसलिए, लंबे समय तक सत्रावसान न करना अपने आप में किसी संवैधानिक या प्रक्रियागत नियम का उल्लंघन नहीं माना जाता। हालिया मानसून सत्र में संसद की उत्पादकता काफी कम रही। लोकसभा की कुल 19 बैठकें हुईं, जिनमें लगभग 114 घंटे कार्यवाही होनी थी। हालांकि, सदन की कार्यवाही केवल 17 घंटे 30 मिनट ही चली, जिससे लगभग 96 घंटे 30 मिनट का समय बर्बाद हुआ। इसी तरह, राज्यसभा में भी 114 घंटे की संभावित कार्यवाही में से केवल 37 घंटे 24 मिनट ही काम हो सका, यानी लगभग 76 घंटे 36 मिनट का समय बिना काम के बीत गया। यह सत्र विभिन्न मुद्दों पर हंगामे और व्यवधानों के कारण चर्चा से अधिक गतिरोध के लिए याद किया जाएगा।

चार मंजिला इमारत में लगी आग, दो बच्चों समेत आठ लोगों को बचाया

मुंबई, एजेंसी । दक्षिण मुंबई में रविवार तड़के चार मंजिला एक आवासीय इमारत में आग लगने के बाद दो बच्चों समेत आठ लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और इस दौरान दमकल विभाग का एक अधिकारी घायल हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि नवजीवन सोसाइटी के पास गिलदार लेन स्थित हीरा मंजिल इमारत की दूसरी मंजिल के एक कमरे में आधी रात के आसपास आग लगी और करीब पांच घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। अधिकारियों ने बताया कि दमकलकर्मियों ने तीसरी मंजिल पर फंसे एक पुरुष और दो महिलाओं को 'टर्नटेबल लैडर' की मदद से बचाया, जबकि पहली मंजिल से एक बुजुर्ग महिला को सीढ़ियों के रास्ते सुरक्षित बाहर निकाला। उन्होंने बताया कि चौथी मंजिल के एक कमरे में मौजूद एक पुरुष, एक महिला, एक लड़के और एक लड़की को भी सीढ़ियों के रास्ते निकाला गया।

तमिलनाडु में वीएस बाबू के निधन से खाली हुई कोलाथुर सीट से स्टालिन लड़ेंगे चुनाव?

-डीएमके के नेताओं और कार्यकर्ताओं की इच्छा स्टालिन दोबारा इस क्षेत्र से मैदान में उतरें

चेन्नई, एजेंसी । तमिलनाडु की कोलाथुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव की संभावना के चलते राजनीति हलचल तेज हो गई है। इस सीट से विधायक रहे वीएस बाबू के निधन के बाद यह सीट खाली हुई है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या डीएमके प्रमुख और पूर्व सीएम एमके स्टालिन एक बार फिर इसी सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। विधानसभा चुनाव में वीएस बाबू ने स्टालिन को हराकर बड़ा राजनीतिक उलटफेर किया था।
कोलाथुर सीट लंबे समय तक एमके स्टालिन का मजबूत राजनीतिक क्षेत्र रही है। वह 2011 से लगातार इस सीट का प्रतिनिधित्व कर रहे थे, लेकिन हालिया विधानसभा चुनाव में विजय की पार्टी टीवीके के उम्मीदवार वीएस बाबू ने उन्हें 8,795 मतों से पराजित कर दिया था। इस हार के साथ स्टालिन का लगातार जीत का सिलसिला टूट गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वीएस बाबू के निधन के बाद यह सीट फिर से चुनावी मुकाबले का केंद्र बन गई है। डीएमके के कुछ नेताओं और कार्यकर्ताओं की इच्छा है कि स्टालिन उपचुनाव में दोबारा इस सीट से मैदान में उतरें। पार्टी के सांसद सी रविंद्रन ने भी कहा है कि कार्यकर्ता अपने नेता



को कोलाथुर से चुनाव लड़ते देखना चाहते हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि इस बारे में अंतिम फैसला स्टालिन को ही करना है। आगामी उपचुनाव डीएमके और टीवीके दोनों के लिए अहम माना जा रहा है। डीएमके के पास इस सीट के जरिए अपनी खोई राजनीतिक जमीन वापस पाने का अवसर होगा। यदि स्टालिन खुद चुनाव लड़ते हैं और उन्हें फिर हार का सामना करना पड़ता है, तो इसका राजनीतिक असर उनकी पार्टी पर पड़ सकता है। दूसरी ओर टीवीके के लिए अपनी पिछली जीत को दोहराना चुनौती होगी। विधानसभा चुनाव में मिली बड़ी जीत के बाद उपचुनाव से यह भी पता चलेगा कि विजय की पार्टी अपना जनसमर्थन बनाए रखने में कितनी सफल रही।

अफगान स्पिनर नूर बोले- धोनी महान प्लेयर उन्हें सभी मिस करेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी भले ही अब आईपीएल में बतौर खिलाड़ी नजर नहीं आएंगे, लेकिन टीम के साथ मेंटर के रूप में उनकी मौजूदगी सीएसके के लिए काफी फायदेमंद साबित होगी। यह मानना है अफगानिस्तान के युवा स्पिनर नूर अहमद का। उन्होंने कहा कि धोनी की विकेट के पीछे शानदार विकेटकीपिंग और मैच फिनिश करने की क्षमता को टीम जरूर मिस करेगी, लेकिन उनका अनुभव और मार्गदर्शन खिलाड़ियों के लिए बेहद मददगार होगा। आईपीएल रिटेंशन की समयसीमा से पहले धोनी को चेन्नई सुपर किंग्स का मेंटर नियुक्त किया गया। इसके साथ ही आईपीएल में बतौर खिलाड़ी उनके शानदार सफर का अंत हो गया।



धोनी की स्टंपिंग और फिनिशिंग को करेंगे मिस

दुबई में जारी डीपी वर्ल्ड इंटरनेशनल लीग टी20 में दुबई कैपिटल्स की ओर से खेल रहे नूर अहमद ने पीटीआई से बातचीत में कहा, 'हर कोई उन्हें मिस करेगा, लेकिन उनकी नई भूमिका टीम की काफी मदद करने वाली है। मैं खुश हूं कि वह अब भी टीम के साथ जुड़े हुए हैं।' धोनी की किन खूबियों की कमी सबसे ज्यादा खलेगी, इस सवाल पर नूर ने कहा कि उनकी स्टंपिंग और मैच को शानदार तरीके से फिनिश करने की क्षमता को सबसे ज्यादा याद किया जाएगा।

21 वर्षीय नूर अहमद का मानना है कि दुनिया भर की टी20 लीग में खेलने से युवा खिलाड़ियों को काफी कुछ सीखने का मौका मिलता है। अलग-अलग टीमों के अनुभवी खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने से उनके खेल में निखार आता है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग देशों में खेलने से खिलाड़ियों को वहां की परिस्थितियों, मैदानों और मैच के दौरान पैदा होने वाली चुनौतियों को समझने का अनुभव मिलता है। इससे खिलाड़ियों की परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने की क्षमता बेहतर होती है।

परिस्थितियों के अनुसार ढलने वाली टीम को मिलेगा फायदा

नूर अहमद ने कहा कि इंटरनेशनल लीग टी20 में वही टीमें बेहतर प्रदर्शन करेंगी, जो जल्द से जल्द वहां की परिस्थितियों के अनुकूल खुद को ढाल लेंगी। कई खिलाड़ी लगातार क्रिकेट खेलने के बाद इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे हैं, ऐसे में खिलाड़ियों की फिटनेस और परिस्थितियों के अनुसार खेलने की क्षमता अहम होगी।

आधुनिक क्रिकेट में बड़े शॉट खेलने वाले बल्लेबाजों के बढ़ते प्रभाव और स्पिनरों के सामने आने वाली चुनौतियों पर नूर ने कहा कि गेंद को हवा में डालना भी स्पिन गेंदबाजों के लिए एक महत्वपूर्ण कला है। इससे गेंद की गति कम करने और बल्लेबाज को चकमा देने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में पिचें काफी सपाट होती हैं। ऐसे में स्पिनरों को टिके रहने और प्रभावी बने रहने के लिए हर तरह की विविधता का इस्तेमाल करना पड़ता है।

न्यूजीलैंड पर हार का खतरा मंडराया, भारत से 233 रन पीछे

वेलिंगटन, एजेंसी। भारतीय टीम ने वेलिंगटन टेस्ट के चौथे दिन पूरी तरह अपना दबदबा बनाए रखा। ऋषभ पंत के तूफानी शतक और ध्रुव जुरेल की शानदार अर्धशतकीय पारी की बदौलत भारत ने पहली पारी नौ विकेट पर 720 रन बनाकर घोषित की। इस तरह टीम इंडिया को पहली पारी के आधार पर 352 रन की विशाल बढ़त मिली। इसके जवाब में न्यूजीलैंड की दूसरी पारी में भी शुरुआत अच्छी नहीं रही। जसप्रीत बुमराह ने एक बार फिर कप्तान टॉम लाथम को खाता खोले बिना पवेलियन भेज दिया। दिन का खेल समाप्त होने तक न्यूजीलैंड ने दो विकेट पर 119 रन बना लिए थे। मेजबान टीम अभी भी भारत से 233 रन पीछे है और उसके सामने टेस्ट मैच बचाने की बड़ी चुनौती है।

पंत ने शतक से बदला मैच का रुख, भारत ने तेजी से बनाए रन

चौथे दिन भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में चार विकेट पर 486 रन से आगे खेलना शुरू किया। क्रीज पर ऋषभ पंत 55 रन बनाकर मौजूद थे, जबकि अंशुल कंबोज को अपना खाता खोलना बाकी था। भारत की नजर बड़ी बढ़त हासिल करने पर थी। पंत ने दिन की शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज अपनाया। उन्होंने अंशुल कंबोज के साथ मिलकर तेजी से रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट के लिए 68 रन की साझेदारी हुई। अंशुल कंबोज ने 42 गेंदों में 38 रन बनाए। उन्हें ग्लेन फिलिप्स ने डेवोन कॉनवे के हाथों कैच कराया।

इसके बाद पंत को ध्रुव जुरेल का साथ मिला। दोनों ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा। पंत ने ग्लेन फिलिप्स की गेंद पर चौका और अगली ही गेंद पर छक्का लगाकर अपने टेस्ट करियर का नौवां शतक पूरा किया। उनके शतक पूरा करते ही भारतीय ड्रेसिंग रूम में जश्न का माहौल बन गया। पंत ने अपने चिर-परिचित अंदाज में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए दर्शकों का खूब मनोरंजन किया।



भारत ने बनाए कई बड़े रिकॉर्ड

भारतीय टीम की 720 रन की पारी सिर्फ बड़ी बढ़त के लिहाज से ही खास नहीं रही, बल्कि इस दौरान कई रिकॉर्ड भी बने। भारत का यह विदेशी धरती पर टेस्ट क्रिकेट में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर रहा। इसके अलावा स्थह्व देशों यानी दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी भारतीय टीम ने अपना सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर बनाया।

इस पारी की एक अऔर बड़ी उपलब्धि शुरुआती सात विकेट के लिए लगातार 50 या उससे ज्यादा रन की साझेदारियां होना रही। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ। भारत की ओर से यशस्वी जायसवाल ने 85, केएल राहुल ने 136, देवदत्त पडिक्कल ने 80, शुभमन गिल ने 98 और ऋषभ पंत ने 128 रन बनाए। ध्रुव जुरेल ने 78 रन की पारी खेली। अंशुल कंबोज ने 38, वॉशिंगटन सुंदर ने 24 और आकाश दीप ने 13 रन का योगदान दिया।

न्यूजीलैंड की ओर से ग्लेन फिलिप्स सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने तीन विकेट लिए। रचिन रवींद्र को दो विकेट मिले, जबकि मैट हेनरी, काइल जेमीसन, जैकब डफी और नाथन स्मिथ ने एक-एक विकेट हासिल किया।

बुमराह ने फिर पहले ओवर में लाथम को किया आउट

352 रन की बड़ी बढ़त मिलने के बाद भारतीय गेंदबाजों के सामने न्यूजीलैंड को दूसरी पारी में जल्द समेटने की चुनौती थी। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने जसप्रीत बुमराह को गेंद थमाई और उन्होंने एक बार फिर कप्तान टॉम लाथम को अपना शिकार बनाया। बुमराह ने न्यूजीलैंड की दूसरी पारी के शुरुआती ओवर में ही लाथम को ऋषभ पंत के हाथों कैच करा दिया। लाथम दो गेंद खेलकर बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। खास बात यह रही कि न्यूजीलैंड की पहली पारी में भी बुमराह ने लाथम को पारी के शुरुआती ओवर में ही आउट किया था।इसके बाद डेवोन कॉनवे और हेनरी निकोल्स ने पारी को संभालने की कोशिश की। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी की। हालांकि, प्रसिद्ध कृष्णा ने निकोल्स को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ दिया। पहली पारी में 175 रन बनाने वाले निकोल्स दूसरी पारी में 59 गेंदों पर 31 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने तीन चौके लगाए। प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद उनके बल्ले का अंदरूनी किनारा लेकर जांघ से टकराई और शॉर्ट लेग पर खड़े ध्रुव जुरेल ने शानदार कैच लपक लिया।

जुरेल ने भी खेली शानदार पारी, 720 रन पर घोषित की पारी

ऋषभ पंत के आउट होने के बाद ध्रुव जुरेल ने जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने एक छोर पर टिककर बल्लेबाजी की और अपना तीसरा टेस्ट अर्धशतक पूरा किया। जुरेल ने वॉशिंगटन सुंदर के साथ भी उपयोगी साझेदारी की। वॉशिंगटन सुंदर ने 24 रन बनाए। उन्हें रचिन रवींद्र ने अपनी ही गेंद पर कैच किया। इसके बाद आकाश दीप ने भी तेज अंदाज में बल्लेबाजी की। उन्होंने पांच गेंदों में दो छक्कों की मदद से 13 रन बनाए, लेकिन ग्लेन फिलिप्स ने उन्हें टॉम लाथम के हाथों कैच करा दिया। दूसरी ओर जुरेल ने अपनी पारी जारी रखी। उन्होंने 79 गेंदों में सात चौकों और एक छक्के की मदद से 78 रन बनाए। 720 के स्कोर पर जुरेल का विकेट गिरते ही कप्तान शुभमन गिल ने भारतीय पारी घोषित कर दी। जसप्रीत बुमराह सात रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने नौ विकेट पर 720 रन बनाए और पहली पारी में 352 रन की बढ़त हासिल की।

कॉनवे का अर्धशतक, रचिन के साथ संभाली पारी

दो विकेट गिरने के बाद डेवोन कॉनवे और रचिन रवींद्र ने न्यूजीलैंड की पारी को संभाला। कॉनवे ने संयम के साथ बल्लेबाजी करते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने टेस्ट करियर का 14वां अर्धशतक लगाया। दिन का खेल समाप्त होने तक कॉनवे 59 रन और रचिन रवींद्र 27 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 59 रन की अटूट साझेदारी हो चुकी है। न्यूजीलैंड ने चौथे दिन का खेल खत्म होने तक दूसरी पारी में 45 ओवर में दो विकेट पर 119 रन बना लिए थे। टीम अभी भी भारत की पहली पारी के स्कोर से 233 रन पीछे है।

पांचवें दिन भारत के सामने पारी से जीत दर्ज करने का मौका

वेलिंगटन टेस्ट का पांचवां दिन बेहद रोमांचक होने वाला है। भारतीय टीम को पारी से जीत दर्ज करने के लिए न्यूजीलैंड के बाकी आठ विकेट हासिल करने होंगे। वहीं मेजबान टीम के सामने सबसे बड़ी चुनौती पूरे दिन बल्लेबाजी करके मैच बचाने की होगी।

भारत के पास 352 रन की विशाल पहली पारी की बढ़त है। ऐसे में अगर भारतीय गेंदबाज शुरुआती सत्र में विकेट निकालने में कामयाब रहते हैं तो न्यूजीलैंड पर दबाव और बढ़ सकता है। फिलहाल कॉनवे और रचिन की साझेदारी मेजबान टीम की उम्मीदों को जिंदा रखे हुए है। अब देखना दिलचस्प होगा कि पांचवें दिन भारतीय गेंदबाज न्यूजीलैंड की दूसरी पारी को कितनी जल्दी समेट पाते हैं या फिर कीवी बल्लेबाज संघर्ष करते हुए टेस्ट मैच बचाने में सफल होते हैं।

आलोचकों को दिया करारा जवाब

पंत बोले- अब छक्कों का जुनून नहीं, निरंतरता है प्राथमिकता

वेलिंगटन। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने कहा है कि अब उनके करियर का लक्ष्य सिर्फ छक्के लगाना या रिकॉर्ड बनाना नहीं, बल्कि अपने खेल में निरंतरता बनाए रखना और मैदान पर उतरते ही टीम के लिए प्रभावशाली प्रदर्शन करना है। पंत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में शानदार शतक लगाकर अपनी फिटनेस और फॉर्म को लेकर उठ रहे सवालों का करारा जवाब दिया। पंत ने रविवार को 153 गेंदों पर 128 रन की शानदार पारी खेली। इस दौरान उन्होंने यह भी उपलब्धि हासिल की कि वह स्थह्व देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) के चारों देशों में टेस्ट शतक लगाने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर बन गए हैं। इसके अलावा वह चारों स्थह्व देशों में टेस्ट शतक लगाने वाले छठे भारतीय बल्लेबाज भी हैं।

अब रिकॉर्ड नहीं, निरंतरता पर है ध्यान

टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में ब्रेंडन मैकुलम को पीछे छोड़कर दूसरे स्थान पर पहुंचने के सवाल पर पंत ने कहा कि बचपन में उन्हें खूब छक्के लगाने और बड़े रिकॉर्ड बनाने का शौक था, लेकिन अब उनकी सोच बदल गई है।

उन्होंने कहा, 'बचपन में निश्चित रूप से मेरे कुछ लक्ष्य हुआ करते थे, जिनमें खूब छक्के लगाना भी शामिल था। लेकिन अब अपने करियर के इस पड़ाव पर मैं इन चीजों के बारे में नहीं सोचता। मैं सिर्फ अपने खेल में निरंतरता लाना चाहता हूं और जहां भी खेलूं, वहां अपना प्रभाव छोड़ना चाहता हूं।'

टेस्ट क्रिकेट में धैर्य और मेहनत जरूरी

भारतीय टीम ने पहली पारी में नौ विकेट पर 720 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। पंत ने कहा कि विकेट बल्लेबाजी के लिए अच्छा था, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में हर दिन आसान परिस्थितियां नहीं मिलतीं। ऐसे में खिलाड़ियों को धैर्य के साथ लंबे समय तक मैदान पर टिके रहने की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि टीम के खिलाड़ी आपस में बातचीत करते हुए छोटे-छोटे पलों का आनंद लेते हैं और हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करते हैं। पंत ने भरोसा जताया कि भारतीय टीम पांचवें दिन न्यूजीलैंड के बाकी आठ विकेट हासिल कर सकती है।



न्यूजीलैंड में पहला टेस्ट शतक लगाना था खास

पंत ने न्यूजीलैंड की धरती पर अपना पहला टेस्ट शतक लगाने को खास उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि वह लंबे समय से यहां शतक लगाने का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'यह निश्चित रूप से एक अच्छी पारी थी। न्यूजीलैंड एक ऐसी जगह थी, जहां मैं शतक लगाना चाहता था। विकेट पर बल्लेबाजी आसान नहीं थी और सभी बल्लेबाज अच्छा खेल रहे थे। ऐसे में मेरा लक्ष्य ज्यादा से ज्यादा समय तक क्रीज पर टिके रहना और टीम के लिए योगदान देना था।'

छक्के से शतक पूरा करने का रहा है शौक

ऋषभ पंत ने बताया कि वह आमतौर पर छक्का लगाकर शतक पूरा करना पसंद करते हैं, लेकिन इस कोशिश में उन्होंने कई बार अपने शतक भी गंवाए हैं। इस बार उन्होंने धैर्य बनाए रखा और सही मौके का इंतजार किया। पंत ने कहा, 'जब भी मैं शतक के करीब होता हूं, तो कोशिश रहती है कि उसे छक्के से पूरा करूं। हालांकि, इस चक्कर में मैंने कई बार शतक गंवाए भी हैं। इस बार मैं धैर्य रख रहा था। लेकिन जब मिड ऑफ का फील्डर ऊपर आया, तो मुझे लगा कि यह सही मौका है और मैं छक्का लगा सकता हूं।' न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले पंत की फिटनेस को लेकर सवाल उठ रहे थे। साइड स्ट्रेन की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाने के कारण वह न्यूजीलैंड में खेले गए भारत ए के मुकाबलों में भी हिस्सा नहीं ले सके थे। ऐसे में पहले टेस्ट में उनकी 128 रन की पारी भारतीय टीम के लिए बड़ी राहत और पंत के आत्मविश्वास के लिहाज से अहम साबित हुई।

ओलंपिक मेजबानी की प्रक्रिया का हिस्सा होंगी उषा

नई दिल्ली। भारत की ओर से 2036 के ओलंपिक की मेजबानी पर दावा जताने के लिए अहम कड़ी आईओसी के फ्यूचर होस्ट कमीशन के समक्ष प्रस्तुतिकरण 26 नवंबर को होने जा रहा है। इस प्रस्तुतिकरण का हिस्सा आईओए अध्यक्ष पीटी उषा भी होंगी। खेल मंत्री मनसुख मांडविया की अगुवाई में होने जा रहे इस प्रस्तुतिकरण में सिर्फ उषा ही नहीं बल्कि आईओसी सदस्य नीता अंबानी, एथलीट कमीशन की चेयरपरसन पीवी सिंधू, खेल सचिव हरिरंजन राव, आईओए सीईओ रघु अय्यर, गुजरात के उप मुख्यमंत्री हर्ष सांघवी, गुजरात के प्रमुख सचिव डॉ. राहुल गुप्ता, गुजरात के शहरी विकास सचिव एम थेन्नारासन हिस्सा होंगे।

भारत-न्यूजीलैंड के बीच आखिरी मुकाबला ड्रॉ टीम इंडिया ने 1-0 से जीती तीन मैचों की सीरीज

ऑकलैंड। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की 'इंडिया-न्यूजीलैंड सेंचुरी ऑफ स्पोर्टिंग यूनिटी' सीरीज 1-0 से जीत ली। रविवार को खेले गए तीसरे और आखिरी मुकाबले में भारत ने मेजबान न्यूजीलैंड के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला। इसके साथ ही भारतीय टीम पूरी सीरीज में अजेय रही। भारत ने सीरीज के पहले मुकाबले में 19 नवंबर को न्यूजीलैंड को 3-2 से हराकर जीत के साथ शुरुआत की थी। इसके बाद दूसरे और तीसरे मैच में दोनों टीमों के बीच मुकाबला 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुआ।

पहले हाफ में भारत ने बनाई बढ़त

मेजबान न्यूजीलैंड ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। टीम को नौवें मिनट में डायलन थॉमस ने पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल कर 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, भारत ने जल्द ही वापसी की। कप्तान संजय ने 16वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके दो मिनट बाद ही कार्थी सेल्वम ने 18वें मिनट में शानदार फील्ड गोल दागकर भारत को 2-1 से आगे कर दिया। भारतीय टीम ने इसके बाद अपनी बढ़त कायम रखी और मुकाबले के अंतिम चरण तक बढ़त बनाए रखी।



55वें मिनट में न्यूजीलैंड ने की बराबरी–मैच के 55वें मिनट में न्यूजीलैंड ने वापसी करते हुए स्कोर 2-2 कर दिया। बेनजी कल्हेन ने फील्ड गोल कर मेजबान टीम को बराबरी पर ला दिया। आखिरी मिनटों में दोनों टीमों ने निर्णायक गोल करने की कोशिश की, लेकिन किसी को सफलता नहीं मिली और मुकाबला 2-2 से ड्रॉ समाप्त हुआ।

सैंडपेपर पर नहीं थम रहा विवाद

बॉयकॉट बोले- पूरी टीम ने मिलकर की थी बेईमानी

नई दिल्ली। क्रिकेट जगत में 2018 के चर्चित बॉल टेंपरिंग विवाद यानी 'सैंडपेपरगेट' को लेकर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। इंग्लैंड के पूर्व सलामी बल्लेबाज सर ज्योफ्री बॉयकॉट ने इस मामले को क्रिकेट इतिहास का सबसे बड़ा घोटाला करार दिया है। उनका मानना है कि ऑस्ट्रेलिया का यह विवाद दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान हैंसी क्रोन्ये से जुड़े मैच फिक्सिंग प्रकरण से भी ज्यादा गंभीर था। बॉयकॉट ने आरोप लगाया कि इस साजिश में ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि कोचिंग स्टाफ भी शामिल था।

ख्वाजा के दावों को कमिंस ने नकारा

दरअसल, आठ साल पहले 2018 में ऑस्ट्रेलिया के दक्षिण अफ्रीका दौरे पर केपटाउन टेस्ट के दौरान गेंद से छेड़छाड़ का मामला सामने आया था। इस विवाद ने पूरी दुनिया में क्रिकेट को शर्मसार कर दिया था। अब ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा की आत्मकथा 'सब्र' में किए गए खुलासों के बाद यह मामला फिर चर्चा में है। ख्वाजा ने अपनी किताब में दावा किया है कि गेंद पर सैंडपेपर का इस्तेमाल करने की योजना के बारे में पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को जानकारी थी। पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने भी इस दावे का समर्थन किया है।



विवाद उस समय और गहरा गया, जब ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान पैट कमिंस ने करीब 70 मिनट तक मीडिया के सवालों का जवाब दिया और अपने इस रुख पर कायम रहे कि उन्हें गेंद से छेड़छाड़ की योजना की कोई जानकारी नहीं थी। वहीं, इस मामले में सजा पाने वाले तीन खिलाड़ियों में शामिल कैमरन बैनक्रॉफ्ट ने भी 'द वेस्ट ऑस्ट्रेलियन' में एक लेख लिखकर ख्वाजा के दावे का समर्थन किया।ज्योफ्री बॉयकॉट ने 'द टेलीग्राफ' में अपने कॉलम में लिखा कि सैंडपेपरगेट विवाद 25 साल से भी पहले दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट को हिला देने वाले हैंसी क्रोन्ये के मैच फिक्सिंग मामले से कहीं बड़ा है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट में उन्होंने इससे बड़ा घोटाला न तो पढ़ा है और न ही देखा है। बॉयकॉट के मुताबिक, क्रोन्ये के मामले में मुख्य रूप से कुछ युवा खिलाड़ियों हर्शल गिब्स और हेनरी विलियम्स को अपनी साजिश में शामिल किया गया था। टीम के बाकी खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ को इसकी जानकारी नहीं थी। इसके उलट, सैंडपेपरगेट में पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम और कोचिंग स्टाफ की भूमिका होने का दावा किया गया है।उन्होंने लिखा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाड़ी और कोच इस योजना में पूरी तरह शामिल थे। इसके बाद मामले को छिपाने की कोशिश की गई और तीन खिलाड़ियों को ही इसका जिम्मेदार ठहराकर बाकी लोगों को बचा लिया गया। बॉयकॉट ने इसे हैरान करने वाला और अविश्वसनीय बताया। बॉयकॉट ने इस विवाद में तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ और डेविड वॉर्नर को मिली सजा को भी कम बताया। उनका मानना है कि दोनों खिलाड़ियों पर पांच साल का प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि यह कोई अचानक हुई घटना नहीं थी, बल्कि दो टेस्ट मैचों में जीत हासिल करने के लिए सुनियोजित तरीके से गेंद से छेड़छाड़ की कोशिश की गई थी।



टाइप कास्टिंग तोड़ना हम एक्टर्स के हाथ नहीं

हिंदी सिनेमा में निरूपा राय, रीमा लागू, फरीदा जलाल जैसी अदाकाराओं ने मां की भूमिका को पर्दे पर अमर बनाया है। इसी कड़ी में अब ऐक्ट्रेस आयशा रजा मिश्रा भी बॉलिवुड की चहेती मां बन चुकी हैं। वीरे दी वेडिंग, तू झूठी मैं मक्कार, गुंजन सक्सेना : द कारगिल गर्ल, सोनू की टीटू की स्वीटी जैसी कई चर्चित फिल्मों में मां की यादगार भूमिका निभाने वाली आयशा रजा इन दिनों अपनी फैमिली फिल्म मीठे में क्या है में भी मम्मी अमृता के किरदार के लिए चर्चा में हैं। हालांकि, प्रतिभावान ऐक्ट्रेस होने के बावजूद लगातार मां के रूप में टाइपकास्ट होने पर वह कहती हैं, 'ये टाइप कास्टिंग तोड़ना हम ऐक्टर्स के हाथ में नहीं है। इसके लिए किसी डायरेक्टर को आप पर भरोसा जताकर वो अलग किरदार देना पड़ेगा।'

काम को लेकर नाशुक्रा नहीं होना चाहिए

बकौल आयशा रजा मिश्रा, 'मैं अक्सर मनोज भाई (मनोज पाहवा) का उदाहरण देती हूं, क्योंकि उनको भी बहुत समय तक पंजाबी, कॉमिडी अंकल वाले रोल में टाइपकास्ट किया गया। हम साथ में कई फिल्में करते हैं तो हम यही रोते रहते हैं कि मैं पंजाबी मम्मी, वो पंजाबी पापा। हम आपस में यह बहुत डिस्कस करते हैं। फिर अनुभव सिन्हा जैसे डायरेक्टर फिल्म मुल्क में मनोज पाहवा को ऐसे रोल में लेते हैं कि सारे प्रड्यूसर कहते हैं कि वह बहुत बड़ी गलती कर रहे हैं। ऑडियंस उन्हें इस रोल में एक्सेप्ट ही नहीं करेगी, क्योंकि लोगों की नजर में वह कमीडियन हैं, मगर अनुभव सिन्हा ने कहा कि मैं जानता हूं कि मनोज कितना कमाल का अभिनेता है और मेरे लिए वह क्या कर सकता है। वही हुआ, लेकिन आपको वह एक डायरेक्टर चाहिए जिसमें वो विजन हो और जो आप पर वह भरोसा जताए।'

स्टेज पर भड़ास निकालेंगे

उन्होंने आगे कहा, 'इसके बावजूद, मैंने अपने पति (ऐक्टर कुमुद मिश्रा) से सीखा है कि आपको कभी भी नाशुक्रा नहीं होना चाहिए। हम कम से कम काम कर रहे हैं, जबकि हमसे कहीं ज्यादा टैलंटेड ऐक्टर्स सिर्फ एक मौके का इंतजार कर रहे हैं। हमें कम से कम इतने मौके मिल रहे है तो उसे सर्वश्रेष्ठ ढंग से निभाइए। उसे एंजॉय कीजिए और उसी में कुछ नया करने की कोशिश कीजिए। बाकी तकदीर अच्छी रही तो अलग रोल भी मिलेंगे और अगर नहीं मिले तो हमारे पास स्टेज है। हम वहां अपनी भड़ास निकालेंगे। मगर हम उस स्थिति में हैं कि हमें काम मिल रहा है, वो भी एक आशीर्वाद है। आप किलसकर, दुखी होकर काम नहीं कर पाएंगे।'

घर की मजबूत औरतों का रहा प्रभाव

आयशा रजा जोहरा सहगल और उजरा बट जैसी दिग्गज अदाकाराओं की नवासी हैं। इन सशक्त महिलाओं का उन पर कितना प्रभाव रहा? यह पूछने पर वह कहती हैं, 'बहुत प्रभाव पड़ा। मेरी नानी और दादी दोनों कामकाजी थीं। मेरी दादी बीबीसी उर्दू सर्विस की दुनिया की पहली महिला न्यूज रीडर थीं। मेरी नानी हाजरा बेगम एक स्वतंत्रता सेनानी थीं। प्रगतिशील लेखक संघ की सदस्या थीं। मेरे घर में कृशन चंदर, कैफी आजमी अक्सर आया करते थे तो मैं वो देखकर बड़ी हुई हूं। मेरी नानी की दो बहनें थीं, जोहरा सहगल और उजरा बट, जो पर्दा करने वाले परिवारों से थीं।'

रूढ़िवादी परिवार से निकलकर रास्ता बनाया

उन्होंने कहा, 'उस रूढ़िवादी परिवार से निकलकर उन्होंने कहा कि हमें डांसर बनना है। हमें ऐक्टिंग करनी है। हम थिएटर करना चाहते हैं। फिर जोहरा ने अपने पिता से कहा कि मुझे एक हिंदू लड़के से शादी करनी है जो मुझसे 8 साल छोटा है। सन 1930 में इस बात के लिए राजी होना बड़ी बात थी। फिर मेरी मां ने अपनी मौसी लोगों को देखकर थिएटर किया, ऐक्टर बनी, तो मेरे लिए तो सारे रास्ते पहले से खुले हुए थे। सच कहूं तो मुझे लगता है कि मैं इतना कुछ नहीं कर पाई हूं क्योंकि उन लोगों ने मेरे लिए सारे दरवाजे रख दिए थे तो मेरे लिए ज्यादा मसला है कि मैं अपने लिए नई चुनौतियां ढूंढूं। अपने को एक्सप्लोर कर पाऊं, तो उनकी ये विरासत मेरे लिए बहुत अहम हैं।'



'ईठा' के गाने 'जी जी रे जी' के लिए श्रद्धा कपूर ने पारंपरिक डांस फॉर्म लावणी सीखा

अभिनेत्री श्रद्धा कपूर अपनी आने वाली फिल्म 'ईठा' के गाने 'जी जी रे जी' में लावणी करती नजर आएंगी। इस गाने के लिए उन्होंने महाराष्ट्र के पारंपरिक डांस फॉर्म लावणी को सीखा और उसकी बारीकियों को समझने की कोशिश की। श्रद्धा ने इसे अपने लिए बेहद रोमांचक अनुभव बताया। उनका कहना है कि लावणी की लय, हाव-भाव और ऊर्जा ऐसी है, जो सीधे दर्शकों से जुड़ती है, हालांकि इस गाने के जरिए एक दिग्गज कलाकार की दुनिया में कदम रखना उनके लिए जितना खास था, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी रहा। श्रद्धा कपूर ने गाने को लेकर कहा, ''ईठा के किरदार में 'जी जी रे जी' पर परफॉर्म करना मेरे लिए बेहद रोमांचक अनुभव रहा। लावणी में कुछ ऐसा है, जो आपको तुरंत अपनी ओर खींच लेता है। इसकी लय, हाव-भाव, ऊर्जा और दर्शकों से जुड़ने का अंदाज बहुत खास है। मुझे इस गाने के जरिए एक महान कलाकार की दुनिया में कदम रखना बहुत अच्छा लगा, लेकिन इसे लेकर मन में डर भी था।'' उन्होंने कहा, ''इस गाने के पीछे एक बहुत खास कहानी है, जो उस महान कलाकार की जिंदगी में एक बड़ा मोड़ लेकर आती है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस गाने के जरिए उस कहानी को पर्दे पर उतारने के लिए की गई हमारी मेहनत को महसूस कर पाएंगे।''

फिल्म के म्यूजिक को तैयार करने वाले मशहूर संगीतकार जोड़ी अजय-अतुल ने बताया कि 'ईठा' जैसी फिल्म में संगीत सिर्फ बैकग्राउंड तक सीमित नहीं रह सकता। उसे किरदारों, कहानी की दुनिया और भावनाओं का हिस्सा बनना जरूरी है। 'जी जी रे जी' फिल्म 'ईठा' का पहला गाना है, जिसके जरिए दर्शकों को फिल्म की रंगीन और संगीतमय दुनिया की पहली झलक देखने को मिलेगी। इस गाने को राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता संगीतकार जोड़ी अजय-अतुल ने कंपोज और प्रोड्यूस किया है।



मुरैमामन विवाद पर कीर्ति सुरेश ने दी सफाई

अभिनेत्री कीर्ति सुरेश आगामी तमिल कोर्टरूम ड्रामा फिल्म 'सत्यवान सावित्री' में युवा वकील की भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म के प्री-रिलीज इवेंट के दौरान अभिनेत्री ने सीरीज 'अक्का' के प्रमोशन के दौरान राधिका आप्टे द्वारा दक्षिण भारत में प्रचलित मुरैमामन प्रथा को लेकर दिए गए बयान पर सफाई दी। दरअसल, नेटफ्लिक्स सीरीज 'अक्का' के प्रमोशन के दौरान अभिनेत्री राधिका आप्टे ने कीर्ति सुरेश के साथ एक इंटरव्यू में एक तेलुगु फिल्म का अनुभव शेयर किया था, जिसमें उन्होंने फिल्म के अनुभव को अपने करियर का सबसे मुश्किल किरदार बताया, जिसमें उनके किरदार को अपने मामा से शादी करनी थी। उन्होंने कहा कि उन्हें उस अनुभव की हर बात नापसंद थी और एक पितृसत्तात्मक माहौल में अपने से काफी बड़े अभिनेता के साथ रोमांस करना उनके लिए सबसे कठिन रहा। प्री-रिलीज इवेंट में कीर्ति सुरेश से पूछा गया था कि वो खुद को किस फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा मानती हैं क्योंकि उन्होंने तमिल, तेलुगु, मलयालम और हिंदी में काम किया है। एक्ट्रेस ने जैसे ही साफ किया कि वो खुद को एक साउथ एक्ट्रेस मानती हैं, कीर्ति सुरेश का ध्यान हाल ही में एक्ट्रेस राधिका आप्टे के साथ दिए गए उनके एक जॉइंट इंटरव्यू की तरफ दिलाया गया, जिसमें राधिका के एक सवाल के जवाब में दक्षिण भारत में प्रचलित मुरैमामन संस्कृति (चाचा द्वारा अपनी भतीजी से शादी करने की प्रथा) का जिक्र किया गया था। सोशल मीडिया पर तेलुगु और तमिल सिनेमा के फैंस ने इस जवाब की आलोचना की थी क्योंकि कई लोगों को लगा था कि इसका लहजा नीचा दिखाने वाला था। कीर्ति सुरेश से पूछा गया कि जब वे खुद को साउथ सिनेमा की एक्ट्रेस मानती हैं, तो उन्होंने चीजों को सही तरीके से समझाने के लिए आगे आकर कदम क्यों नहीं उठाया, जिसके बाद अभिनेत्री ने स्पष्ट किया कि शुरुआत में उन्हें समझ नहीं आया था कि राधिका आप्टे फिल्म में मामा से शादी करने की बात किस संदर्भ में कह रही हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें बाद में अहसास हुआ कि राधिका एक सांस्कृतिक परंपरा का जिक्र कर रही हैं। कीर्ति सुरेश ने कहा, 'सच कहूं तो शुरुआत में मुझे समझ ही नहीं आया कि वो क्या कह रही हैं और फिर मुझे समझ आया कि वो हमारी संस्कृति के बारे में बात कर रही हैं। जैसे ही मुझे एहसास हुआ कि उन्हें इस संस्कृति के बारे में पता नहीं है, मैंने समझाने की कोशिश की कि ये दक्षिण भारत की एक संस्कृति है।' इवेंट के दौरान जब एक्ट्रेस को उनके इस जवाब के बारे में बताया गया कि ये प्रथा सिर्फ तमिल और तेलुगु में है लेकिन मलयालम में नहीं, तो उन्होंने कहा, 'हां, मैंने ऐसा कहा था। मैं संस्कृति की बात कर रही थी क्योंकि वो संस्कृति केरल में नहीं है। पूरे सम्मान के साथ क्योंकि मैं वहां की संस्कृति को कभी नीचा नहीं दिखाऊंगी।'

उन्होंने कहा, 'मैं उन्हें ये साबित नहीं कर सकती कि ये एक परंपरा है और आप इसके बारे में बात नहीं कर सकते। इसलिए मैंने उन्हें समझाने की कोशिश की, ये कहते हुए कि ऐसा तमिलनाडु और आंध्र में होता है।



मैसा में दिखेगी पिता और बेटी के रिश्ते की दिल छू लेने वाली कहानी

मैसा में रश्मिका मंदाना बिल्कुल नए और पहले कभी नहीं देखे गए अंदाज में नजर आएंगी। यह भारत की पहली महिला-केंद्रित पैन-इंडिया फिल्मों में से एक है, जिसमें जबरदस्त एक्शन के साथ पिता और बेटी के रिश्ते की दिल छू लेने वाली कहानी भी देखने को मिलेगी। यह फिल्म 27 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म के हाल ही में रिलीज हुए टीजर को देश भर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। दर्शकों से लेकर आलोचकों तक से फिल्म ने अपनी रॉ एनर्जी, ग्रैंड स्केल और इंटेंस एटमॉस्फियर के लिए खूब तारीफ अपने नाम की है। सबसे ज्यादा खास बात यह है कि इस चीज ने मैसा को एक अनोखे सिनेमैटिक कहानी में स्थापित कर दिया है। बहुत सी भारतीय फिल्म मास एक्शन ड्रामा की कहानी में मजबूत मां और बेटे के रिश्ते को दिखाती हैं, जैसे बाहुबली और चत्रस्र, लेकिन मैसा इससे अलग है क्योंकि इसमें मेकर्स नए और एक मजबूत भावनात्मक पक्ष को पेश करने वाले हैं।

दरअसल, फिल्म में आदिवासी भूमि की पृष्ठभूमि पर बाप और बेटी के बीच की मजबूत जोड़ी देखने मिलने वाली है। मैसा की रिलीज में अब सिर्फ 9 दिन बचे हैं, ऐसे में इसे देखने को लेकर हर तरफ उत्साह सातवें आसमान पर पहुंच चुका है। उत्साह के सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए, मेकर्स ने एक नया पोस्टर रिलीज किया है जिसमें फिल्म की दुनिया की झलक देखी जा सकती है। फिल्म के गहरे इमोशंस को खुद में कैद करने वाले पोस्टर को शेयर करते हुए टीम ने लिखा है: बड़े पर्दे पर बाप और बेटी के खूबसूरत रिश्ते और उनके इमोशन्स को देखने के लिए अब सिर्फ 9 दिन बाकी हैं। मैसा 27 नवंबर को सिनेमाघरों में होगी रिलीज।

नए पोस्टर ने फिल्म के लिए सही टोन सेट कर दिया है। जबसे, फिल्म का टीजर रिलीज हुआ है, तब से देश भर में मौजूद दर्शक इसकी चर्चा करने से खुद को रोक नहीं पा रहे हैं। बहुत सी भारतीय फिल्म मास एक्शन ड्रामा की कहानी में मजबूत मां और बेटे के रिश्ते को दिखाती हैं, जैसे बाहुबली और चत्रस्र, लेकिन मैसा इससे अलग है क्योंकि इसमें मेकर्स नए और एक मजबूत भावनात्मक पक्ष को पेश करने वाले हैं। दरअसल, फिल्म में आदिवासी भूमि की पृष्ठभूमि पर बाप और बेटी के बीच की मजबूत जोड़ी देखने मिलने वाली है।

मनोज बाजपेयी स्टारर सुधीर मिश्रा और अनुभव सिन्हा की फिल्म की पूरी हुई शूटिंग

मुंबई अनुभव सिन्हा के प्रोडक्शन में बनारस मीडिया वर्क्स के बैनर तले बनी यह मच अवेटेड फिल्म भारतीय इतिहास के कम जानें जाने वाले 21 दिनों की कहानी दिखाएगी। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और इसके साथ ही फिल्म ने एक बड़ा पड़ाव भी पार कर लिया है। सुधीर मिश्रा द्वारा डायरेक्टेड और अनुभव सिन्हा द्वारा प्रोड्यूस फीचर फिल्म की जबसे घोषणा हुई है, तब से प्रोजेक्ट के इर्दगिर्द दर्शकों का उत्साह बढ़ता हुआ देखने मिल रहा है। यह कहानी भारत की आजादी के पहले की है, उन 21 दिनों की जिसके बारे में शायद ही कोई जानता है। फिल्म में महात्मा गांधी का किरदार नेशनल अवॉर्ड विनर मनोज बाजपेयी पहली बार निभाते नजर आने वाले हैं। अब जब फैंस बेसब्री से बापू के किरदार में एक्टर को देखने का इंतजार कर रहे हैं, ऐसे में उनकी एक तस्वीर ऑनलाइन लीक हुई है।



स्टार्टअप की दुनिया और फिल्म इंडस्ट्री में काफी समानता

अभिनेता अमित साध ने फिल्मों में काम करते हुए कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। कभी किसी फिल्म ने उन्हें नई पहचान दी, तो कभी किसी प्रोजेक्ट से उम्मीद के मुताबिक नतीजे नहीं मिले। अब वह बिजनेस रियलिटी शो 'कल के करोड़पति - शुभ लाभ' से जुड़े हैं। उनका मानना है कि फिल्म इंडस्ट्री और स्टार्टअप की दुनिया भले ही अलग-अलग हों, लेकिन दोनों में मेहनत, जोखिम और अनिश्चितता काफी हद तक एक जैसी है। यहां भी लोग सालों तक अपने सपने पर काम करते हैं और फिर एक ऐसे मौके का इंतजार करते हैं, जो उनकी जिंदगी बदल सकता है। अमित साध इस शो में होस्ट और मेंटर की भूमिका निभाते नजर आएंगे। शो से जुड़ने के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए अभिनेता ने बताया कि यहां उन्हें स्टार्टअप फाउंडर्स, निवेशकों और उद्यमियों से सीधे मिलने और उनकी जिंदगी को करीब से समझने का मौका मिला। उन्होंने कहा कि इन लोगों की कहानियां सुनकर उन्हें इंडस्ट्री में अपने सफर की याद आई।

अमित ने कहा, ''इस शो के लिए मुझसे प्रणव ने संपर्क किया था। वह चाहते थे कि मैं सिर्फ एक होस्ट बनकर शो का हिस्सा न बनूं, बल्कि अपने निजी सिद्धांतों और जीवन में अपनाए गए मूल्यों को भी इसमें लेकर आऊं। मुझे यह विचार पसंद आया और मैंने इस प्रोजेक्ट से जुड़ने का फैसला किया।'' शो के अनुभव को लेकर अमित ने कहा, ''मेरा अनुभव बहुत अच्छा रहा। स्टार्टअप फाउंडर्स, निवेशकों और उद्यमियों के साथ बातचीत के दौरान मुझे उनकी जिंदगी की कहानियों, संघर्ष और चुनौतियों को करीब से महसूस करने का मौका मिला। मैंने फिल्म इंडस्ट्री और स्टार्टअप की दुनिया, दोनों को एक ही नजर से देखा, क्योंकि दोनों जगह बहुत कुछ हिट और मिस पर निर्भर करता है। एक फिल्म आपको ऊपर उठा देती है, तो दूसरी आपको तोड़ भी सकती है।''

अभिनेता ने आगे कहा, ''स्टार्टअप फाउंडर्स को अपने आइडिया निवेशकों के सामने पेश करते देखकर मुझे उनके पीछे की मेहनत का अंदाजा हुआ। किसी बिजनेस आइडिया को एक प्रेजेंटेशन में समझाना आसान नहीं होता। उसके पीछे कई सालों की तैयारी, मेहनत और उम्मीदें जुड़ी होती हैं। जब मैंने इन लोगों को अपने काम के बारे में बताते देखा, तो मुझे लगा कि यह भी उनकी अपनी जिंदगी की कहानी है। जिस तरह एक अभिनेता किसी फिल्म के लिए लंबे समय तक मेहनत करता है, उसी तरह एक उद्यमी भी अपने आइडिया को हकीकत में बदलने के लिए लगातार कोशिश करता है।'' अमित ने कहा, ''मुझे उम्मीद है कि 'कल के करोड़पति - शुभ लाभ' देशभर के दर्शकों से जुड़ पाएंगे। इस शो में सिर्फ बिजनेस और निवेश की बातें नहीं हैं, बल्कि इसमें लोगों के सपने, भावनाएं और सफलता पाने के लिए किए गए संघर्ष भी देखने को मिलेंगे।



श्रृंगार

आपके व्यक्तित्व में लगाए चार चांद



शादियों का मौसम शुरू हो गया है। ऐसे में सजने-संवरने की आकांक्षा को पंख लग ही जाते हैं। कुछ बातों का ध्यान रख कर आप ऐसे मौसम में अपनी खूबसूरती को और निखार सकती हैं। पारंपरिक श्रृंगार आपके रूप-रंग में चार-चांद लगा देते हैं। यदि आप भी पारंपरिक रंग में अपने आप को रंगने की सोच रही हैं तो ऐसे मौके पर लहंगा, साड़ी या सूट को अपने लिए चुन सकती हैं।

परफेक्ट शुरुआत के लिए सबसे पहले फेस प्राइमर लगाएं। इसे लगाने से चेहरे की छोटी-छोटी खामियां जैसे फाइन लाइन्स, ओपन पोर्स और पिट्स भर जाएंगे और मेकअप भी लंबे समय तक टिका रहेगा। सर्दियों के इस मौसम में बेस ऐसा हो, जो आपकी त्वचा को फ्लॉलेस लुक देने के साथ-साथ उसे मॉइश्चराइज भी करें। ऐसे में फाउंडेशन के तौर पर टिंटिड मॉइश्चराइजर लगाएं। इससे त्वचा मुलायम हो जाएगी और ग्लोइंग नजर आएगी। त्वचा पर यदि कोई एक्ने या स्कॉर्स है तो उसे कंसीलर की मदद से कंसील कर लें।

अपनी त्वचा टोन से मैच करता ब्लशऑन लगाएं। जैसे गोरे मुखड़े पर पिंक कलर का ब्लशऑन इस्तेमाल करें और यदि सांवली हैं तो आप पर पीच शेड का ब्लशर बहुत अच्छा लगेगा। नाक के दोनों साइड, चीक्स बोंस और डबल चिन को छुपाने के लिए डार्क ब्राउन शेड के ब्लशऑन से कॉन्टोरिंग कर लें। इससे आपका फेस पतला नजर आएगा। चीक्स बोन्स पर हाइलाइटर जरूर इस्तेमाल करें।

इन दिनों ऑरेंज, रेड और वाइन शेड काफी चलन में हैं। अपनी आंखों को इन शेड्स से सजाएं और आईब्रोज के नीचे वनीला शेड से हाइलाइट करें। ये इस मौसम में और भी खूबसूरत लगेंगे। इसलिए आई-मेकअप करते वक्त इन्हें जरूर शामिल करें। अपनी आंखों को ब्लैक जैल आइलाइनर से खूबसूरत शेप दें और आंखों में काजल जरूर लगाएं।

इस मौके पर आंखों के आउटर या इनर कॉर्नर पर स्वरोस्की का इस्तेमाल करने से आई-मेकअप और भी खूबसूरती से उभर कर आएगा। पलकों पर मसकारा का डबल कोट लगाकर उन्हें लंबा व खूबसूरत दिखाएं।

लिप्स का पूरा ध्यान रखें

आंखों पर डार्क मेकअप करने के बाद लिप्स पर ब्रॉन्ज या रस्ट शेड की लिपस्टिक लगाएं। इसके बाद लिप सीलर से लिप्स को सील कर दें। इसे लगाने से लिपस्टिक देर तक टिकी रहेगी और लिप्स शाइन भी करेंगे। अपने श्रृंगार में पूरी तरह ट्रेडिशनल लुक लाने के लिए बिंदी भी लगा सकती हैं। ब्रेड्स इन दिनों काफी चलन में हैं। बालों में फिशटेल, फ्रेंच चोटी या साइड चोटी बनाएं और चोटी को स्वरोस्की जडिम्त हेयर एक्सेसरीज से सजाएं। बालों में कलर्स करवाकर उसे खुले छोड़ सकती हैं। फ्रंट से हाई पफ बनाकर एक साइड से टक कर लें और दूसरे साइड पर कलर्स रख लें। टक करने के लिए हेयर एक्सेसरीज का इस्तेमाल करें।



ठंडक बढ़ने लगी है तो आपने स्वेटर और जैकेट भी निकाल लिए होंगे, लेकिन फैशन के इस युग में स्टोल्स भी खूब आकर्षित करते हैं।

जब सर्दी में स्टाइलिश दिखना हो लाएं स्टोल

जब लगने लगे हल्की सर्दी या ठंडी हवाओं से बचाना हो कान और सिर को या फिर देना हो स्वेटर्श के साथ स्टाइलिश लुक तो नजर डालें स्टाइलिश स्टोल्स व मफलर्स पर।

कैसे-कैसे स्टोल्स

ठंडी पुरवाई चलने लगी है। अब बिना गरम कपड़ा ओढ़े भला कैसे रहा जा सकता है। ये बात और है कि इस मौसम में किसी को जैकेट लुभाती है तो किसी को हाई नेक व स्वेटर पसंद आते हैं। सर्दियों की ड्रेसिंग की बात करें तो एक ऐसी ड्रेस भी है, जो शान बढ़ाती है। जी हां, वह है स्टोल व मफलर्स। स्टोल न सिर्फ जीन्स, टॉप, ट्राउजर व कोट पर अच्छे लगते हैं, बल्कि सूट और साड़ी के साथ भी जंचते हैं और यही नहीं, ट्रेंडी वेस्टर्न आउटफिट्स जैसे ईवनिंग गाउंस और सिंगल पीस ड्रेसेस पर भी खूब लगते हैं स्टोल्स। जितना पोशाक की शान बढ़ाते हैं, उससे कहीं ज्यादा वैरायटी इनके आकार, रूप, डिजाइन और स्टाइल में भी उपलब्ध है। पोंचो स्टाइल, मफलर स्टाइल, चोकोर आकार वाले, शालनुमा स्टोल आदि। विभिन्न फैब्रिक जैसे सिल्क, पश्मीना, शनील, वुलन, नेट आदि प्योर व मिक्स, सभी तरह के फैब्रिक में प्रिंटेड तथा एम्ब्रॉयडेड, दोनों प्रकार के उपलब्ध हैं। ये बुने हुए, हैंडवर्क, मशीन वर्क वाले अनेक रंगों में उपलब्ध हैं।

कीमत भी अधिक नहीं

स्टोल का इस फैशनेबल युग में इतना ज्यादा चलन है कि यह हर तरह के बाजार की जान हैं। यह सरोजनी नगर, जनपथ से लेकर ब्रांडेड शॉप्स, डिजाइनर शो रूम्स, यहां तक कि स्टेट एम्पोरियम, फेयर आदि में भी खूब मिलते हैं। स्टोल के बारे में आपको बजट को लेकर ज्यादा सोचने की आवश्यकता नहीं, क्योंकि यह कम बजट में भी उपलब्ध हैं। यह औसतन 200 रुपए से लेकर 1500 रुपए तक काफी वैरायटी में मिल जाते हैं। स्टोल के संबंध में डिजाइनर अनुराधा राममम कहती हैं कि गले में डालने वाले वे स्टोल बहुत खूबसूरत लगते हैं, जो सामने ट्राईएंगल शेप देते हैं। वैसे इस साल नए डिजाइन में आप मल्टी डाइंग, मल्टी पैचिंग वाले बोल्ड कलर्स में स्टोल ट्राई कर सकते हैं।

मफलर स्टाइल

लड़कों में तो मफलर का चलन काफी समय से है। समय के साथ इनके रंग पैटर्न और डिजाइन में बदलाव आता रहा है। आजकल चौक, धारियों, एब्सट्रैक्ट आदि के विभिन्न डिजाइन वाले मफलर युवाओं में कोट के साथ भी डैशिंग लुक देते हैं। लड़कों के मफलर साइज के स्टोल युवा लड़कियों के लिए भी ट्रेंड में हैं। इनमें वैरायटी भी खूब है। नेट का आजकल काफी फैशन है, फिर चाहे सूट हो, साड़ी हो या टॉप ही क्यों न हो, भला स्टोल इनसे अछूते कैसे रह सकते हैं। इनमें नेट पर वेलवेट या वेलवेट मिक्स यानी वेलवेलीन और वुलन के सामंजस्य से बेहद आकर्षक स्टोल आज की शान बने हुए हैं। इनमें सिकुईस और बीड वर्क या स्पार्कल वर्क हो तो ये पार्टी के लिए भी काफी उपयुक्त होते हैं। इन मफलर स्टाइल में कुछ ऐसे भी होते हैं, जिन्हें युवा लड़के-लड़कियां, दोनों ओढ़ सकते हैं। खादी वुलन के बुने हुए शॉलनुमा यह शॉल से थोड़े छोटे आकार के होते हैं। इनकी लम्बाई और खासकर चौड़ाई थोड़ी कम होती है। शॉल को ओढ़ने पर तीन फोल्ड आते हैं, जबकि इनमें दो ही फोल्ड आते हैं। यह प्रिंटेड से लेकर हैवी वर्क तक सभी तरह के स्टाइल में मिलते हैं। इस बार फ्लावर प्रिंट और फिगर प्रिंट वाले स्टोल ट्रेंड में हैं। इनमें करोशिए या वुलन वीविंग पर बीड्स वर्क तो बहुत ही जंचता है।

पोंचो स्टाइल

इनमें नैक काफी आकर्षक होता है। जैसे स्टाइलिश फॉलिंग नैक या राउंड नैक आदि। यह फ्रंट ओपन भी होते हैं। इनको गले से पहना जाता है और इनमें आस्तीन की शेप नहीं होती। यह गले से लेकर हाथ तक कवर कर लेते हैं। इनको अधिक स्टाइलिश लुक देने के लिए फ्रंट ओपन भी मिलने लगे हैं। यह बॉडी पर सामने यु, ट्राईएंगल या डाईगनल कट में आते हैं। इनके किनारों पर लगे विभिन्न झालर, बीड्स, लैस, फुंदने आदि इसे और आकर्षक बनाते हैं। यह मफलर स्टाइल से थोड़े ज्यादा रेंज के होते हैं।

ग्रिल्ड टोमैटो एंड ब्री सैंडविच

सामग्री - 8 स्लाइस आटा ब्रैड, 1 टेबलस्पून ऑलिव ऑयल, 1 लहसुन की तुर्री बीच से कटी हुई, 2 टेबलस्पून सरसों के दाने, 4 ब्री चीका की पतली परत, 1 1/3 कप पैकड बेबी शाक (हरी पत्तेदार सब्जियां) तथा पालक, 8 स्लाइस टमाटर पतली कटी हुई कुकिंग स्प्रे

विधि - ग्रिल को उच्च ताप पर तैयार करें, प्रत्येक ब्रैड स्लाइस की एक तरफ ब्रश से ऑयल लगाएं। ब्रैड पर लगे तेल पर लहसुन को रगड़ें। ब्रैड स्लाइस के तेल लगे हिस्से को नीचे की ओर रख प्रत्येक स्लाइस पर सरसों बिखराएं और चीका, 1/3 कप पालक तथा टमाटर स्लाइस रखें। बाकी बचे ब्रैड स्लाइस ऑयल साइड ऊपर कर इनके ऊपर रख दें। अब सैंडविच को ग्रिल में रखें तथा कूकिंग स्प्रे करें और कम से कम 2 मिनट के लिए ग्रिल करें ताकि सैंडविच अच्छी तरह रोस्ट हो जाएं और चीका मैलट हो जाए। आप के सैंडविच तैयार हैं, इन्हें आप 4 लोगों में सर्व कर सकती हैं।



बच्चे का गुस्सा नहीं है अच्छा

आजकल के बच्चों को भी तुरंत गुस्सा आता है। छोटी-छोटी बातों पर कहासुनी तक तो ठीक है, पर अगर आपका बच्चा मारपीट करके घर आ रहा है तो आपको इस बात को गंभीरता से लेना होगा। यह जानना होगा कि इस व्यवहार के पीछे क्या कारण है और उसमें सुधार कैसे संभव है। अगर समय पर आपने सही कदम नहीं उठाया तो भविष्य में आपकी परेशानी बढ़ सकती है।



बच्चे तो शरारती होते ही हैं। पर वे जितना शरारत में तेज होते हैं उतना ही पढ़ाई और दूसरे कामों में भी हो सकते हैं, बशर्ते उन्हें सही दिशा मिले। आप उनकी ऊर्जा को सही दिशा में लगा सकें। अगर उन्हें कहीं से भी सही प्रोत्साहन न मिले और हमेशा उनकी गलतियों पर टोका-टाकी या डांट-फटकार ही लगाई जाए तो ऐसे बच्चे अति उत्साह में कभी-कभी गलत काम भी कर बैठते हैं। एक छोटी-सी बात पर कई बार बच्चे झगड़ा एवं मार-पीट करते हैं और एक-दूसरे को हानि पहुंचा देते हैं।जब इस तरह की घटनाएं बढ़ने लगती हैं तो बच्चे का व्यवहार भी आक्रामक होता जाता है। दरअसल, बचपन में मां-बाप और शिक्षक बच्चे को कुम्हार की तरह उनके विचारों को रचते हैं। इसलिए मां-बाप और शिक्षकों को समय-समय पर सही और गलत के ज्ञान के साथ-साथ हर परिस्थिति में सामंजस्य बैठाना सिखाना चाहिए। बच्चों में स्कूल, घर और बाहर में कई कारणों से झगड़े होते हैं जो कई बार उग्र रूप ले सकते हैं। इन झगड़ों में किसी बच्चे की चीज उससे बिना पूछे लेना, सहपाठियों का मजाक उड़ाना, खुद शरारत करके दूसरे बच्चे का नाम लगा देना, सहपाठी या दोस्त को थप्पड़ मार देना आदि आम है। पर, अगर सही समय पर इन गलत आदतों को न रोका जाए तो ये बच्चे के व्यक्तित्व का हिस्सा बन जाती हैं। कई बार बच्चा घर के सदस्यों को छोटी-छोटी बात पर झगड़ते देखता है तो वो बातें उसके दिमाग में घर कर जाती हैं उसके व्यवहार में भी वो बातें आ जाती हैं। अगर घर में एक बच्चे को दूसरे बच्चे से ज्यादा तवज्जो मिले या फिर घर में बड़े-बुजुर्ग अधिक लाड़-प्यार में बच्चों के गलत बातों को नजरअंदाज कर दें, तो भी ऐसा होता है।

मैं नहीं हूं लड़ाकू

बच्चों को छोटी-छोटी बातें सिखानी चाहिए। जैसे गलती करने पर सॉरी बोलना या गलती मानना। किसी दूसरे का सामान इस्तेमाल करने से पहले उससे पूछना। ऊंची आवाज में बात नहीं करना आदि। उनके गलत व्यवहार को इस तरह से समझाना कि यदि उनके साथ कोई ऐसा करे तो उन्हें कैसा लगेगा। बच्चों को दूसरों की वस्तुओं की कद्र करना सिखाना चाहिए। आपको अपने बच्चे को यह सिखाना होगा कि नकारात्मक परिस्थिति में उसे कैसा व्यवहार करना चाहिए। अगर वह बहुत नाराज है तो उसे समझाना चाहिए कि वह अपने गुस्से पर कैसे काबू रखे, जैसे थोड़ी देर चुप रहना, कहीं और देखना, पानी पीना या थोड़ी देर के लिए वहां से चले जाना, उल्टी गिनती गिनना इत्यादि। आप उसके लिए स्वयं को उदाहरण बनाकर पेश करें। बच्चों की अपनी बुराई सुनना सिखाना चाहिए। इससे भविष्य में अगर कोई उसके सामने ही उसकी बुराई करेगा, तो वह उत्तेजित नहीं होगा और उसे सकारात्मक तौर पर लेगा। संभव है कि अपनी बुराई सुनकर वह खुद में सकारात्मक बदलाव लाने की कोशिश भी करे। बच्चा चिड़चिड़ापन या झगड़ालू व्यवहार का ना हो इसके लिए घर में हर समय खुशी का माहौल होना चाहिए। घर में ज्यादा से ज्यादा समय एक दूसरे के साथ गुजारें। हर छोटी-सी खुशियां शेयर करें। बच्चों को मार-पीट से दूर रहने की सलाह दें। झगड़ालू या दबंग बच्चों से दोस्ती न रखने की सलाह दें। उनकी संगत पर नजर रखें।

आपके आंगन खिलखिलाएगा बचपन

आई यू आई तकनीक उन दपंतियों के लिए वरदान है जो गर्भधारण न कर पाने की समस्या से परेशान हैं। यह न केवल एक आसान प्रक्रिया है, बल्कि इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं हैं।

हर महिला मां बन कर ही खुद को संपूर्ण महसूस करती है। घर में बच्चे की किलकारी सुनकर एक मां का दिल गुलजार हो उठता है। लेकिन कुछ महिलाएं ऐसी भी हैं, जिनका मां बनने का सपना पूरा नहीं हो पाता। ऐसी ही कुछ महिलाओं में से एक है मीता, जो शादी के बाद किसी वजह से गर्भधारण नहीं कर पा रही थी। ऐसे में वह तनाव, गुस्सा और अकेलापन महसूस करने लगी, साथ ही समाज के तानों से बचने के लिए वह रिश्तेदारों से भी दूर होने लगी। पर, जब उसके डॉक्टर ने उसे इंट्रायूटराइन इनसिमीनेशन (आई यू आई) नाम के एक तकनीक के बारे में बताया, तो उसे अपनी समस्या का हल दिखता नजर आया।

आजकल तनाव, व्यस्त जीवनशैली और प्रदूषित वातावरण के कारण कई दपंतियों को प्राकृतिक तरीके से गर्भधारण करने में दिक्कत होती है। कई युवा आजकल शादी देर से करते हैं और कई बार गर्भधारण जैसे विषय को गंभीरता से नहीं लेते। जब बच्चे की कमी महसूस होने लगती है तो काफी उम्र निकल जाती है, जिससे गर्भधारण में काफी जटिलता आ जाती है। यही नहीं, इससे दपंति को बहुत मानसिक तनाव हो जाता है, जिसका सीधा असर उनके गर्भधारण पर पड़ता है। पर, ऐसा नहीं है कि इसका कोई हल नहीं है। आजकल कई युवा दपंति कृत्रिम गर्भधारण तकनीकों के जरिए अपने मां-बाप बनने का सपना पूरा कर रहे हैं। आई यू आई भी इन्हीं कृत्रिम गर्भधारण के तकनीकों में से एक है।

क्या है आई यू आई?

आई यू आई तकनीक के तहत तेजी से बढ़ रहे शुक्राणुओं को सीधे ही महिला के गर्भाशय में रख दिया जाता है, जिससे गर्भधारण की संभावना बहुत ज्यादा बढ़ जाती है, क्योंकि शुक्राणुओं को अंडे के करीब रखा जाता है। इस प्रक्रिया में क्षतिग्रस्त और गतिहीन शुक्राणुओं को अलग करके स्वस्थ शुक्राणुओं को महिला के गर्भ में डाला जाता है। बेहतरीन गुणवत्ता के शुक्राणुओं को 36 से 40 घंटे के बाद एक छोटी नलिका (एक बेहद नरम लचीली टयूब) की मदद से गर्भाशय ग्रीवा (गर्भ का द्वार) में रखा जाता है।

आई यू आई तकनीक अपनाने से पहले फैलोपियन ट्यूब की जांच की जाती है। फैलोपियन ट्यूब में किसी भी तरह की रुकावट को देखने के लिए लेप्रोस्कोपी और डाई टेस्टिंग दोनों बहुत अहम प्रक्रिया हैं। लेप्रोस्कोपी के दौरान बहुत ही बारीक टेलीस्कोप को यूट्रस की कैविटी में डाला जाता है। अगर यूट्रस की कैविटी में किसी रुकावट का पता चलता है तो पहले उस रुकावट को हटाया जाता है।

दवाओं की मदद भी ली जाती है

आई यू आई की सफलता सुनिश्चित करने के लिए दवाओं का इस्तेमाल भी किया जाता है। दवा के द्वारा अंडों के प्रोडक्शन में सुधार किया जाता है। आई यू आई में ज्यादा सफलता पाने के लिए इस प्रक्रिया को उस दिन किया जाता है, जिस दिन से महिला को पीरियड्स शुरू होता है। महिला को पीरियड शुरू होने का सही दिन पता चल सके, इसके लिए उसे ओव्यूलेशन किट दी जाती है। इसके अलावा पीरियड्स के दौरान महिला का योनि मार्ग द्वारा अल्ट्रासांउड या फिर रक्त जांच की जाती है।जिस दिन इस प्रक्रिया को किया जाता है, उस दिन शुक्राणुओं को इकट्ठा कर उनमें से क्षतिग्रस्त और गतिहीन शुक्राणुओं को अलग करके स्वस्थ शुक्राणुओं को अलग किया जाता है। इसके बाद लगभग 36 से 40 घंटे बाद एक छोटी ट्यूब की मदद से शुक्राणुओं को गर्भ में रखा जाता है। इस पूरी प्रक्रिया को करने में कुछ ही मिनट का समय लगता है और आमतौर पर यह दर्दरहित प्रक्रिया होती है।

कब लें इस तकनीक का सहारा

- गर्भधारण न होने का अस्पष्ट कारण
- ओव्यूलेशन में समस्या
- शुक्राणुओं की संख्या कम होना
- शुक्राणुओं की गतिशीलता कम होना
- गर्भाशय ग्रीवा की स्थिति शुक्राणुओं के अनुकूल न होना
- शीघ्रपतन होना
- काफी सरल है यह प्रक्रिया
- आमतौर पर दर्द नहीं होता। लेकिन कई महिलाओं को माहवारी के दौरान होने वाला दर्द महसूस हो सकता है
- कुछ ही घंटों में महिला घर जा सकती है
- आई यू आई की प्रक्रिया के बाद कोई दवा लेने की जरूरत नहीं पड़ती
- इस प्रक्रिया में व्यक्ति को बेहोश करने की जरूरत नहीं पड़ती
- इस प्रक्रिया में कुछ मिनटों का ही वक्त लगता है